खण्ड-08 सत्र-02 / अंक-11

मंगलवार 01 अप्रैल, 2025 / 11 चैत्र, 1947 (शक)

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्यमेव जयते

आठवीं विधान सभा

दूसरा सत्र

अधिकृत विवरण

(खण्ड-08, सत्र-2 में अंक 06 से 12 तक सम्मिलित हैं।)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय

पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054

सम्पादक वर्ग

EDITORIAL BOARD

रंजीत सिंह

सचिव

RANJEET SINGH

Secretary

महेन्द्र गुप्ता

उप-सचिव (सम्पादन)

MAHENDRA GUPTA

Deputy Secretary (Editing)

विषय सूची

सत्र-2 मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025/11 चैत्र, 1947 (शक) अंक-11

क्र.सं.	विषय	पृष्ठ सं.
1.	सदन में उपस्थित सदस्यों की सूची	1-2
2.	विशेष उल्लेख (नियम-280)	3-32
3.	सदन पटल पर प्रस्तुत कागज़ात	33
4.	सीएजी रिपोर्ट (वायु प्रदूषण) प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा	34-71
5.	ध्यानाकर्षण पर विपक्ष के गैरजिम्मेदाराना व्यवहार पर माननीय अध्यक्ष महोदय का वक्तव्य एवं अन्य सदस्यों द्वारा विचाराभिव्यक्ति	72-105
6.	विधान सभा को पूर्णतया सोलर उर्जाकृत करने एवं वित्तिय समितियों के निर्वाचन के संबंध में माननीय अध्यक्ष महोदय की घोषणा	106-107
7.	अल्पकालिक चर्चा (नियम-55)	108-115

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-2 **मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025/11 चैत्र, 1947 (शक)** **अंक-11**

दिल्ली विधान सभा

निम्नलिखित सदस्य सदन में उपस्थित हुए:

1. श्री अहिर दीपक चौधरी
2. श्री अजय महावर
3. श्री अनिल कुमार शर्मा
4. श्री अरविन्दर सिंह लवली
5. श्री अशोक गोयल
6. श्री गजेन्द्र दराल
7. श्री गजेन्द्र सिंह यादव
8. श्री हरीश खुराना
9. श्री कैलाश गहलोत
10. श्री कैलाश गंगवाल
11. श्री करनैल सिंह
12. श्री कुलदीप सोलंकी
13. श्री कुलवन्त राणा
14. श्री मनोज कुमार शौकीन
15. श्री नीरज बैसोया
16. श्री प्रद्यूम्न सिंह राजपूत
17. श्री पवन शर्मा
18. श्रीमती पूनम शर्मा
19. श्री राजकुमार भाटिया
20. श्री राज कुमार चौहान
21. श्री रविन्दर सिंह नेगी
22. श्री संदीप सहरावत

23. श्री संजय गोयल
24. श्री सतीश अपाध्याय
25. सुश्री शिखा राय
26. श्री श्याम शर्मा
27. श्री सूर्य प्रकाश खत्री
28. श्री तरविन्दर सिंह मारवाह
29. श्री तिलक राम गुप्ता
30. श्री उमंग बजाज
31. श्री चन्दन कुमार चौधरी
32. चौधरी जुबैर अहमद
33. श्री अजय दत्त
34. श्री जरनैल सिंह
35. श्री जितेन्द्र महाजन
36. श्री कुलदीप कुमार
37. श्री ओम प्रकाश शर्मा
38. श्री प्रवेश रत्न
39. श्री प्रेम चौहान
40. श्री राज करन खत्री
41. श्री राम सिंह नेताजी
42. श्री रवि कान्त
43. श्री संजीव झा
44. श्री सोम दत्त
45. श्री सुरेन्द्र कुमार
46. श्री विरेन्द्र सिंह कादियान

दिल्ली विधान सभा

की

कार्यवाही

सत्र-2 मंगलवार, 01 अप्रैल, 2025/11 चैत्र, 1947 (शक) अंक-11

सदन अपराह्न 02.07 बजे समवेत हुआ ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए ।

माननीय अध्यक्षः अब निम्नलिखित सदस्यों द्वारा विशेष उल्लेख के मामले उठाये जायेंगे। श्री सूर्य प्रकाश खत्री।

विशेष उल्लेख (नियम-280)

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय जल मंत्री महोदय का ध्यान अपनी विधानसभा क्षेत्र, तिमारपुर के अन्तर्गत मलकागंज चौक से रावलपिंडी स्कूल तक की सड़क की दयनीय हालत की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, इस सड़क से लगभग हर रोज़ एक लाख से भी ज्यादा लोग गुजरते हैं इस सड़क के ऊपर मंदिर भी हैं, मस्जिद भी हैं, स्कूल्स भी हैं, कब्रिस्तान भी है और ये पूरा जो है, अध्यक्ष जी आपका बचपना भी वहां गुजरा है और मेरा भी बचपना वहां गुजरा है। ये मलकागंज से लेकर रावलपिंडी स्कूल के बीच में दोनों तरफ dense जो है ना पोपुलेशन है दोनों तरफ से और ये मेरी रिजर्व

कैटेगरी का वार्ड है इसमें सभी गरीब किस्म के और मिले-जुले समुदाय के लोग रहते हैं। अध्यक्ष जी इसके अंदर एक सड़क है जोकि मुझे पिछली सरकार से उपहार में मिली है जिसकी स्थिति इतनी दयनीय है।

माननीय अध्यक्षः कि लगता ही नहीं कि ये दिल्ली है।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः कि लगता ही नहीं ये दिल्ली है ऐसा लगता है कि जैसे हम लोग अभी भी आदिकाल में जी रहे हैं और मुझे ये समझ में नहीं आता वहां सड़क के अंदर खड्ढ़े हैं या खड्ढ़ों में सड़क है। अध्यक्ष जी वहां की हालत पिछले 11 साल से वहां पर एक सीवर लाइन डली हुई थी। मुझे इतनी शर्म आ रही है आज और इतना दु:ख के साथ में ये बात बताना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्षः सड़क की एजेंसी भी बता दो।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः कि मलकागंज के अंदर।

माननीय अध्यक्षः रोड़ किस एजेंसी की रोड़ है।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः ये एमसीडी की रोड़ है और इसके अंदर जो जल बोर्ड की जो पाइप लाइन जा रही है वो कोई 30 साल पहले डली थी लेकिन पिछले 11 साल से हर रोज़ सवेरे वहां पर तालाब बन जाती है पूरी तरह और जो भी लोग वहां से वाहनों से छोटे वाहन जो भी वहां से गुजरते हैं अध्यक्ष जी वो पलट जाते

हैं जिसकी वजह से कई बच्चों को कई महिलाओं को कई पुरूषों को चोट आ चुकी है गंभीर। मैं वहां पर दो एजेंसी का काम बहुत इमिजेट्ली होना है एक तो दिल्ली जल बोर्ड का होना है कि उसके अंदर जो पाइप लाइन है वो पाइप लाइन तुरंत बदली जाये क्योंकि उस पाइप लाइन की वजह से दोनों तरफ का पानी सड़क पर आ जाता है और उसके बाद इस सड़क की जो है पूरी सड़क ये दोबारा बनवाई जाये तो मैं अध्यक्ष जी आपसे बस यही रिस्वेस्ट करता हूं कि आज हालत उस क्षेत्र की ये है सड़क तो डूब जाती है उसके बाद पटरी भी डूब जाती है और फिर आसपास के घरों में भी मतलब की वाहन तो पलट रहे हैं लेकिन पैदल चलने का भी कोई साधन नहीं है तो मलकागंज की ये समस्या पिछले 10-11 साल से है सरकार बदल गई है और हम आश्वासन देकर आये हैं कि हम इस सड़क का कुछ जो है आने वाले समय के अंदर इसको दुरूस्त करेंगे। मेरी जल बोर्ड और एमसीडी दोनों से ये प्रार्थना है और आपके माध्यम से कि आप इसको जो है जल्दी से जल्दी ठीक कराई जाये, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री इमरान हुसैन (अनुपस्थित)। श्री संजय गोयल, एक सैकेंड।

श्री राजकुमार चौहानः अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आपने आज सैशन 2.00 बजे से रखा इसकी वजह से हम लोग अपने एरिये की पब्लिक डीलिंग भी हम लोग कर पाते हैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री संजय गोयलः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री जी के संज्ञान में एक जरूरी विषय जोकि प्राइवेट स्कूलों से जुड़ा हुआ है उसको लाना चाहता हूं क्योंकि जिस तरह से प्राइवेट स्कूलों ने मनमाने ढंग से हर वर्ष फीस को बढ़ाना साथ में डेव्लपमेंट चार्ज को बढ़ाना, एडमिशन चार्ज को बढ़ाना, स्कूल के परिसर में बिना परमीशन के स्कूल बुक्स की दुकान खोलना साथ में स्कूल यूनिफार्म की दुकान खोलना ऐसे विषय को मैं लाना चाहता हूं जिससे कि अभिभावक गण बहुत परेशान हैं इस स्थिति में हैं कि वो कहते हैं हम जाएं तो जाएं कहां। अब मैं आपको इस विषय में जब डेवलपमेंट चार्ज हर वर्ष बढ़ाया जाता है। जब स्कूल एक बार बन गया तो बार-बार डेवलपमेंट चार्ज लेने की क्या आवश्यकता है इसका मतलब ये हुआ की डेवलपमेंट।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः आप बैठिये, आप बैठिये, बैठिये सब यहीं पर हैं, सब यही पर हैं बैठिये आप।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अरे यहीं पर हैं वाशरूम गये हैं, वाशरूम गये हैं एक मिनट के लिए आ रहे हैं। कोई अगर ऐसे थोड़े ही होता है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः यहीं हैं, मिनिस्टर यहीं हैं कहीं नहीं गये, चलिए यहीं पर हैं, चलिए।

श्री संजय गोयलः माननीय अध्यक्ष जी, जब एक स्कूल के विद्यार्थी द्वारा अभिभावक के द्वारा डवलपमेंट चार्ज दे दिया जाता है इसका मतलब यह हुआ की स्कूल के विद्यालय में उसका शेयर हो गया। इसका मतलब उसका शेयर हो गया और शेयर हो गया तो परमानेंट शेयर हो गया। जब एक बार बिल्डिंग बन गई, बिल्डिंग की रेनोवेशन हो गई तो दोबारा बार-बार हर वर्ष डवलपमेंट चार्ज लेना और उसको हर बार बढ़ाना ये अनुचित है क्योंकि एक बार बनने के बाद नहीं लेना चाहिए। ऐसे ही एडमीशन चार्ज, जब एक क्लास में एडमीशन नर्सरी में एडमीशन हो गया और मार्कशीट में लिखा जाता है कि परमोटेड टू नेक्स्ट क्लास। जब एक बार एडमीशन हो गया तो फिर वो दोबारा एडमीशन चार्ज लेने की क्या आवश्यकता है और वो भी एडमीशन चार्ज भी बढ़ा दिया जाता है हर साल। ये व्यवस्थाएं इस तरह से हमारे जो अभिभावक हैं जिनकी सैलरी कम होती है या व्यापार कम होता है उनके लिए उसको पेमेंट करना एक तरह से सिर के ऊपर पहाड़ टूटने के बराबर है और साथ में उन अभिभावकों को विद्यालय से ही पुस्तक खरीदने के लिए उनको कहा जाता है और जो पुस्तक नहीं खरीदते विद्यालय से उनको निकालने के लिए धमकी दी जाती है और दूसरी बात ये है की किताबें जो हैं जो रसीद मिलती है वो इस स्कूल की रसीद नहीं होती वो किसी अन्य की रसीद होती है

जिसमें जीएसटी की चोरी भी होती है। मान लीजिए एक किताब 2000 रुपये की बाहर मार्किट में मिल रही है और स्कूल प्रबंधन वो 7000 रुपये की किताबों को सेल करता है और जो उस 5000 रुपये पर जीएसटी है वो जीएसटी की चोरी भी वो उस एजेंसी के माध्यम से की जाती है ये भी इस पर रोक लगनी चाहिए। साथ में इसी तरह से स्कूल युनिफार्म है स्कूल युनिफार्म की भी शॉप होती है उसकी भी रसीद दूसरे ट्रेडर की होती है स्कूल की नहीं होती। मैं माननीय मंत्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि आप इस पर संज्ञान लेते हुए या तो स्कूल के नाम से वो रसीद कटे उसकी एक स्पेसिफिक फीस उसकी किताबों का जो मूल्य है वो निर्धारित करें ये किताब इतने की है ये किताब इतने की है और ऐसे ही युनिफार्म की कॉस्ट भी निर्धारित करें जिससे की हमारे जो अभिभावक हैं वो बार-बार इतने परेशान होते हैं क्योंकि गवर्नमेंट स्कूल में जा नहीं सकते वहां पर भी विद्यालय खोले नहीं गये पिछली सरकार ने जो की कहा था हम इतने विद्यालय खोलेंगे स्थिति ऐसी आ गई की न इधर के न उधर के तो मेरा आपसे निवेदन है और एक मैं माननीय मंत्री जी को एक सजेशन और देना चाहूंगा कि जितने प्राइवेट स्कूल हैं क्योंकि वो सिंगल शिफ्ट में चलते हैं, सेकेंड शिफ्ट उनकी खाली रहती है सेकेंड शिफ्ट में यदि गवर्नमेंट क्योंकि अभी तुरंत बिल्डिंग नहीं बन सकती उनको एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सेकेंड शिफ्ट गवर्नमेंट खुद उनकी बिल्डिंग ले और बिल्डिंग लेकर उसी मैनेजमेंट के साथ एमओयू करके वहां सरकारी स्कूल में जो प्रेशर बना हुआ है एक-एक कक्षा में 80-80 बच्चे पढ़ते हैं वो

बच्चों के रेशियो जो 1x40 होता है उसको हम सही कर सकते हैं क्योंकि ये नहीं किया तो हमारे जो आने वाले भविष्य के बच्चे हैं जो निर्माता हैं बच्चे हमारे कल का भविष्य उन्हीं को ही इस देश को संभालना है यदि उनकी क्वालिटी एजुकेशन नहीं होगी तो इस देश के अंदर अच्छे से वो काम नहीं कर पाएंगे। मेरा यही अनुरोध है कि इन पर संज्ञान लिया जाए जिससे की अभिभावकों को परेशानी नहीं हो और कुछ विद्यालय तो ऐसे हैं माननीय अध्यक्ष जी वो ईडब्लूएस कोटे में लेने में बड़ा ऐतराज करते हैं। ईडब्लूएस कोटे को ये समझते हैं जैसे कितना बड़ा बोझ आ गया इतना बड़ा बोझ उनको किताबों लेने के लिए भी उनको कहते हैं हमारे से किताब लीजिए जबकि सरकार उनको पेमेंट करती है और वो अपने इस विद्यालय से खरीदने के लिए स्कूल की युनिफार्म ईडब्लूएस कोटे में जो 25 परसेंट उनको लेना कंपलसरी है उसको लेने के लिए भी परेशान हैं। हमारे पास डेली जब हम सुबह बैठते हैं अनेकों-अनेक पेरेंट्स आते हैं जब हम विद्यालय में बात करते हैं तो कहते हैं जी हम तो कुछ नहीं कर रहे। हम उनकी शिकायत करते हैं तो उनको कहते हैं जी आप हमारी शिकायत क्यों कर रहे हैं। तो ये जो चीजें हैं वो यदि एक माननीय शिक्षा मंत्री जी इस पर एक अपना एक नियम बना देंगे तो मैं समझता हूं जो हमारे दिल्ली के अभिभावक हैं जिनकी इनकम कम है उनको बड़ी आसानी से उनके बच्चों को शिक्षा मिल सकती है इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्रीमती पूनम शर्मा।

श्रीमती पूनम शर्माः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय जी और यहां पर उपस्थित सभी सदस्यगणों को नमस्कार करती हूं प्रणाम करती हूं और आप सभी को नवरात्रि की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। अध्यक्ष जी, मेरी विधानसभा के अंदर पानी की समस्या काफी सालों से चल रही है विशेषकर जेजे कालोनी और वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिये में काफी मैं कहूं की 50-60 वर्षों से वहां पर पानी की जो पाइप लाइन है वो बदली नहीं गई है और जिसकी वजह से वहां जो लीकेज है जो पानी के अंदर स्मैलिंग वाला वाटर आता है उसमें भी लीकेज की वजह से ही ये प्राब्लम रहती है। तो मैं आप सबके माध्यम से ये कहना चाहती हूं कि झुग्गी बस्तियों के अंदर 4 इंच व 6 इंच का पाइप जो लोहे का पाइप होता है वो नये सुचारू रूप से दोबारा डलवाए जाएं क्योंकि पानी की समस्या अब आप सबको पता है कि गर्मी का मौसम आने वाला है गर्मी आते ही लोग तिल-तिल मरते हैं पानी के लिए वहां पर झुग्गी-बस्ती के अंदर। वैसे तो हमारी जब से दिल्ली में बीजेपी की सरकार आई है तब से आधी समस्या तो खत्म हो गई है। मैं अपने मंत्री जी को भी बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं क्योंकि पानी के टैंकर सुचारू रूप से चालू हो गए है और सबसे बड़ी बात जो आप लोगों ने जीपीएस लगाया है वो भी हमारे लिए एक मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि उससे भी ये जो घोटाले हो रहे थे उस पर भी हमें कहीं ना कहीं फायदा होगा। जेजे कालोनी वजीरपुर इण्डस्ट्री एरिये

के अंदर एक मेरी विधान सभा के अंदर एक बहुत बड़ा हिस्सा है। तो आप सबके माध्यम से मुझे 20 कर्मचारी तो आप सबने प्रमिशन दे दी है और वहां जो स्लम एरिया है, उसके लिए मुझे 10 कर्मचारी और अगर मिल जाये तो आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद रहेगा। क्योंकि सारा झुग्गी बस्ती और स्लम एरिया ज्यादा है। वहां पर सफाई कर्मचारियों की ज्यादा जरूरत रहती है। नालियां भरी रहती हैं। नाले ओवरफ्लो रहते हैं। एक बार पुनः फिर आप सबको ये ही कहना चाहती हूं कि पानी की समस्या पर थोड़ा सा ध्यान दिया जाये। क्योंकि मेरे क्षेत्र के अंदर पीछे भी आप सबने अखबारों में सोशल मीडिया पर भी देखा होगा कि वहां पर पानी के ऊपर आदमी एक दूसरे पर अटैक करते हैं और हत्यायें हो जाती है। पिछली बारी भी वहां पर तीस चालीस साल के व्यक्ति पर अटैक हुआ टैंकर के कारण। तो आप सब इसके लिए एक सुचारू रूप से नया एक वो चलाईये कि पाईप लाईन सारी जो पचास-साठ वर्षो से पाईप लाईन पुरानी है उसको चेंज किया जाए। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः श्री अभय वर्मा।

श्री अभय वर्माः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक अक्षरधाम मैट्रो स्टेशन है। उस स्टेशन से हजारों की संख्या में लोग उतर कर गणेश नगर कॉम्पलैक्स एक एरिया है वहां जाते हैं। बल्कि मंडावली के लोग भी अक्षरधाम मैट्रो स्टेशन को यूज करते हैं। अभी पिछले दिनों देहरादून एक्सप्रेस बनने के कारण उस स्टेशन

तक जाने के लिए लगभग दो सौ से ढ़ाई सौ मीटर का एक पुल क्रॉस करके जाना पड़ता है। अब बुजुर्ग और विकलांग के सीढ़ियों से चढ़कर जाने में बहुत समस्या होती है और लगातार वो अपनी परेशानी हमें बताते रहते है। तो मेरा मंत्री जी से आग्रह है कि पुल पर चढ़ने के लिए या उतरने के लिए एक लिफ्ट लगवा दी जाए ताकि व्हील चेयर से जो बुजुर्ग आते हैं या विकलांग जो आते हैं वो उन सीढ़ियों को यूज न कर पायें और लिफ्ट से वो सीधे स्टेशन की तरफ जा सकेंगे। इसके लिए जगह भी फ्लड कंट्रोल के पास है। वो अनयूज्ड जगह पड़ा हुआ है। तो फ्लड कंट्रोल डिपार्टमेंट और मैट्रो डिपार्टमेंट मिलकर उस जगह को लेकर एक लिफ्ट लगवा दें और लिफ्ट लगवाने से यात्रियों को सुविधा होगा। मेरे क्षेत्र के बहुत सारे लोगों को इसका बेनिफिट मिलेगा। अध्यक्ष जी इसी के साथ जो गणेश नगर कॉम्पलेक्स के लोग जो आते जाते हैं तो वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए भी मैने बात किया है और मुझे लगता है कि ये लिफ्ट का प्रोविजन अगर मिल जायेगा तो निश्चित रूप से लोगों को फायदा होगा और लिफ्ट लगाने के लिए भी व्यक्ति हमारे पास है। अगर ये दोनों डिपार्टमेंट तैयार हो जाये तो ये लिफ्ट लग सकता है। तो आपके माध्यम से मैं मंत्री जी से आग्रह करता हूं।

माननीय अध्यक्षः मतलब कोई डोनेट करना चाहता है।

श्री अभय वर्मा: हॉ। कोई डोनेशन के लिए भी तैयार है। तो अगर मंत्री जी इसमें संज्ञान ले लेंगे तो ये काम जल्दी से जल्दी पूरा होगा और मेरे क्षेत्र के लोगों को फायदा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: मंत्री जी, इस मामले में जो लिफ्ट फ्लाईओवर्स के लिए उस पर कुछ वक्तव्य देने की। मंत्री जी स्वत: इसका संज्ञान ले रहे है उनकी बात का तो स्टेटमेंट देना चाहते है।

माननीय शहरी विकास मंत्री (श्री आशीष सूद): माननीय अध्यक्ष जी, भाई अभय वर्मा जी ने माननीय सदस्य ने बहुत महत्वपूर्ण विषय उठाया है। सभी सार्वजनिक सुविधाएं सभी दिव्यांगजनों को सभी specially challenged लोगों को accessible होनी चाहिए। जहां भी ऐसी कमी है मै विनती करूंगा सभी सदस्य ऐसी सार्वजनिक सुविधाओं को सुचीब) करें और निजी तौर पर मेरे कार्यालय पर मुझे दें। जहां पर उस पर मेरे विभाग के माध्यम से कुछ कर्णीय बिन्दू होंगे मैं आपको विश्वास दिलाता हूं सभी सम्बन्धित एजेंसीज को हम रोप इन करके इसको, इसका निस्तारण करेंगे। दिव्यांगजन specially challenged बहन भाई हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसे हम above party line, above ideological differences उन सबके हितों में काम करे। मैं विनती करता हूं आप सभी से हाथ जोड कर करबद्ध निवेदन है ऐसी सभी सुविधाओं को और मैं अभय जी को साधुवाद देता हूं कि उन्होंने दिव्यांगजन, बुजुर्ग, सीनियर सिटीजन्स के लिए ये विषय को बताया और उन्होंने जो ये कहा है कि कई डोनेट करने के लिए भी उपलब्ध है तो मैं

विभाग की स्थिति, मैट्रो की स्थिति वो सब जांच कर अभय जी को सुचित करूंगा। उनसे पूरी डिटेल लूंगा। आप सभी से मेरे विनती है ऐसी सब सूचनाएं आप निजी तौर पर चिट्ठी लिखकर भी मुझे देंगे, हम इसका निस्तारण करेंगे।

माननीय अध्यक्षः इसमें जो विषय अभय वर्मा जी ने उठाया है बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए मंत्री जी का भी स्वागत है कि उन्होंने स्वयं इस पर संज्ञान लेते हुए वक्तव्य दिया है। मैं चाहूंगा.

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कोई नहीं मैं दूंगा आपको मौका। इसमें जो विषय है इसको जोड़ने का वो ये है कि दो तरह के लिफ्ट है एक तो मैट्रो की लिफ्ट है अपनी दूसरा, जो फ्लाईओवर्स है उनके लिए भी लिफ्ट की जरूरत है क्योंकि अगर मान लो रोड क्रॉस नहीं कर सकते बीच में बैरिकेटिंग हो गई है तो सीढ़ियों से जाना सम्भव नहीं होता है और इसके लिये लिफ्ट लगी थी, हट गयी, टूटी पड़ी हैं मतलब इस पर ध्यान नहीं दिया गया कभी भी। तो मैं समझता हूं कि इस पर आपने बहुत अच्छा वक्तव्य दिया है सभी ने। तो इस पर कंप्रिहेंसिव पॉलिसी बना के और इसमें अगर लोग सहयोग करने को भी तैयार हैं उस पर भी अगर विचार हो सकता है तो। कुलवंत जी मैं इस विषय को चूंकि ये महत्व का विषय है और दिल्ली की जनता इस समस्या से काफी ग्रस्त है। तो आप भी शायद कुछ कहना चाह रहे हैं मैं आपको अलाउ करता हूं।

श्री कुलवंत राणाः मैं ये कहना चाह रहा था कि अम्बेडकर अस्पताल के सामने जो मेट्रो स्टेशन है पेशंट्स भी आते हैं मेट्रो से, तो वहां भी एस्कलेटर भी नहीं है वहां पे और न ही वहां लिफ्ट है। मैं इसमें एड करना चाहता था ये विषय भी एड हो जाये अम्बेडकर अस्पताल मेट्रो स्टेशन जो रोहिणी वैस्ट है उसके सामने ऐसी व्यवस्था जो एस्कलेटर और लिफ्ट की हो जाये। बहुत आवश्यक है।

माननीय अध्यक्षः एस्कलेटर और लिफ्ट जो है न ये महत्वपूर्ण विषय है। अब मैं अगला वक्ता श्री अनिल झा जी। अब देखिये विपक्ष के दो सदस्यों के 280 आये हैं, दोनों ही उपलब्ध नहीं हैं। माननीय सदस्य श्री करनैल सिंह।

श्री करनैल सिंहः धन्यवाद अध्यक्ष महोदय जी आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं आपका ध्यान वक्फ बोर्ड की प्रॉपर्टियों की तरफ लेके जाना चाहता हूं। दिल्ली के अंदर जो मस्जिदें बनी हुई हैं वो मेरी विशेष रूप से मैं अपनी विधान सभा का एक प्रूफ मेरे सामने है। एक डीडीए का बहुत बड़ा पार्क है और मैं माननीय मंत्री जी का भी ध्यान मैं इस तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि उस डीडीए पार्क के अंदर मस्जिद बनी हुई है और वो मस्जिद बढ़ती जा रही है जबकि वो क्लियर है कि वो डीडीए का पार्क है। जब भी वहां पर कोई अधिकारी जाते हैं तो उनको ये कह के भेज दिया जाता है कि ये वक्फ बोर्ड की जमीन है। अब कोई चीज हो सकता है कि वक्फ की हो लेकिन वो बिल्कुल क्लियर

है कि वो जो पार्क है वो डीडीए का पार्क है तो इस तरह से दिल्ली के अंदर जो भी ये वक्फ बोर्ड के नाम लेकर के जमीनों पर कब्ज़ा हो रहा है उनको एक आदेश दिया जाये दिल्ली सरकार की तरफ से चाहे उसमें डीडीए हो, चाहे एमसीडी हो और चाहे पीडब्ल्यूडी हो और जो भी सरकारी जमीनें हैं। दिल्ली के अंदर जितनी भी वक्फ बोर्ड की जमीनों का नाम लेकर उन के उपर कब्ज़ा किया जा रहा है उनको नोटिस निकाला जाये कि इस जमीन के आप कागज दिखाईये अन्यथा इसको खाली करिये। मैं पिछले साल 2023 और 2024 की मैं बात करता हूं दिल्ली के अंदर तकरीबन 50 मंदिरों को तोड़ा गया और जबकि वहां पर आपदा सरकार के मंत्री मनीष सिसोदिया जी ये ऑर्डर देकर के गये थे कि इन मंदिरों को तोड़ा जाये और वहां पर आपदा सरकार, मेरे पास प्रूफ है मैं आपको दिखा दूंगा जब आपको चाहिये। माननीय अध्यक्ष जी, तो ये एक बहकावा लोगों के अंदर ऐसा दिखाया गया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और मंदिर तोड़े जा रहे हैं। मैं इस बात की तरफ सभी सदस्यों का भी ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं और मंत्री जी का भी ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं कि सबकी सरकारी जमीनों पर एक भी मस्जिद को नहीं तोड़ा गया जबकि सभी मंदिरों को तोड़ा गया क्योंकि आपदा सरकार उसके लिये ऑर्डर दे के गयी थी। और भगवान ने भी उनको ऐसा उन्होंने भगवान को ऐसा उनको वो दिया मैं भगवान ने उनको ऐसा दिया कि वो जेल चले गये क्योंकि उन्होंने भगवान के मंदिर तोड़ने का

आदेश दिया था। तो मेरा आपसे अनुरोध है कि इनकी जांच हो विशेष रूप से जो अपने आप को ये बोल देते हैं कि हमारा कानून है इनकी कोई जांच कर नहीं सकता। तो दिल्ली के अंदर जितनी भी प्रॉपर्टियां हैं जिनपे वक्फ बोर्ड ये बोलता है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः भई आप उनको बात कहने दो न।

श्री करनैल सिंहः जिनपे वक्फ बोर्ड ये बोलता है कि हमारी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः उनको अपनी बात कहने दो न, आप अपनी बात कहना। कुलदीप जी आप बैठ जाईये। आप अपनी बात कहो न। उनको अपनी बात कहने दो। भाषा में क्या कमी है।

...व्यवधान...

श्री करनैल सिंहः मेरा अध्यक्ष जी आपसे इतना ही अनुरोध है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः मैं देख रहा हूं न भाषा ठीक नहीं हुई मैं ठीक करा दूंगा। कोई नहीं, मैं करा दूंगा।

श्री करनैल सिंहः मेरा आपसे इतना ही अनुरोध है कि जो सरकारी जमीनों पर कब्ज़ा है जो ये बोलते हैं वक्फ बोर्ड की है उनको नोटिस दे दिया जाये कि अगर आगे आपकी वक्फ बोर्ड की

जमीन है तो या तो उसके कागज दिखायें या उसको वहां से समेटें और विशेष रूप से मेरी विधान सभा के अंदर 4 ऐसी मस्जिद हैं जो डीडीए के पार्क में बनी हैं। मैं माननीय मंत्री जी का भी इस बात की तरफ ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं कि वो बिल्कुल क्लियर है डीडीए की जमीन पर बनाकर के उसको बढ़ाते जा रहे हैं तो उनको किसी न किसी तरह से दिल्ली सरकार की तरफ से नोटिफिकेशन निकाल करके ये इस तरह से जो वक्फ बोर्ड की जमीन हैं उनको रोका जाये। मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री....

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं, 280 में नहीं, 280 में नहीं, नहीं बैठ जाईये। माननीय सदस्य श्री संदीप सहरावत।

श्री संदीप सहरावतः धन्यवाद अध्यक्ष जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः कोई नहीं, बैठिये, बैठिये

श्री संदीप सहरावतः धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं अभी आप बैठिये। बैठ जाईये।

श्री संदीप सहरावतः धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं मटियाला विधान सभा के द्वारका में डीडीए के अन्तर्गत सामुदायिक भवन, कम्युनिटी हॉल्स को पर्यटन एवं सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, कभी दिल्ली...

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः यहां क्या-क्या नाम लिये गये हैं सबको पता है। यहां सदन में क्या होता रहा है पहले सबको पता है। आप बैठिये मैं देख रहा हूं सारा। बैठिये आप, बैठिये आप। आप बैठिये, कार्यवाही को चलने दीजिए।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः कार्यवाही को चलने दीजिए आप।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः आप बैठिये। सन्दीप सहरावत जी।

....व्यवधान....

श्री सन्दीप सहरावतः अध्यक्ष जी, कभी डीडीए द्वारा विभिन्न स्थानों पर सामुदायिक भवन, कम्युनिटी हॉल्स का निर्माण किया गया था जिनका उद्देश्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ाना था। किंतु वर्तमान में ये कम्युनिटी हॉल उपेक्षित अवस्था में हैं जो जर्जर हो चुके हैं और कई स्थानों पर इनका दुरूपयोग किया जा

रहा है। महोदय, इन सामुदायिक भवनों को उचित पुनरूद्धार किया जाए तो ये न केवल दिल्ली की सांस्कृतिक धरोहर में योगदान बनेंगे बल्कि आर्थिक रूप में भी उपयोगी सिद्ध होंगे। मेरा आपसे अनुरोध है कि, मैं माननीय मंत्री जी से मांग करता हूं कि कॉफी हाउस एवं कला केंद्रों को पारम्परिक भारतीय और आधुनिक थीम पर आधुनिक कैफे और कला केंद्रों में बदला जाए और पुस्तकालय एवं पठन केंद्र, युवाओं, विद्यार्थियों के लिए अध्ययन केंद्र बनाये जाए जिससे वे सकारात्मक माहौल में ज्ञान अर्जित कर सके। धन्यवाद अध्यक्ष जी।

....व्यवधान....

माननीय अध्यक्षः अभी ये पहले ये हो जाए फिर, पर आपको समय पर आना चाहिए था न देखिए। माननीय सदस्य- श्री रवि कान्त जी।

श्री रवि कान्तः बहुत-बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी आपने मुझे 280 के पहली बार बोलने का मौका दिया। आप सभी को मैं नव-वर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं। अध्यक्ष जी, मेरी त्रिलोकपुरी विधान सभा में, सभी, पूरी दिल्ली में ही, त्रिलोकपुरी विधान सभा ही नहीं पूरी दिल्ली के अंदर जो सीवर से और पानी से लोग परेशान हैं, वो तो सभी का कॉमन इशू है लेकिन उसके साथ-साथ मैं एक चीज जोड़ना चाहूंगा, माननीय मंत्री जी, प्रवेश वर्मा जी जब आये थे तो हमारी विधान सभा के अंदर

जो सीवर और पानी की समस्या हैं उससे कुछ हद तक हम उसमें सही हो पाये हैं। लेकिन मैं आदरणीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि चिल्ला में यमुना खादर के अंदर लगभग 7 पम्प बूस्टर बहुत लंबे समय से पेंडिंग हैं जो पड़े हुए हैं जिनकी लाइन बिछाई हुई है लेकिन वो चालू नहीं हो पाये हैं, तो उनको चालू करेंगे तो हमारी त्रिलोकपुरी विधान सभा के अंदर जो जल की व्यवस्था है वो कुछ हद तक ठीक हो पायेगी क्योंकि गर्मी आ रही है उसको ध्यान में रखते हुए हमें काम करना चाहिए जी।

दूसरा मेरी विधान सभा में नौ ब्लॉक के अंदर स्थित डॉक्टर भीम राव अंबेडकर जी का एक पार्क हैजो हमारे पूर्व विधायक स्वर्गीय सुनील वैद्य जी ने जो बनाया था अब वो पिछले कई वर्षो से असामाजिक तत्वों, आवारा पशुओं और नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है जहां पर उसकी हालत देखेंगे तो वो पूरा का पूरा जर्जर अवस्था में है। मेरा निवेदन है कि बाबा साहब के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम का पुनः निर्माण किया जाए, हो सके तो स्टेडियम के अंदर मल्टीस्पेशलिस्ट हॉस्पिटल बनाया जाए या फिर हमारी विधान सभा के अंदर जच्चा-बच्चा केंद्र बनाया जाए क्योंकि हमारी विधान सभा के अंदर एक भी सरकारी अस्पताल नहीं है। साथ-साथ उसके अंदर हम युवा, युवाओं के लिए एक खेल परिसर बना सकते है जिससे कि मेरी विधान सभा के जो युवा हैं वो बाहर जाते हैं उनके लिए खेलने का कोई भी जगह नहीं है तो उनको खेलने का अवसर मिल सकता है।

साथ-साथ मैं आपका ध्यान कराना चाहूंगा प्राइवेट स्कूलों की तरफ। हमारी विधान सभा के अंदर कुछ प्राइवेट स्कूल ऐसे हैं जो ईडब्लूएस से बच्चे हमारे यहां आते हैं, ईडब्लूएस में वो पांचवीं क्लास तक उनको देते हैं लेकिन पांचवीं के बाद जब एडमिशन कराने की बारी आती है तो उन लोगों को भगाया जाता है, उनसे जबरन साइन कराये जाते है और साइन कराने के बाद, क्योंकि ये मनीष सिसोदिया का जो रोल मॉडल था आज उनकी व्यवस्थाएं देखकर मन बड़ा रोता है और हमारे विधान सभा ही नहीं पूरी दिल्ली के अंदर लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि जब भी वो एडमिशन ईडब्लूएस के लिए जाते हैं तो पांचवीं कक्षा तक तो उनको निःशुल्क पढ़ाया जाता है लेकिन उसके बाद जब आठवीं तक की बात आती है तो उनको जबरन साइन कराकर मना किया जाता है, उन पैरेंट्सों को नहीं मिलने दिया जाता, तो उसकी भी व्यवस्था की जाए।

साथ-साथ मान्यवर मेरी विधान सभा में पीडब्लूडी के जो नाले हैं उनके ऊपर अवैध रूप से कब्जा है, चाहे वो घर हो, घर बने हुए हैं, चाहे वो डूसिब की लैंड पर, हमारे यहां बांग्लादेशी घुसपैठियों ने जो जगह बनाई हुई हैं उसमें पूर्व में जो विधायक रहे, जो पूर्व में और लोग रहें, सरकारें रही उन्होंने उनको शेल्टर देने का काम किया। वहां पर जब मैंने देखा तो सीवर की लाइन और पानी की लाइन भी बिछा रखी है। उसके साथ-साथ खुलेआम पीडब्लूडी के नालों के ऊपर मांस की बिक्री होती है जो इलीगली तरीके से

बनाई गई है। वहां पर किसी भी तरीके का लाइसेंस नहीं है और मांस की बिक्रियां लगातार चल रही है।

डूसिब हो, चाहे डीडीए हो, हमारे यहां चिल्ला गांव के अंदर डीडीए का एक ऐसी जगह है जो लगभग सात साल से हाउसिंग के लिए बनी हुई है लेकिन सात साल से वो जगह का कोई भी इस्तेमाल नहीं हो रहा है तो डीडीए को ये निर्देश दिए जाए कि या तो वहां पर किसी तरीके का प्रोजेक्ट बनाया जाए या फिर हाउसिंग की व्यवस्था की जाए जिससे कि लोगों के लिए वो जगह इस्तेमाल में आए।

डूसिब की लैंड पर अवैध पार्किंग, अवैध पार्किंग के साथ-साथ जो हमारे सेवा बस्ती के लोग हैं, वहां जो शौचालय हैं उसकी हालत इतनी खराब है कि वहां पर लोग रोते हैं जाने में, जब हम सेवा बस्ती में एक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता होने के नाते जब जाते थे तो उनका दर्द देखा, वो आज भी दर्द बरकरार है, शौचालयों की हालत इतनी चरमरा गई है, वहां पर खत्तों की हालत इतनी खराब है कि वहां से लोग गुजर नहीं सकते। ऐसी व्यवस्था को ठीक करना चाहिए।

डूसिब की लैंड पर सट्टेबाजों ने अपना कब्जा किया हुआ है, शराब माफियाओं ने अपना कब्जा किया है जिसमें पुलिस प्रशासन को उनको सख्त निर्देश देने चाहिए और डूसिब की जगह को खाली कराने के लिए डूसिब के अधिकारियों को अपना पूर्ण योगदान

देना चाहिए। आपने मेरी बात को सुना उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री सतीश उपाध्याय।

श्री सतीश उपाध्यायः धन्यवाद अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय जल मंत्री महोदय का ध्यान मेरी विधानसभा की एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गम्भीर समस्या है जिसकी तरफ दिलाना चाहता हूं। मेरी विधानसभा मालवीय नगर में साउथ दिल्ली के बहुत बड़े-बड़े नाले आते हैं। एक नाला आरकेपुरम से लेकर के और मैडिकल इंस्टीट्यूट तक और उससे आगे जाता है और वही एक नाला आईआईटी गेट के जिया सराय से होकर डीयर पार्क से होकर के गुजरता है और वो उस नाले में जाकर के मिल जाता है। समस्या ये है कि ये नाला पूरी तरह से बरसाती नाला था, बड़ा नाला है, स्ट्रोग वाटर के लिए है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इस पिछले 10 सालों में लगातार समय-समय पर इसमें सीवर को मिला दिया गया है। सीवर को मिलाने के कारण से यहां पर लगने वाले जो प्रमुख एरिया हैं, जैसे सफदरजंग डवलपमेंट एरिया का सी-4 ब्लॉक है, सफदरजंग डवलपमेंट एरिया का सी-1, सी-2 ब्लॉक है, अर्जुन नगर है, सफदरजंग एंकलेव के ए-1, ए-2 ब्लॉक है, इन सब ब्लॉकों में लोगों का रहना मुश्किल हो गया, दूर्भर हो गया और बड़ी बात मंत्री जी इसमें ये हुई है कि एनबीसीसी का वर्ल्ड ट्रेड सैंटर टावर बना है। इस वर्ल्ड ट्रेड टॉवर का भी जो सीवर की निकासी है वो इस नाले में डाल दी गई है और इस

नाले में डालने के कारण से आप समझ सकते हैं मंत्री जी की तमाम तरह की बीमारियाँ लोगों के लिए हो गई हैं, लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। अपने घरों में तरह–तरह की गैस उनके अंदर आती है लोगों के एयरकंडीशन खराब होते हैं और दुर्गंध, मच्छर, बीमारी का एक बहुत बड़ा कारण ये नाला बना है। मेरा आपसे विनम्र अनुरोध है पिछले 10 सालों में इसमें कुछ नहीं हुआ। आप उसका एक बार निरीक्षण करा लीजिए। एक तो वहां से सीवर का मिक्सिंग उसमें से समाप्त होनी चाहिए, मुझे लगता है कि शायद कोर्ट का आदेश है कि आप नालों को कवर नहीं कर सकते हैं, अगर आप नालों को नहीं कवर कर सकते हैं तो मंत्री जी मेरा आपसे अनुरोध है कि वहां पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगा देना चाहिए जिसके कारण से इस लोगों का जो जीवन है वो ठीक से रह पाए। कहने के लिए ये ए–क्लास की कॉलोनी है, बी–क्लास की कॉलोनी है, लोग टैक्स सबसे ज्यादा देते हैं। लेकिन उनकी सुविधाएं दिन–पे–दिन समाप्त हो जा रही हैं, लापरवाही के कारण से। मेरा आपसे अनुरोध है कि इस सीवरेज सिस्टम को इमीडेटली वर्ल्ड ट्रेड सैंटर को एनबीसीसी को आप कहें और जहां से भी ये सीवरेज सिस्टम इस बरसाती नाले में डाले गए हैं, अविलंब इस पर समयबद्ध सीमा में इसपर कार्रवाई की जाए और इन सीवर को यहां से हटाया जाए और इस नाले पर एसटीपी बनाना है तो एसटीपी बनाया जाए और इस नाले का पुनरूद्धार कराया जाए, बार–बार मेरे सफदरजंग एंकलेव के निवासी, सफदरजंग डवलपमेंट एरिया के निवासी, अर्जुन नगर के निवासी, जिया सराय के निवासी ये सब लोग इसके

कारण से बहुत परेशान हैं, आशा है आप मेरी बात को ध्यान में लेकर के तुरंत इसपर कार्रवाई करेंगे बहुत–बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री अनिल झा।

श्री अनिल झाः अध्यक्ष जी आपका बहुत–बहुत आभार 280 पर मेरे क्षेत्र के विषय के लिए। अध्यक्ष जी मैं किराड़ी विधानसभा के जो एक्सटेंडिड डीडीए की जो भूमि थी उसके ऊपर रोहिणी सैक्टर–41, रोहिणी सैक्टर–39 को नए सिरे से बसाने का प्रयास चल रहा है। 106 हेक्टेयर के आसपास वह भूमि है, लेकिन उसपर लगभग 4 से 5 फीट भराव का पानी था। लेकिन हमने कहा बार–बार डीडीए से रिक्वैस्ट की कि उस पानी को समाप्त किया जाए। अब पानी को समाप्त करने की स्थिति ऐसी आ गई है कि जो कूड़े के पहाड़ है समयपुर बादली के वहां से पहाड़ों को काटकर के वो किराड़ी के उन जगहों पर 106 हेक्टेयर भूमि पर उसे भरा जा रहा है। मुझे डर ये लग रहा है कहीं अप्रत्यक्ष रूप से वो किराड़ी विधानसभा को डंपिंग यार्ड तो नहीं बनाया जा रहा है। दूसरी बात इसमें ये है कि जहां–जहां पर पानी है, उसके लिए एक ड्रेन भी डीडीए बना रही है, लेकिन वहां पर 90 पेड़ों का मामला ऐसा अटका पड़ा हुआ है कि उनकी एनओसी नहीं दे रही है पर्यावरण विभाग जिसकी वजह से वो ड्रेन नहीं बन रही है, इधर कूड़े के पहाड़ों को घटाने की जल्द बाजी के कारण से वो किराड़ी में सारा कूड़ा आ रहा है, उसकी वजह से इतनी स्मैल आती है चारों तरफ, पूरी की पूरी विधानसभा के अंदर स्थिति बहुत

ही ज्यादा बद से बदतर होती जा रही है। उसके ऊपर करेले में कोढ़ ऐसा हो गया है कि जो डीडीए की जमीनें है मैंने बार-बार डीडीए के अधिकारियों को, जो मधुबन चौक पर चीफ इंजिनियर्स बैठते हैं उनको कहा है कि आपकी भूमि पर अवैध कब्जे हो रहे हैं, वहां पर अवैध स्ट्टेबाज अपना कारोबार चलाते हैं, वहां eve teasing होती है, वहां पर रात को अंधेरे के अंदर बहुत सारे गैर कानूनी काम होते हैं, मेरा आपसे निवेदन है अध्यक्ष जी आपके माध्यम से विभाग को यह जानकारी जाए की उनकी भूमि पर जो अवैघ कब्जे हुए हैं जिसपर बाउंड्री हो गई है, कछ लोग प्लॉट काट करके वो किराड़ी की अनोथराइज्ड कॉलोनियों के साथ मर्ज करके उस पूरे के पूरे को प्लॉट काट रहे थे, जिसकी मैंने जानकारी विभाग को दी है, लेकिन अभी तक उसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अध्यक्ष जी मेरा आपसे निवेदन है कि डीडीए की बेशकीमती जमीनों को बचाया जाए, किराड़ी विधानसभा के अंदर जो डंपिंगयार्ड को समाप्त करने के लिए जो बहुत ज्यादा कूड़ा भेजा जा रहा है उसकी स्थिति की समीक्षा की जाए, बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री मोहन सिंह बिष्ट।

श्री मोहन सिंह बिष्टः आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का ध्यान अपनी विधानसभा मुस्तफाबाद के अंतर्गत घनी आबादी और बहुत ही गरीब परिवारों की ओर दिलाना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, मेरी विधानसभा क्षेत्र मुस्तफाबाद में 50 गज, 60 गज और सौ गज के ज्यादातर प्लाट हैं। अध्यक्ष जी यहां

पे बहुत बल्क में बहुतायत रूप में यहां पे 5 और 6 मंजिले मकान बनाए जा रहे हैं और इनका निर्माण किया जा रहा है यही नहीं इन भवनों के निर्माण में बुनियादी समस्याओं या और जरूरतमंद का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से एक निवेदन करना चाहता हूं जो ये कालोनियां बसी हुई हैं इस कालोनी में पीने के पानी की लाइन डाली गई है, सीवर की व्यवस्था की गई है, बिजली की व्यवस्था की गई है और यहां पे दस से लेकर के 10 बारह, 15 फीट चौड़ी सड़कें हैं। अध्यक्ष महोदय, यदि यहां पे बहुमंजिला बिल्डिंगों का निर्माण कर दिया जाएगा तो ना तो किसी को पीने का पानी मिलेगा, ना सीवर की व्यवस्था का उनको लाभ मिलेगा ना ही बिजली का लाभ उनको मिल सकता है और ये आज से नहीं ये पिछले वर्षों से लगातार इस प्रकार का घटनाक्रम चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूं यहां पे यदि गलती से खुदा ना खास्ता भूकंप आ गया तो ये स्वतः ही ये बिल्डिंगें गिर जाएगीं क्यूंकि यहां building bye laws का कोई ध्यान नहीं रखा गया। यदि building bye laws का ध्यान रखा गया होता तो इन बिल्डिगों में खतरा नहीं होता थोड़ा सा भूचाल आ जाए पूरी तरह से बिल्डिगें हिलने लगती हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे बहुत बड़ा जानमाल का व्यापक नुकसान हो सकता है। मैं आपके माध्यम से एक बात और कहना चाहता हूं यहां बिजली मंत्री जी बैठे हैं बिजली मंत्री जी भी सुन लें गरीब आदमी यदि बिजली का मीटर लेना चाहता है तो गरीब आदमी को बिजली का मीटर नहीं दिया

बनाई जा रही हैं उसमें तुरंत बिजली के कनैक्शन दिए जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, बिजली कंपनी प्राइवेट हो सकती है लेकिन शेयर होल्डर हम भी हैं और शेयर होल्डर के होने के नाते निश्चित रूप से उनको आदेश देना होगा कि आप 50 गज के पांच पांच छह छह मंजिल में जो आप बिजली दे रहे हैं उनकी जांच पड़ताल की जाए और यही नहीं अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से सदन के अंदर ये कहना चाहता हूं जिन बिल्डिंगों की वजह से वहां जानमाल का नुकसान हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, उनको चैक कराया जाए उन बिल्डिगों को तोड़ा जाए जिससे कि सामने वाले लोगों की जानमाल की सुरक्षा हो सके यह विवादित संपूर्ण भूमि दिल्ली की ये भूकंप से प्रभावित जोन है और मैं सरकार से करबद्ध प्रार्थना करना चाहता हूं सरकार सिर्फ तीन या चार मंजिल वैसे तो अनओथराइज कालोनीज के अंदर नक्शा पास नहीं होता है यदि नक्शा पास नहीं होता है तो बिल्डिंग डिपार्टमेंट को ऐसा निर्देश दिया जाए और जो अधिकारी इसमें लिप्त हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और अवैध निर्माणों को रोका जाए। माननीय अध्यक्ष जी मैं आपसे निवेदन करते हुए इन अवैध बिल्डिगों पे कार्रवाई के साथ अविलंब जो पांच और छह मंजिल या चार पांच, छह मंजिल की बिल्डिंगें हैं इनको तुरंत ध्वस्त करने का निर्देश एमसीडी के कमिशनर को दें इसके लिए मैं आपका सदा आभारी रहूंगा। आपने बोलने का मौका दिया बहुत बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री जरनैल सिंह जी। 280 में तो डिसकशन नहीं होता।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः एक मिनट जरनैल जी। क्या गंभीर मामला है। संक्षेप में बताइए।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी जो मोहन सिंह बिष्ट जी ने जो उठाया है ना क्वैशचन मंत्री जी को मैं मिला भी था। आज मीटर लगाना ऐसा हो गया है कि दो दो महीने चक्कर लगा कर प्राइवेट का मतलब क्या है कि सुबह जमा कराओ शाम को मीटर आपके घर लग जाना चाहिए। मंत्री जी बहुत बड़ा घपला चल रहा है। मैं उस दिन आपको मिल कर भी रिकवैस्ट करके गया था। बहुत परेशानी हो रही है।

माननीय अध्यक्षः धन्यवाद, धन्यवाद। माननीय सदस्य श्री जरनैल सिंह।

श्री जरनैल सिंहः थैंक्यू स्पीकर साहब, और स्पीकर साहब धन्यवाद आप 280 में ज्यादा से ज्यादा सवालों को लेने की कोशिश कर रहे हैं। ये सवाल मेरे सर ये सवाल मेरी विधानसभा तिलक नगर क्षेत्र में मैट्रो रूट से संबंधित है आज मैट्रो स्टेशन जिसका नाम कृष्णा पार्क रखा गया है और उसकी जो एक्चुअल लोकेशन है क्योंकि मैट्रो के रूट्स में कुछ बदलाव हुए हैं और एक मेट्रो स्टेशन जो डिस्ट्रिक सेंटर में बनना था वो कैंसल हो गया तो

नामों में तो कोई बदलाव नहीं लाया गया और नाम उसी तरीके से चलते रहे। तो जहां पर न्यू कृष्णा पार्क बनना था वो स्टेशन बना नहीं और अगले स्टेशन का नाम न्यू कृष्णा पार्क रख दिया गया और जहां पर केशवपुर गांव रखना था वो नाम भी सर नहीं रखा गया। तो जो लोकेशन है उस लोकेशन का नाम से कोई मैच नहीं हो रहा। तो वहां के लोगों के बीच में इस चीज का सर बहुत रोष है। जो एरिया गुरू नानक नगर केशवपुर गांव की जमीन पर बना है उसका नाम में बदलाव किया जाए। SNA कमेटी को ये पहले भी मैटर भेजा हुआ है तो कृपया इस पर SNA गौर करें मैं माननीय परिवहन मंत्री जी से निवेदन करता हूँ कि इस मामले का संज्ञान लें और जल्दी से जल्दी इस पर उपयुक्त कार्यवाही करें। थैंक्यु स्पीकर सर।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री पुनर्दीप सिंह साहनी (अनुपस्थित)। माननीय सदस्य श्री आले मोहम्मद इकबाल (अनुपस्थित)। माननीय सदस्या श्रीमती नीलम पहलवान। ये रिकॉर्ड पर ले लिया जाए जिन-जिन सदस्यों के मैंने नाम बोले हैं ये सब बोलने की सूची का हिस्सा हैं और रिकॉर्ड में लिया जाए कि इनको बोलने का मौका दिया गया।

श्रीमती नीलम पहलवानः आदरणीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से माननीय शहरी विकास मंत्री महोदया का ध्यान अपनी विधानसभा क्षेत्र नजफगढ़ के आम जनता की समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। मेरी विधानसभा क्षेत्र में गांव के साथ-साथ

बहुत सारी कॉलोनियां भी आती हैं। जिसमें से अभी भी बहुत सारी कॉलोनियां कच्ची हैं। कच्ची कॉलोनी को शहरी विकास विभाग से बाहर रखा गया है। जिसके कारण उन कॉलोनी में कोई भी सुविधा उपलब्ध नहीं है। उनकी गलियां सीवर पाइप लाईन, पीने के पानी की लाईन, बिजली के खंभो की व्यवस्था नहीं है। जिसके कारण सारी जनता परेशान है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदया जी से निवेदन करती हूँ कि उन सभी कॉलोनियों को पक्का करके शहरी विकास के अंतर्गत लाया जाए, ताकि उनको मूलभूत सुविधायें मिल सकें। आम जनता को बिजली, पानी, सड़क इत्यादि उपलब्ध कराना सरकार का कर्तव्य है। बिजली के कनैक्शन रद्द कर दिये जाते हैं। बिजली के कनैक्शन के सर्वर लोगों को परेशान करते हैं। अपनी मर्जी के मुताबिक बिजली के कनैक्शन को रद्द कर देते हैं। बिजली विभाग ने अपने अलग-अलग नियम बना रखे हैं। जिससे लोग परेशान हैं। लोग अपने पुराने मकान को तोड़कर जब नया मकान बनाते हैं तो उनके मीटर को जमा कर लेते हैं और उनके यहां टैम्प्रेरी मीटर जबरदस्ती लगवाते हैं, जिससे लिए कॉमर्शियल चार्ज लिये जाते हैं। उसके बाद कमर्शियल मीटर को जमा करने की प्रक्रिया होती है। तत्पश्चात उनको घरेलु मीटर दिया जाता है। गांव और कॉलोनी के लोग अपने दूसरे प्लॉटों पर जब मीटर मांगते हैं तो वहां पर उन्हें रसोई और बाथरूम बनवाने का जरूरी इंडीकेशन देकर लोगों को परेशान किया जाता है। जबकि देहात में और कॉलोनी में अगर किसी के पास अपना खुद का मकान है तो उसको दूसरी

जगह रसोई और बाथरूम बनाने की आवश्यकता क्या है। जिससे लोगों को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। उसके बाद भी उनको बार-बार विभागों के चक्कर काटने पड़ते हैं। मेरा माननीय मंत्री महोदया है से निवेदन है कि इस सभी नियमों में सुधार के लिए संबंधित विभाग को निर्देश दिये जायें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अब माननीय मुख्यमंत्री, माननीय वित्त मंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी कार्यसूची के बिन्दु क्रमांक 2 में दर्शाये गए निम्नलिखित दस्तावेज की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करेंगी।

श्रीमती रेखा गुप्ता (माननीय मुख्यमंत्री): अध्यक्ष महोदय मैं आपकी अनुमति से 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के दिल्ली में वाहन वायु प्रदूषण रोकथाम और शमन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन वर्ष 2022 का प्रतिवेदन संख्या 2 की प्रतियां सदन पटल पर प्रस्तुत करती हूँ।[1]

माननीय अध्यक्षः सभी सदस्यों को ये कॉपियां वितरित कर दी जाएं। माननीय सदस्यों चूंकि बैठक 11 बजे आहुत होती रही है। पहली बार इस आठवी विधानसभा में 2 बजे बैठक हुई है। कुछ सदस्यों का ये आग्रह था कि चूंकि वो सीधा घर से चलेंगे, तो कुछ ब्रंच बगैरा की भी व्यवस्था रहे। तो आज उसको हमने व्यवस्था की है तो अभी साढ़े तीन बजे तक सदन की बैठक जो है वो स्थगित की जाती है। लाउंज नंबर 1 में व्यवस्था है और

[1] दिल्ली विधान सभा पुस्तकालय में संदर्भ संख्या आर-23386 पर उपलब्ध।

आप ब्रंच ले सकते हैं।. आज हाँ मैं वही कह रहा हूँ ये पूरी स्थिति स्पष्ट कर देता हूँ। 4 बजे हाई टी की व्यवस्था रखी गई है, लेकिन अब व्यवस्था थोड़ा बदली है क्योंकि ये एक से दो के बीच में था तो उस समय सदस्यों की जानकारी में नहीं था। तो हमने कहा ठीक है फिर तीन से साढ़े तीन बजे सदस्य जो ब्रंच ले पायेंगे और हाई टी जो है वो जब सदन समाप्त होगा तो उस समय के लिए 6 बजे के लिए शिफ्ट कर दी गई है। तो अभी रिपोर्ट आई है, टेबल पे रख दी गई है इसको आप देख भी लें और साढ़े तीन बजे इस रिपोर्ट पर चर्चा प्रारम्भ करेंगे।

(सदन की कार्यवाही अपराह्न 3.30 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

सदन पुनः अपराह्न 3.30 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार से संबंधित, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का ''दिल्ली में वाहन वायु प्रदूषण रोकथाम और शमन पर निष्पादन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन'' (वर्ष 2022 का प्रतिवेदन संख्या 02) पर चर्चा के लिये मैं माननीय मंत्री श्री सिरसा जी से अनुरोध करूंगा कि वो चर्चा प्रारंभ करें।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः वो एलओबी देखो एलओबी। एलओबी में देखो। एलओबी में। विपक्ष चर्चा से न भागे, सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा करे और चर्चा से भागने का अर्थ है कि सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा से मत भागिये। करिये।

माननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अध्यक्ष जी, मैं आपका धन्यवाद करता हूं एक के बाद एक कैग रिपोर्ट जैसे सामने आ रही है ये तय था कि विपक्ष जरूर प्रदूषण का जब मसला आयेगा।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः चर्चा से न भागे, मैं चेतावनी दे रहा हूं मुझे कार्रवाई के लिये मजबूर न करें बैठ जाईये। बैठ जाईये। चर्चा से न भागिये। मैं माननीय विपक्षी सदस्यों से कहूंगा कि सीएजी पर चर्चा होने दें। अभी रिपोर्ट।

मननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): अध्यक्ष जी इन्होंने बाहर ही जाना है इनको जाना तो बाहर ही है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः ये व्हिकुलर एयर पॉल्यूशन सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा होने दें। सीएजी की रिपोर्ट पर बातचीत होने दे। आप बैठिये, बैठिये, बैठिये। अभय वर्मा जी।

श्री अभय वर्माः अध्यक्ष जी, आज मंत्री जी बैठिये, मंत्री जी।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः अभय जी, आप भी बैठिये। अभय जी दो मिनट।

श्री अभय वर्माः मैं अध्यक्ष जी रूलिंग चाह रहा हूं आपका रूलिंग चाह रहा हूं। एक तो चोरी उस पर सीना जोरी। आपने पहली बार विपक्ष के साथियों को ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिये मौका दिया है। पांच साल में हमें एक बार भी नहीं मौका मिला

माननीय अध्यक्षः दस साल में।

श्री अभय वर्माः और आपने दरियादिली दिखा के इनको मौका दिया है तो भी ये शांत नहीं बैठ रहे क्योंकि इनका मुंह काला होने वाला है इस रिपोर्ट से। रिपोर्ट की कार्यवाही के बाद ही ये बोलेंगे न। लेकिन अब ये चोरी भी कर रहे हैं सीना जोरी भी कर रहे हैं इसलिये इस विषय पे आपका रूलिंग आना चाहिये।

माननीय अध्यक्षः विपक्ष बहुत गैर जिम्मेदार व्यवहार है सीएजी की रिपोर्ट पर, आप बैठिये, बैठिये। सिरसा जी।

मननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): मैं धन्यवाद करता हूं। मैं हैरान हूं विपक्ष के इस रवैये के उपर। अगर विपक्ष जब भी कैग की रिपोर्ट आती है विपक्ष इसी तरह से हल्ला मचाता है। विपक्ष अपनी केजरीवाल जी की द्वारा जो लूट खसूट का हिसाब सुनना नहीं चाहता। मेरे को आज इस बात का खेद है कि जो

एलओबी में लिखा हुआ है लिस्ट आफ बिजनेस में लिखा हुआ है उसको भी मानने को तैयार नहीं है। जबकि इनका।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः बैठिये, बैठिये।

मननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): इशु रेज कर दिया आपने मान लिया इनको, इन्होंने बाहर जाना है देखो। ये बाहर जाना है।

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः सदन की बैठक 10 मिनट के लिये स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिये स्थगित की गई।)

सदन पुनः अपराह्न 3.45 बजे समवेत हुआ।

माननीय अध्यक्ष (श्री विजेन्द्र गुप्ता) पीठासीन हुए।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यगण बहुत ही गंभीर विषय है कि विपक्ष जब भी सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा सदन में होती है तो सदन को डिस्टर्ब किया जाता है और सदन की कार्यवाही को बाधित किया जाता है। यह परम्परा ठीक नहीं है। सीएजी की रिपोर्ट को पहले ही सरकार ने दबा कर रखा 10 साल में सीएजी की रिपोर्ट सदन के पटल पर लाये नहीं, पीएसी ने एक पैरा जैसा उस दिन हमारे लवली जी ने भी इस बात को नोटिस किया था एक

पैरा 10 साल में एक पीएसी की रिपोर्ट सदन के समक्ष आई नहीं। जो लोग पारदर्शिता की बात करते थे वो इस प्रकार से भ्रष्टाचार को बढ़ावा देंगे ये बहुत ही दुख की बात है और आज भी सदन में जो रवैया रहा जो यहां पर जिस तरह से पूरा शोर गुल किया गया, सदन की कार्यवाही को बाधित किया जिसके कारण 10 मिनट सदन की कार्यवाही को रोकना पड़ा। मैं इससे पहले कि मनजिंदर सिंह सिरसा जी को सीएजी की रिपोर्ट पर बोलने के लिए अनुमति दूं मैं समूचे विपक्ष से अनुरोध करता हूं कि वो सदन में आये और इस चर्चा का हिस्सा बने। आदरणीय मंत्रीगण मनजिंदर सिंह सिरसा जी।

माननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): धन्यवाद अध्यक्ष जी, आज आपने मेरे को एक बहुत ही दिल्ली की सबसे इंपोर्टेंट जो पर्यावरण है, हवा है उसके उपर जो कैग की रिपोर्ट आई और इस कैग की रिपोर्ट में अब तक इस कैग की रिपोर्ट को क्यूं दबा के रखा गया आज हमें हमारे विपक्ष के साथी जब बाहर भाग गये हैं तो समझ में आ गया। इतने भ्रष्टाचार, इतना करप्शन, इतना।

माननीय अध्यक्षः एक बात मैं सदन को मैं और स्पष्ट कर दूं सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिये स्थगित कर दी गयी थी उस समय सभी सदस्य सदन में उपस्थित थे। सदन की कार्यवाही 10 मिनट के बाद पुनः प्रारंभ हुई है और विपक्ष सदन में उपस्थित नहीं है।

माननीय मंत्री (श्री मनजिंदर सिंह सिरसा): विपक्ष इसीलिये सदन में उपस्थित नहीं है क्योंकि विपक्ष को केजरीवाल जी का उपर से फोन आ जाता है कि वो मेरे कच्चे चिट्ठे खोल रहे हैं और तुम सामने बैठ के सुन रहे हो और क्यूंकि 10 साल में इतना लूटा गया। अरविंद केजरीवाल जी तो डिप्रेशन से बाहर नहीं आ रहे। मेरे को आज उनके एक साथी ने बताया बड़ी इंपोरटेंट है मैं इससे पहले वो बात को बताना जरूर चाहता हूं। अध्यक्ष जी, मैं तो सुन के चकित रह गया जो आज बताई गयी। कह रहे हैं जी केजरीवाल जी इतना डिप्रेशन में चले गये हैं उनको कभी तो पंजाब में लेके जाते हैं, उनको बड़ी बड़ी गाड़ियों में बिठा के आगे पीछे पुलिस चलाते हैं उनके कि नहीं नहीं आप सत्तामें हो ऐसे मत करो, आप सत्ता में हो। कभी उनको सरकार के आज हेलिकॉप्टर में जैसे स्कूल का बच्चा जब रोता था न तो उसको खिलौना लाके देते थे, आज केजरीवाल जी को पंजाब सरकार के हेलिकॉप्टर में बिठा के लेके गये हैं कि नहीं नहीं आप ही हो सत्तामें, आप ऐसे मत करो, आप घबराओ मत। वो इतने डिप्रेशन में आ गये हैं इतने डिप्रेशन में आ गये हैं वो सदमे से बाहर नहीं निकल पा रहे और उस सदमे से बाहर निकालने के लिये बेचारे पंजाब के लोगों का करोड़ों रूपये जो है वो उजाड़ा जा रहा हैकि केजरीवाल जी को सत्ता के जो उनके हाथ से छिन गयी है उसके डिप्रेशन से बाहर निकाला जा सके। मैं हैरान हूं जब मैं आज ये पढ़ रहा हूं अब कहते हैं कि हम से न इतनी जल्दी कैग की रिपोर्ट पढ़ी नहीं

जाती। भई कमाल हो गयी। जिनको मिनटों के अंदर पैसे कैसे इकट्ठे करने हैं वो तो इनको इतनी जल्दी समझ में आता है, इतनी जल्दी समझ में आता है कि बेचारा बड़े से बड़ा आदमी सोचता रह जाता है और टेंकर वाले से कहते थे तेरे से 10 लाख रूपया चाहिये महीना, वो सुसाइड कर गया, वो तो इनको समझ में आता है। शराब के घोटाले में एक बोतल के साथ एक बोतल फ्री में कैसे बेचनी है वह भी इनको समझ में आता है लेकिन कैग की रिपोर्ट इनसे पढ़ी नहीं जाती। अच्छा जब पढ़ी नहीं जाती फिर क्या कहते हैं कह रहे हैं 14 की 14 एक ही बार पेश कर दो न। अरे भाई एक तो तुम से पढ़ी नहीं जाती, उसको देख के तो तुम विधान सभा छोड़ के भागनी पड़ती है और अगर हमने 14 की 14 रख दी, इस बोझ को तुम सह पाओगे क्या, इस बोझ में न दब जाओ। अध्यक्ष जी, एक गांव में चोरी हो गयी सारा गांव चोर ढूंढता फिरे, चोर न मिले। अब अड़ोस पड़ोस के गांव में चले गये चोर को ढूंढने, तो अड़ोस पड़ोस के गांव के लोगों ने इसपे एतराज कर दिया कि भई कमाल हो गयी है हम कोई चोर हैं तुम हमारे बारे में ऐसा बोलते हो। वो बड़े परेशान हुए, वो एक संत महात्मा के पास चले गये उसने उनको एक चद्दर दे दी, बोला एक काम करो ये चद्दर ले लो और जिसने गांव में चोरी की है न सारों को चद्दर के नीचे से निकालना शुरू कर दो तो जो जो चोर होगा न वो जब इस चद्दर के नीचे से निकलेगा तो बेहोश होके गिर जायेगा। अब उन्होंने चद्दर भी ले आये। चार आदमी चद्दर

पकड़ के खड़े हो गये। जब चार खड़े हो गये सारा ही गांव नीचे से निकल गया कोई बेहोश न हुआ। सारा गांव नीचे से निकल गया कोई बेहोश नहीं हुआ। वो फिर परेशान हो गये। वो फिर गये वापिस उसने कहा दूसरे गांव के लोग भी निकाल के देख लो। दूसरे गांव वालों को कहा भई देखो अब तो तुम्हें मानना पड़ेगा अब तो बड़े बुद्धिजीवी ने कहा है ये तो बात आपको माननी पड़ेगी अपने गांव की इज्जत के लिये। तो उन्होंने कहा यार ये बात तो ठीक है उन्होंने भी बता पका लिया वो भी नीचे से निकल गये बेहोश फिर कोई न हो। वो फिर गये उसके पास। उसने कहा भई एक काम करो ये चद्दर कौन कौन पकड़ के खड़े हैं। उन्होंने कहा जी एक तो चद्दर केजरीवाल जी ने एक कोना पकड़ रखा है एक मनीष सिसोदिया ने पकड़ रखा है, एक सतेंद्र जैन ने पकड़ रखा है एक संजय सिंह ने पकड़ रखा है। तो बोला जब चोरों ने चद्दर पकड़ रखी है तो नीचे से क्यूं निकाले जा रहे हो फिर। ये वो लोग हैं ये चोरों वाली चद्दर खुद पकड़ के खड़े हो जाते हैं पहले ही। तो चोरों को कहां पकड़ोगे अध्यक्ष जी आप जितनी मर्जी कैग रिपोर्ट पढ़वा लो हम तो पढ़ देंगे सारी इनकी चोरियां पर चोरों ने चद्दर पकड़ रखी है, नीचे से निकलने से होना कुछ भी नहीं है। हमसे तो जितनी मर्जी पढ़वा लो। अब आप देखो अब ये आदमी ज्ञान देता है अरे जब ये ज्ञान देता है न मेरे को एक बात तो इसमें लगती है अजय देवगन ने कुछ दिन पहले कहा था नहीं अक्षय कुमार ने, अक्षय कुमार से पूछा बोला कि आपको क्या

लगता है कि इस इंडस्ट्री में सबसे बड़ा कलाकार कौन है तो उन्होंने नाम बता दिया। तो उन्होंने कहा आपको क्या लगता है पॉलिटिक्स में सबसे बड़ा उन्होंने कहा जी बाकी ठीक है जी ये केजरीवाल सबसे बड़ा कलाकार है हमें इससे बचाकर रहना है। ये हमारा धंधा खा जायेगा। ये आदमी इतना भोला बनके ठगता है अब आप देखिये मैं आज पढ़ रहा था ये कैग रिपोर्ट क्या कहती है। ये कैग रिपोर्ट इनके सारे कच्चे चिट्ठे खोल रही है इसीलिये छोड़ कर भागे हैं। आतिशी जी सुन तो आप कहीं रहे होगे चाहे कोने में फोन कान को लगा के सुन रहे होगे क्योंकि सुने बिना तो आपसे रहा नहीं जायेगा। अब केजरीवाल जी के लूट खसूट तो वैसे भी आतिशी जी बड़ी खुशी से सुनना चाहती है क्योंकि उनको पता है।अभी केजरीवाल जी को तंग मत करो वो डिप्रेशन में हैं दवाई खा रहे हैं मरीज को कुछ हो गया तुम्हारे जिम्मे पड़ जायेगा। अब आप देखो ये आदमी देखिये जी हम आम आदमी हैं जी, हम तो बस में जाने वाले लोग हैं जी, हम तो ऑटो में जाने वाले लोग हैं जी। अब ये आटो और बस में जाने वाले लोगों का हाल देखो। 2012 में 11 हजार डीटीसी की की बसों की दिल्ली में रिक्वायमेंट थी और डीटीसी ने दिल्ली सरकार ने 50 फीसदी प्राइवेट लोग बसें चला रहे थे। डीटीसी इनके आने से पहले 5,223 बसे चला रही थी। अब ये महाशय आये आम आदमी पार्टी वाले जो कहते हैं हम तो साधारण लोग हैं ये जब आये इन्होंने क्या किया उस 5223 बसों में से 3760 बसें चलनी शुरू हो गयी बाकी 2 हजार बसें

आम आदमी पार्टी ने गायब कर दी। उसके बाद आम आदमी पार्टी के राज में जो 1292 बसें चल रही थी प्राइवेट की वो बढ़ के 2990 हो गयी। अब देखिये प्राइवेट लोगों को हाथ में धंधा देने के लिये अपनी बसों का खात्मा कर दिया ताकि प्राइवेट बसों से ये पैसा वसूल कर सकें। आगे आईये। इसी तरह जो व्हिकल रजिस्टर्ड हुए जो टू व्हीलर थे क्योंकि आम आदमी पार्टी ने ये बसें खत्म कर दी। अब खत्म करने से क्या हुआ कि लोगों को तो ट्रेवल करना था वो टू व्हीलर पे आ गये पॉल्यूशन तो बढ़ना ही था। तो टू व्हीलर पे कितने लोग आ गये जो 2011 तक 43 लाख लोग थे उसी को बढ़कर 2021 तक एक करोड़ तीस लाख लोग टू विलर पे आ गये आम आदमी पार्टी की इस नालायकी के कारण क्योंकि इन्होंने बसों को बंद कर दिया।

इसी तरह एक इनीशिएटिव लिया 2018 में जीएनसीडी ने की एक हजार नई इलेक्ट्रिक बसें लेके आनी हैं। उसमें से टेंडर भी कर दिया 385 नयी बसों का। लवली जी ये बड़ी इंटरस्टिंग बातें हैं आम आदमी पार्टी के लूटने के तरीके देखिये। ये जो टेंडर कर दिया 385 बसों का बाद में बोले भैया पैसे का लेनदेन नहीं हो रहा इसलिये इस टेंडर को रद्द कर दो। पैसे का लेनदेन नहीं हो रहा इस 385 बसों के टेंडर को जून 2021 में रद्द कर दिया गया। अब यहां भी काम नहीं रूका क्योंकि इनको लूटने के तो बड़े रस्ते आते थे। अब बोले कि पॉल्यूशन बढ़ गया है तो क्या करें स्मॉग टावर लगा देते हैं। 22 करोड़ रूपये का स्मॉग टावर

लगाया 22 करोड़ रूपये का अध्यक्ष जी। 22 करोड़ रूपये का स्मोक टावर एक साल बाद उसको जंग लग गया अब ताले लग गये उसको बंद कर दिया कह रहे अब चलता नहीं 22 करोड़ रूपये का। अच्छा इसी दौरान अब पैसे तो अरविंद केजरीवाल जी छोड़ नहीं सकते जो मारवाह जी ने बताया था पैसा पैसा पैसा, मारवाह जी आप ही ने बताया था न गाना है, पैसा पैसा करती है तू पैसे पे क्यूं मरती है। ये पैसे पे इतना मरते हैं अध्यक्ष जी ऑड इवन, अब देखिये दिल्ली के लोगों को मैं बताना चाहता हूं ऑड इवन। एक दिन ऑड गाड़ी चलेगी एक दिन इवन गाड़ी चलेगी। इसके लिये भी अरविंद केजरीवाल जी का कितना पैसा खर्च हुआ 53 करोड़ रूपया केवल ऑड इवन के नाम पर 53 करोड़ रूपया खर्च किया गया है। मैं इस हाउस को बताना चाहता हूं कोई करोड़ दो करोड़ रूपया नहीं, 53 करोड़ रूपया खर्च किया गया किस चीज के लिये केवल ऑड इवन के लिये और जिसके अंदर एक दिन ऑड चलनी है गाड़ी इवन इसमें भी इनको पैसा खाना है। इसी तरह जिस सरकार का एक ही मकसद हो कि हम लूटते जायेंगे, लूटते जायेंगे, आप उनकी लूट के रस्ते देखिये। इसी तरह अध्यक्ष जी इस दिल्ली के अंदर मोनो रेल चलनी थी। अब इसके लिये इन्होंने एक डीटीसी ने पहले मैं आपको बताना चाहता हूं डीटीसी ने एक सर्वे करवाया कि हम किस तरीके से पॉल्यूशन को कम कर सकते हैं और रूट पे बसें चला सकते हैं। तो उसपे क्या किया उसपे कंपनी को हायर किया गया, उस कंपनी को जो पैसे

दिये गये वो एक साल के काम के बाद वो सारा अमाउंट मिट्टी कर दिया बोले अब हमें इससे काम नहीं करवाना अब इसके लिए हम नयी कंपनी ढूंढेंगे हम इनसे काम नहीं करायेंगे। आगे आईये। ये डीपीसी की रिपोर्ट बताती है कि जो 87.60 लाख रूपया युनिवर्सिटी के प्रोजेक्ट था जिसको इन्होंने स्क्रैप कर दिया और वो 87 लाख रूपया भी मिट्टी हो गया बोले अब हमें इसकी भी जरूरत नहीं। यहीं नही रूके। क्योंकि लूटने की इतनी आदत पड़ चुकी है कोई एक जगह ऐसा फील्ड नहीं बचा जहां पे अरविंद केजरीवाल जी ने किसी लूटने की चीज को बख्शा हो। अब 2011 में ये जो फ्लीट था 2015 तक एवरेज जो बसें थी इसमें 89 परसेंट डीटीसी बसें जो थी वो एक्चुअल सड़कों पर थी और ये कम करके अगले साल 68 परसेंट आ गई और कम करते करते 14 से 16 परसेंट फ्लीट रह गया, बाकी सारी बसें खराब करके घर खड़ी कर दी, कहा ये बसें खराब हैं। तो अब कितनी चल रही थी, 93 बसें 11 महीनों तक खड़ी रही ये कहकर कि ये बसें खराब हैं अब हम चला नहीं सकते इन बसों को। यहीं नहीं रूका, अध्यक्ष जी, इसी तरह केबिनेट ने एक प्रपोजल किया रूट रेशनलाइजेशन के लिए और इसमें पैसा खर्च हुआ 3 करोड़ रुपये, डीआईएमटीएस ने 3 करोड़ रुपया खर्च करके 2019 में रिपोर्ट दी कि हम ऐसे रेशनलाइजेशन करना चाहते हैं लेकिन 3 करोड़ रुपया वो भी खाने के बाद वो रेशनलाइजेशन का फाइल को भी कूड़े में फेंक दिया गया, कोई रेशनलाइजेशन आर्फ रूट्स किया ही नहीं गया।

आगे आइये। सरकार ने कहा कि इस पॉल्यूशन को कम किया जाए, अब क्या रास्ता एडॉप्ट किया जाए, सब कुछ तो पहले ही फेल कर लिया है, बोले अब मोनो रेल लेकर आते हैं, लाइट रेल ट्रांजिट और इसके अंदर इलेक्ट्रानिक ट्राली बसिस होंगी, हर साल ऐड करते जाएंगे और मोनो रेल लेकर आते हैं। अब क्या, मोनो रेल का भी क्या हुआ, वो सारी जब चला दी जब अपनी फाइलें-फुइलें तो फिर कह रहे हैं मोनो रेल नहीं लेकर आनी, अगर मोनो रेल आ गई तो प्राइवेट बसों से जो पैसा आता है वो बंद हो जाएगा, प्राइवेट बसें फेल हो जाएंगी इसलिए मोनो रेल को चलाने का जो फाइल चलाई थी उसको खत्म कर दिया गया।

अब देखिए इससे आगे, घोटाले पर घोटाला, घोटाले पर घोटाला, घोटाले पर घोटाला, अब हम तो खुद पढ़ते-पढ़ते थक गए हैं इन घोटालों को, कितने घोटाले इनके पढ़ें। कई बार मैं अध्यक्ष जी जब ये घोटाले पढ़ता हूं न, मैं सोचता हूं यार हम इतने घोटाले इनके बता रहे हैं, अब आप कह रहे हो मैं कमेटी बनाऊंगा, कमेटी बनाकर इनकी विजिलेंस की इंक्वायरी कराऊंगा, कई बार मेरे को तरस भी आता है यार ये आदमी सारी उम्र जेल ही रहेगा या बाहर भी आयेगा। कई बार तो ऐसा लगता है कि यार छोड़ो इसका घोटाला, अगला एक रहने ही दो वर्ना बेचारा अंदर ही रहने वाला है।

अब ये सुनिए जी। अध्यक्ष जी, 22 लाख 14 हजार डीजल व्हीकल्स का पॉल्यूशन चेक किया गया, कितना, 22 लाख 14

हजार का, इसमें से 24 फीसदी ऐसे व्हीकल्स थे जिन लोगों का पीयूसी सर्टिफिकेट होना नहीं चाहिए था, वो पर्मिसबल जो उसकी रेंज थी पॉल्यूशन की उससे बाहर थे inspite of that उन लोगों को पैसा लेकर उनको पीयूसी सर्टिफिकेट दे दिये गये जी। अध्यक्ष जी, उनको सर्टिफिकेट देकर गये, मंत्री जी आप देखिए 24 फीसदी व्हीकल। आगे आइये। एक लाख आठ हजार, सुनिये नंबर कितना है, अब आप ये पूछते पॉल्यूशन कहां से आता है, अब तो पॉल्यूशन पता लगा पॉल्यूशन आता कहां से है, पॉल्यूशन तो केजरीवाल के लूट से और केजरीवाल के रिश्वत से पॉल्यूशन आ रहा है दिल्ली में, अब ये बार-बार पूछते थे पॉल्यूशन कहां से आता है, अरे पॉल्यूशन तो केजरीवाल जी के शीशमहल की तरफ से निकलता था। अब ये आकर इसमें समझ में आया कि क्यों कैग रिपोर्ट नहीं आने देते थे। जानिए आप। एक लाख आठ हजार व्हीकल जिनको पीयूसी सर्टिफिकेट पास का दिया गया था कि ये पॉल्यूशन सर्टिफिकेट दिया गया था पास का वो पर्मिसबल लिमिट से बहुत ज्यादा था inspite of that पैसे लेकर एक लाख आठ हजार ऐसे व्हीकल्स को पीयूसीसी दिया गया जो दिल्ली के अंदर पॉल्यूशन फैलाने का काम कर रहे थे। सोचिए, एक लाख आठ हजार व्हीकल और अगर एक से पांच-पांच हजार रुपया भी लिया हो तो कितने हजार करोड़ हो गया, कितने हजार करोड़ हो गया, है कैलकुलेटर किसी के पास,.. नहीं, करना एक बार, एक लाख आठ हजार व्हीकल से पांच हजार रुपया लेकर सर्टिफिकेट दिया गया तो कितना पैसा बना, पांच हजार

करोड़ कि पांच सौ करोड़, भैया मैं कौन सा. मैं तो, केजरीवाल कहता बनिये का बेटा हूं, भैया हमें हिसाब नहीं आता, हम तो देहाती लोग हैं, खेती वाले लोग हैं, हमें तो दो दुनी दो भी नहीं आता कई बार।.. यार आप इतने पढ़े लिखे लोग बैठे हों, उसने पैसे इतने खा गया, तुमसे गिने नहीं जा रहे, हद हो गई, तुम कैलकुलेटर पर हिसाब नहीं कर रहे, वो अपने घर भी लेकर चले गये और ये कमाल हो गया। अध्यक्ष जी, देखो हमारे एल.एल.ए. कितने भोले हैं इनको माफ कर देना, इनकी तरफ से मैं माफी मांगता हूं, वो इतने पैसे लेकर चले गये, इन बेचारे हमारे वालों से तो ये गिनती भी नहीं हो रही है कितने है, कोई नहीं, तुम्हारा कसूर नहीं।

आगे सुनिए। अध्यक्ष जी, कलाकारी तो केजरीवाल जी से सीखनी पड़ेगी। ऐसा कलाकार आदमी है और ये कलाकारी कहां से मिल सकती है। 7643 ऐसे केसिस हैं, भाई साहब इम्पॉर्टेंट है ये, पीयूसीसी के 7643 ऐसे केसिस हैं, एक ही टाइम पर, एक ही समय पर, एक ही पीयूसीसी सेंटर के ऊपर दो से ज्यादा गाड़ियों को उसी एक सेकंड के अंदर पीयूसी सर्टिफिकेट दे दिया गया। ये भैया देश में कहीं नहीं हो सकता, ये केजरीवाल जी के राज में हो सकता भाई साहब समझ लीजिए। एक पीयूसीसी सेंटर उसको 3 बजकर अगर 1 मिनट पर सर्टिफिकेट एक गाड़ी को दिया है तो दूसरी गाड़ी को भी 3 बजकर 1 मिनट पर उसने चेक कर लिया, ये कला अगर किसी में हो सकती है तो केजरीवाल जी में हो

सकती है, भाई साहब ये कला तो अपने को मिल ही नहीं सकती। ये लाने की कोशिश करो दिल्ली में।

आगे यहां नहीं रूका। 76 हजार 865 केसिस ऐसे हैं, 76 हजार 865 जिनको एक मिनट के अंदर-अंदर पीयूसीसी सर्टिफिकेट less than one minute, 60 सेकंड से कम समय के अंदर 76 हजार 865 केसिस को पीयूसी सर्टिफिकेट दे दिया गया जोकि असंभव था, हो ही नहीं सकता था। अब ये तो केजरीवाल जी हैं कुछ भी कर सकते हैं।

अब आगे आइये। अध्यक्ष जी, जिस तरह से अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली को लूटने का काम किया, आज ये ही कारण है कि सत्ता के इन MLAs को विपक्ष के एम.एल.ए. एक पल के लिए भी सुन नहीं पा रहें। ये वही लूटने के काम। अभी एक कैग रिपोर्ट आती है, वो आकर, हम पढ़ते थक जाते हैं, हम सोचते हैं कि अगली कैग रिपोर्ट में शायद इनकी चोरियों में कोई कमी आ जाएगी लेकिन ये ऐसे लूटरे हैं, हर चीज के अंदर लूटने का काम करते हैं और आतिशी जी परसों मुझे ट्विट करके कह रही थीं, कह रही थीं कि मैंने 2 गाड़ियों वाला गलत ट्विट किया है। मैं बताना चाहता हूं आतिशी आपको, अब तो इस कैग रिपोर्ट में भी लिखा हुआ है कि मात्र एक हजार बसों के अंगेंस्ट मात्र आपने 2 इलेक्ट्रिक व्हीकल्स लिये, बसें, दो इलेक्ट्रिक बसिस ली जबकि आपको, एक हजार के अंगेंस्ट आपने 2 बसें लेने का काम किया। और ये लूट खाली एक सीमा तक, सेक्टर तक सीमित नहीं है,

और फिर कहते हैं कैग रिपोर्ट पढ़ने में टाइम लगता है। भई करप्शन तुमने कर रखी है, हमें तो पढ़ने में टाइम लगे लगे, तुम्हें तो अपनी कलाकारियों का पहले ही पता है तुमने क्या कुछ कर रखा है, तुम्हें कैसे टाइम लग सकता है ये जानने के अंदर, हमें लगे तो लगे लगे।

अध्यक्ष जी, इसलिए आप जिस मर्जी कैग रिपोर्ट को खोलकर देख लीजिए, दिल्ली आज, जो आप सांस नहीं ले पा रहे, हमारे बच्चे, छोटे-छोटे बच्चे जो आज दिल्ली के अंदर जन्म ले रहे हैं उनके फेफड़े जो है वो सुखने को आ जाते हैं क्योंकि अरविंद केजरीवाल जी यमुना की सफाई के नाम से भी सारा पैसा खा गए। अरविंद केजरीवाल जी कूडों के पहाड़ हटाने के नाम से भी सारा पैसा खा गए। अरविंद केजरीवाल जी बसें नई इलैक्ट्रिक लाने के नाम पर भी सारा पैसा खा गए। और कंस्ट्रक्शन के स्कूलों के नाम पर भी पैसा खा गए। ये बिजली मंत्री अलग से रो रहे हैं, कह रहे हैं यार मेरे महकमा का भी पता नहीं कितने हजारों करोड़ रुपये, कभी ब्याज कम करके, कभी ब्याज ज्यादा करके, कभी ब्याज 18 परसेंट, कभी ब्याज 12 परसेंट, कभी ब्याज 24 परसेंट, इसी तरह करके उपाध्याय साहब कंपनियों से पैसा लेते रहें।

अब हर मकसद उनका एक ही था कि हमने करप्शन, करप्शन, करप्शन। अब ये जो कैग रिपोर्ट है, अब ये कैग रिपोर्ट क्यूं नहीं पेश करते क्योंकि ये कैग रिपोर्ट चीख-चीखकर पता है क्या बोल रही है, ये कैग रिपोर्ट का हर पन्ना एक ही बात बोल

रहा है, पहला पन्ना खोलो उस पर लिखा है केजरीवाल भ्रष्ट है। दूसरा पन्ना खोलो उस पर लिखा है केजरीवाल ज्यादा भ्रष्ट है। तीसरा पन्ना खोलो, लिखा है केजरीवाल बहुत भष्ट है। चौथा पन्ना खोलो लिखा है केजरीवाल भ्रष्ट, भ्रष्ट, भ्रष्ट है। छठा पन्ना खोलो तो कहता है केजरीवाल इतना भ्रष्ट है कि अगले पन्ने मेरे से लिखे नहीं जा रहे, मैं थक गया हूं, इसी पन्ने को सभी पन्ने मान लिया जाए। बताइये क्या करे इस कैग रिपोर्ट का?

और एक आप है, कि आप तो इधर उधर की बातें आपने की, कैग की तो बात सुनते नहीं हैं। आप कब्र में पड़े लोगों को ढूंढने लग पड़ते हो। अरे भाई यहां पैसे की बात हो इसी चक्कर मे लूट गया क्योंकि आप हैं न उधर की बातें करते रहते हों और वो सारे पैसे लूटकर ले जाता है। तो मेरा अध्यक्ष जी आपसे कहना है जिस तरह से केबिनेट के हर अप्रूवल को यहां.

अच्छा, मैं ये कैग रिपोर्ट की सबसे इंटरेस्टिंग बात पॉल्यूशन से रिलेटेड ही है, आपको आज एक और बात बताते है, कपिल जी चले गये यहां, अभी ये डॉक्यूमेंट इनके पास था। अध्यक्ष जी, आप सुनकर हैरान होंगे, दिल्ली की जो बसिस चलाने के लिए एक कंपनी बनाई गई, उस कंपनी के पास क्या काम था कि वो दिल्ली की सारी बसों को ऑपरेट करेगी, सारी बसिस को ऑपरेशन करेगी। वो कंपनी में 50 फीसदी दिल्ली सरकार की भागीदारी थी, 50 फीसदी प्राइवेट की भागीदारी थी। अब जो प्राइवेट वाला था उसने कहा कि मुझे तो कंपनी बेचनी है, अब तक, जब तक ये

काम डीम्स जो कंपनी थी इसने पूरे दिल्ली के साथ-साथ अलग, अदर स्टेट्स में जाकर भी काम करना शुरू कर दिया क्योंकि दिल्ली सरकार की पार्टनरशिप की कंपनी थी, उसकी वेल्यू थी, तो लोगों ने बाकी स्टेट में भी बस चलाने का काम उसको दे दिया। अब जब उसको काम मिलना शुरू हो गया तो उसने कहा कि मैंने अपने प्रॉफिट के लिए ये कंपनी बेचनी है। तो उसने अपनी सरकार को, फर्स्ट राइट हमारा था तो हमने अपने राइट को एक्सप्लोर करने के लिए ट्रांसपोर्ट सेक्रेटरी ने फाइल चला दी, वो कंपनी का 50 फीसदी शेयर बेचना चाहते हैं, फर्स्ट राइट आपका, आपने लेना या नहीं लेना आप तय कीजिए। दो साल तक उसको फाइल को इसलिए रोककर रखा गया क्योंकि कंपनी वो किसी अपने दोस्त को बेचना चाहते थे, वो डीटीसी न ले, दिल्ली सरकार न ले कंपनी इसलिए क्या किया, वो दो सौ करोड़ रुपये की कंपनी, ओम प्रकाश शर्मा जी, आप तो बेचारे ऐसे ही कागज लिखते रहते हो और फिर दुकान पर जाकर बैठ जाओगे, ये ही देखो क्या कुछ करता है, इससे जरा.. तो क्या किया, 2 सौ करोड़ रुपये की कंपनी मात्र 10 करोड़ में बेच दी, कितने में, मात्र 10 करोड़ रुपये में, 10 करोड़ में दिल्ली सरकार की 50 परसेंट पार्टनरशिप की कंपनी जो दिल्ली से बाहर भी स्टटों में काम कर रही है और बेची किसको, आप सुनिए, बेची किसको, बेची उनको जिनके साथ अब रशियन पार्टनर बनाये गये। रशियन पार्टनर क्यूं बनाये गये क्योंकि विदेशों में इस कंपनी का पैसा जो अंडर टेबल पैसा लेना

था वो विदेशों में जाकर पैसा लिया गया अध्यक्ष जी, इसलिए वो कंपनी 2 सौ करोड़ की कंपनी नू मात्र जो सौ करोड़ हमारा हिस्सा बनता था उसको 10 करोड़ में बेचकर चले गये। इस तरह की करप्शन करने वाली आम आदमी पार्टी आज एक हमारी एक के बाद एक रिपोर्ट है। बस मैं अध्यक्ष जी आपसे एक बात कहना चाहता हूं, आज आपसे विनम्र विनती करना चाहता हूं, ये कितनी कैग रिपोर्ट हुई, तीसरी है,

माननीय अध्यक्षः ये आठवीं।

माननीय उद्योग मंत्रीः आठवीं है, अभी कितनी और।

माननीय अध्यक्षः अभी हमने 4 रिपोर्ट और 4 फाइनेंशियल एकाउंट एंड अप्रोप्रीऐशन.

माननीय उद्योग मंत्रीः तो अभी कितनी बाकी रह गई हैं।

माननीय अध्यक्षः 6 रह गईं।

माननीय उद्योग मंत्रीः अध्यक्ष जी, देखो मैं ये करप्शन वाले कागज पढ़-पढ़ थक गया हूं। मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है, भाई साहब इतना करप्शन वाले कागज पढ़-पढ़कर, पढ़-पढ़कर, इनके आंकड़े जोड़-जोड़कर हम थक जाते हैं। मेरा आपसे हाथ जोड़कर आग्रह है ये कुछ कैग की रिपोर्ट अगले साल के लिए रख दो, इतने करप्शन के कागज हमसे पढ़े नहीं जाते इसके, ये ढेरों बड़ा करप्शन वाला जो पिटारा आप हमारे हाथ में थमा देते हो और रोज

उसके आंकड़े पढ़-पढ़कर हमें हैरानगी होती है कि आदमी, इतने पैसे लेकर रखे कहां होंगे इसने। इसलिए धन्यवाद आपने मुझे बोलने का मौका दिया और मैं विपक्ष के अपने दोस्तों को कहना चाहता हूं, तुम क्यूं उठ-उठकर भागते हो, तुम्हारे हिस्सेतो चवन्नी-चवन्नी आई होगी, बाकी सारी क्रीम तो वो खा गया, तुम तो छाछ में से वो जो ये छिद्दी निकलती हैं न छिद्दी, जब आप मक्खन भी निकाल लेते हैं तो मक्खन सारा निकलने के बाद न उसके कोनों पर छिद्दी लगी होती है, ये बेचारे तो छिद्दी में भी नहीं उंगली लगाकर खाने लगते थे तो केजरीवाल इसमें भी इनको गालियां निकाल देता था। ये तो बेचारे छिद्दी भी नहीं खा पाये इतने सालों में और ये बेचारे अब भी गालियां सुनते हैं। अब केजरीवाल की गालियां इसलिए सुनते हैं कि तुम मेरी लूट की बातें सुनते हो बैठकर, नहीं सर, हम नहीं सुनते तो तुम कैसे सुन रहे थे, सर, आगे से नहीं सुनेंगे। पहले छिद्दी के नाम पर डांट खाते रहें, अब जो उसने क्रीम खा रखी है उसका हिसाब देते हैं उसके नाम से बेचारे डांट खाते हैं, इन बेचारे बेकसूरों का कसूर नहीं है अध्यक्ष जी, इन पर ज्यादा आप मत डांटा करो, ये बेचारे बेकसूर हैं। ये बेचारे तो खुद अपनी कुर्सियां बचाते घूम रहे हैं। आतिशी बहन का क्या करें। अब आतिशी जैसे ही बेचारी बैठती हैं, वो खुश होती हैं, हमने देखा है, वो हमारा साथ देती है, वो चाहती हैं कि केजरीवाल हार जाए, वो तो डांस कर रहे थे उस वक्त जब हारने पर। वो जैसे ही बेचारी ऐसे देखते शुरू करती है उतने में मैसेज आ जाता

है, वो क्या मैसेज आ जाता है, भई तुम, हमारे कैग की रिपोर्ट हो रही है और तुम सुन रहे हो बैठकर, चलिए बाहर चलिए यहां से। तो बेचारे अपना सामान उठाकर तुरंत बाहर भागने लग पड़ते हैं। अंत में मैं इतना बात आपको एक बताकर अपनी बात को समाप्त करूंगा।

एक ऑड ईवन के नाम पर और फ्रॉड किया। वो बेचारे ये कैग वाले भी थक गये होंगे न लिख-लिखकर। अब ये कितनी चोरियां लिखते। पर मैं आपको बता दूं अध्यक्ष जी, अपनी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को कोविड के दौरान केवल, माफ करना, पॉल्यूशन के दौरान, ऑड ईवन के दौरान केवल ये एक डंडा, प्लेकार्ड पकड़कर खड़े करने के लिए कि खड़े हो, क्या लिखा होगा इस पर, आप अपनी गाड़ी को बंद कर दे, ये पकड़ के खड़े करने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को, एक-एक कार्यकर्ता को 840 रुपये रोज के दिये गये आम आदमी पार्टी के और लाखों कार्यकर्ताओं को रोज पैसे दिये जाते थे। लोग पॉल्यूशन से मर रहे थे और इनको अपने कार्यकर्ताओं को पैसे कमाई कराकर देना था, ये आम आदमी पार्टी का घिनौना चेहरा है जिन लोगों ने साफ हवा के नाम के ऊपर, पवन, गुरू, पानी, पिता, माता, ये पवन जो है ये गुरू है, पानी पिता है, ये धरती, ये सब चीजों को बेचने वाला आदमी आप सोचिए, इस आदमी की मानसिकता कैसी होगी, जिसने ये तक खड़े होकर कह दिया कि यमुना जी के नाम के ऊपर वोटें नहीं मिलती, जो ये कहता है कि मां की सेवा करने से वोट

नहीं मिलती इसलिए मैं अपनी मां की सेवा नहीं करता, अब आप उसके लिए जितनी मर्जी कैग रिपोर्टें पढ़ा दो, ये मोटी चमड़ी के लोग हैं इनकी सेहत पर कोई असर नहीं, ये लूटने आये थे और लूटकर अपना काम चले गये। आप सबका बहुत–बहुत धन्यवाद मुझे अध्यक्ष जी आपने बोलने का मौका दिया।

और कैग रिपोर्ट, ये बेचारी बोल–बोलकर, रो–रोकर कह रही है, अब कैग रिपोर्ट से मैं काफी मांगता हूं दीदी, क्या कहे ये बेचारी, ये भी रोए जा रही है कि कितने और मेरे से पर्दे खुलवाओगे, एक आदमी को एक बार लुटेरा कहने से भी लुटेरा रहता है और हजार बार कहने से भी लुटेरा रहता है इसलिए जितनी भी कैग रिपोर्ट खोलोगे, ये बेचारी रोती रहती है कि केजरीवाल लूटकर ले गया। आप सबका बहुत– बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य कैग रिपोर्ट के पहले पृष्ठ पर लिखा हुआ है dedicated to truth in public interest तो इस पर तो विपक्ष को साथ रहना चाहिए था यहां पर, आयें नहीं लौटकर ये बहुत ही शर्म की बात है। माननीय सदस्य, श्री हरीश खुराना।

श्री हरीश खुरानाः धन्यवाद अध्यक्ष जी। अभी मेरे बड़े भाई, मंत्री जी कैग की जो रिपोर्ट जो इस सदन के पटल पर रखी गई है उसके बारे में विस्तार से चर्चा कर रहे थे लेकिन जिस प्रकार से ये जो पॉल्यूशन पर जो रिपोर्ट आई है ये निश्चित तौर के ऊपर हम सबको सोचने पर मजबूर कर देती है कि कैसे एक व्यक्ति

भ्रष्टाचार के लिए लोगों की जानों से भी खेलता है। मुझे याद है कि दिल्ली, कहा जाता था दिल्ली दिलवालों की, अध्यक्ष जी, अब दिल्ली दिलवालों की नहीं रही है, दिल्ली अब मजबूत फेफड़े वालों की हो गई है। अगर आपका फेफड़ा मजबूत है तो आप दिल्ली में सर्वाइव कर सकते हो नहीं तो भगवान ही मालिक है आप लोगों का। इस रिपोर्ट में जो बातें कही गई, आज कुछ किया हो या ना किया हो, मेरे सामने वाले जो आज इतनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट के ऊपर भी वॉकआउट कर गए, एक चीज का उनको श्रेय जाता है। दिल्ली सबसे प्रदूषित राजधानी हो गई है, पूरे विश्व के अंदर इस चीज का श्रेय तो जाता है अध्यक्ष जी। हालत ये है कि जो लोग सिगरेट नहीं पीते वो दिन के 9-10 सिगरेट रोज पी रहे हैं, धन्यवाद हो मेरे सामने बैठे हुए विपक्ष के लोगों को जो वॉकआउट कर चुके हैं लेकिन अरविंद केजरीवाल साहब हों या आतिशी हों, 10 साल उम्र कम हो गई है दिल्ली में रहने वालों की। ये दिल्ली वालों को अरविंद केजरीवाल और आतिशी देके गई हैं, ये मैं नहीं कह रहा इस रिपोर्ट में भी कहा गया अध्यक्ष जी। बातें बड़ी-बड़ी की हमने पोल्यूशन के नाम पर बहुत कुछ किया है लेकिन 10 साल में हमने सिर्फ एक चीज देखी, कभी केंद्र से झगड़ना हो, कभी आरोप-प्रत्यारोप पंजाब पे जब सरकार नहीं थी तो पंजाब सरकार जिम्मेवार है, पंजाब की सरकार आ गई तो हरियाणा जिम्मेवार है, उत्तर प्रदेश जिम्मेवार है, एलजी जिम्मेवार है। कभी तो अध्यक्ष जी ये भी कहा गया कि सिक्योरिटी गार्ड जिम्मेवार है, गरीब लोग

जिम्मेवार है जो दिल्ली में रहते हैं। याद करिये वो अरविंद केजरीवाल का बयान जिसमें वो कहते थे कि सिक्योरिटी गार्ड जो जलाता है उसकी वजह से दिल्ली के अंदर प्रदूषण है। ये हालत है दिल्ली की, दिल्ली में ये हमें छोड़कर गए हैं, दिल्ली का पोल्यूशन ये हाल है। काम करने के नाम पे उन्होंने एक बहुत बड़ा दावा किया कि हमने स्मॉग टावर लगाया है अध्यक्ष की। जब मैंने प्रश्न यहां पर पूछा गया पिछली सरकार के हमारे विपक्ष के लोगों के द्वारा तो जवाब आया की 22 करोड़ 91 लाख रुपए अध्यक्ष जी सिर्फ स्मॉग टावर के, एक स्मॉग टावर पर लगाए गए और 2 करोड 58 लाख रुपए उसकी मेंटेनेंस पर साल पर खर्चा हुआ, असलीयत ये है, उस स्मॉग टॉवर बंद का बंद रहा, ये हालत इनके पॉल्यूशन के दावों की पोल खोल दी। पराली की अगर मैं बात करूं तो बडे-बड़े दावे किए थे, उस अरविंद केजरीवाल ने की मैंने पराली को रोकने के लिए घोल बनाया है जिसका जिक्र अभी दो दिन पहले माननीय मुख्यमंत्री जी भी कर रही थी। जब मैं उसकी डिटेल में गया अध्यक्ष जी, साल 2020-21 और 21-22 का मेरे पास एक आंकड़ा है अध्यक्ष जी हैरानी करने वाली बात है और सदन भी शायद हैरान होगा इस बात पे। घोल बनाने का वायदा किया, कहा कि हमने घोल बनाया है। अध्यक्ष जी 2020 के अंदर वो घोल छिड़का गया, उस घोल की कीमत थी मात्र 40 हजार रुपए, सतीश जी मात्र 40 हजार रुपए उस घोल की कीमत। भ्रष्टाचार का आलम ये था, उसके टेंट में खर्चा करना, टेंट

किसलिए लगाया गया मुझे नहीं मालूम स्प्रे करने के लिए। 13 लाख 10 हजार रुपए अध्यक्ष जी और स्प्रे करने के लिए जो ट्रांस्पोर्टैशन चार्जिज था, मेरे विपक्ष के लोग यहां होते तो उनको भी हैरानी होती किस प्रकार से केजरीवाल ने पैसा खाया है। 11 लाख 84 हजार रुपए ट्रांस्पोर्टेशन चार्जिज। घोल 40 हजार रुपए का, 13 लाख रुपए का टैंट और 11 लाख रुपए स्प्रे चार्जिज और उसके ऊपर एडवर्टाइजिंग का खर्चा 15 करोड़ 80 लाख रुपए ये है इस आपदा की सरकार की सच्चाई। 21-22 के अंदर और बातें आती हैं अध्यक्ष जी। 2 लाख रुपए स्प्रे खरीदा जाता है, एक लाख रुपए का गुड़, उसमें मिलाने के लिए गुड़ होता है अध्यक्ष जी। लेकिन जो टेंट का खर्चा है, वो 20 लाख 67 हजार रुपए है। अध्यक्ष जी और उसके ऊपर एडवर्टाइजिंग का खर्चा 7 करोड़ 47 लाख रुपए ये है सच्चाई दो साल के अंदर आपने स्प्रे बनाया डेढ़ लाख रुपए का लिया और 22 करोड़ रुपए का आपने एडवटाईजिंग पर खर्चा कर दिया, ये भ्रष्टाचार की देन नहीं है तो क्या है, ये आपके सामने है अध्यक्ष जी। environment cess की सबको मालूम है उसकी डिटेल। environment cess के नाम पर आपने लोगों से पैसा वसूल किया लेकिन खर्चा नहीं किया ये सच्चाई है, 2015 के अंदर 137 करोड़ रुपए लोगों ने environment cess के नाम पर ट्रांस्पोर्ट डिपार्टमेंट को दिए। 2016 में 365 करोड़ रुपए दिए, 2017-18 में 472 करोड़ रुपए दिये, 2018-19 में 154 करोड़ रुपए दिये, 2019-20 के अंदर 89 करोड़ दिए, 2020-21 के अंदर 66 करोड़

रुपए दिए। लेकिन जब खर्च करने की बारी आई एनवारमेंट के ऊपर तो जीरो, जीरो ये है इस सरकार की सच्चाई अध्यक्ष जी। बातें बड़ी-बड़ी करी गई इन लोगों के द्वारा और ये सच्चाई है 70 प्रसेंट पैसा अनयूटीलाइज रहा environment के नाम पर जो इन्होंने इकट्ठा किया था, 70 प्रसेंट पैसा ये अनयूटिलाइज रहा बजट के अंदर। ये है इन लोगों की सच्चाई आज, इसलिए ये सुनना नहीं चाह रहे अध्यक्ष जी की पोलें खुल रही है इसलिए सदन से बाहर गए हैं, हिम्मत होती तो आज यहां बैठ के अपने कार्यकलाप 10 साल के सुनते अध्यक्ष जी। कभी रेड लाइट ओन-ऑफ के नाम पे अभी मंत्री जी ने बताया, कभी ऑड-ईवन के नाम पर, ये सारे फेल्ड प्रोग्राम सिर्फ और सिर्फ अपनी जेबों को भरने के लिए किए गए और कुछ नहीं। इसलिए सीएजी की रिपोर्ट चीख-चीख के कह रही है अध्यक्ष जी एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम, जो प्राइमरीहम लोगों को लगाना था, मोनिटरिंग सिस्टम उसपर इन्होंने भ्रष्टाचार किया। जो डाटा क्लैक्ट करना होता है, एक्यूआई का उसमें भ्रष्टाचार हुआ है उसकी रिपोर्ट इन्होंने जो आती थी वो फर्जी रिपोर्टें लगाई गई, ये सीएजी की रिपोर्ट चीख-चीख के कहती है अध्यक्ष जी, चीख-चीख के कह रही है, ये हालत है इस सरकार की। पेज नम्बर 11 में 2.2, calculation of AQI, basis of inadequate data लोगों को अगर पता ही नहीं है, मारवाह साहब की हमारा आज एक्यूआई लेवल क्या है तो आप सोच सकते हैं क्या कर रहे होंगे पोल्यूशन के लिए आप सोच सकते हैं अध्यक्ष जी। 2.3 में कह रहे हैं Real

time Information Centre pollutants का है ही नहीं इनके पास, lack of information of vehicle emission है ही नहीं और benzene emission के लिए जो सोर्स होती है वो भी इन्होंने गायब कर दी, कहां गया पैसा मालूम नहीं अध्यक्ष जी कहां गया। मैं वाकई दाद देना चाहता हूं, अभी हमारे सिरसा साहब ने जो बातें कही की भ्रष्टाचार, एक-एक चीज चीख-चीख के कह रही है कि भ्रष्टाचार हुआ है, 29 प्रसेंट जो हमारा पोल्यूशन है वो वाहनों से ट्रॉस्पोर्ट से आया है। हालत ये है एक करोड़ 30 लाख व्हीकल रजिस्टर हुए हैं 2021 तक के। और उसमें buses के नाम पर कम हुए, 3360 buses रह गई दिल्ली के अंदर, ये इस कैग रिपोर्ट में कहा गया, टू-व्हीलरर्स के नाम पर जब ये आए थे 43 लाख के, लेकिन पोल्यूशन को कैसे कम करना है ये तो पता नहीं, लेकिन 81 लाख व्हीकल हो गए ये है इस दिल्ली की सच्चाई। हालत ये है कि ये पढ़े-लिखे लोग अपने आपको कहते है, अध्यक्ष जी 236 रूटों पे buses के रूट ही नहीं थे, वहां buses ही नहीं चलती, ये है हैरानी की बात अध्यक्ष जी। वहां पर टू-व्हीलर यूज नहीं करेंगे तो क्या करेंगे, पोल्यूशन नहीं बढ़ेगा तो क्या होगा, ये है इन पढ़े-लिखे लोगों की सच्चाई अध्यक्ष जी। इसलिए मेरा कहना है, लास्ट माइल कनैक्टीविटी तो रामभरोसे थी ही थी, उनके नाम पर इन्होंने क्या-क्या किया सबको अभी मालूम चला। लेकिन इस कैग की रिपोर्ट हमें एक बात कहती है अब तो ये स्पष्ट है केजरीवाल भ्रष्ट है, बहुत-बहुत धन्यवाद अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री राजकुमार भाटिया।

श्री राजकुमार भाटियाः आदरणीय अध्यक्ष महोदय मुझे Prevention and Mitigation of vehicular air pollution in Delhi की कैग रिपोर्ट पर बोलने का आपने अवसर प्रदान किया है मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मुझे ऐसा लग रहा है कि जब मैं बोल रहा हूं तो बिल्कुल उसी ड्रामा की रिहर्सल की तरह है जिसमें देखने वाला डायरेक्टर मौजूद नहीं बैठा हुआ और ना वो अपनी कमी सुन सकता है, ना अपने कृत्यों के बारे में सुनना चाहता है और आज बिल्कुल योजनाबद्ध तरीके से उन्होंने जिस प्रकार ब्रंच के दौरान बैठकर बाहर जाने की योजना बनाई मैं साथ बैठा सुन रहा था कि पहले कदम पर किसको उठना है और दूसरे कदम पर किसको उठना है, फिर हम कैसे बाहर जाएंगे। इतना ज्ञान इन लोगों के पास था, मेरे को तो केजरीवाल जी की नानी की याद आ जाती है जो सपने में आकर उनको सत्य का ज्ञान दे जाती थी कि मंदिर यहां नहीं बनना चाहिए, यहां विश्वविद्यालय बनना चाहिए, यहां होस्पिटल बनना चाहिए। लेकिन उन्होंने केजरीवाल जी को कभी सत्य का ज्ञान नहीं दिया कि आप बच्चों की मासूम जिंदगियों के साथ दिल्ली के निवासियों की मासूम जिंदगियों से मत खेलिये केजरीवाल ये अच्छी बात नहीं है, वो नानी जी आज भी अगर यहां पर होती तो अपने धोते के कृत्यों को देखती। इस पूरी किताब में अभी भाई हरीश खुराना जी पढ़कर बता रहे थे, अलग-अलग तरीके से एयर क्वालिटी इंडेक्स के बारे में कैसे बिगड़ा दिल्ली की सेहत कैसी बिगड़ी,

दिल्ली की सांसे कैसे घोटी गई, दिल्ली की जिंदगियों को कैसे सिकोड़कर रख दिया गया, दिल्ली की सेहत कैसे खराब की गई और जो रोग वो लेकर आए थे खांसने वाले का उन्होंने पूरी दिल्ली को लगाने का किस प्रकार से कुप्रबंधन और शडयंत्र रचा, वो इस पूरी किताब में लिखा हुआ है, हालांकि ये रिपोर्ट 31 मार्च, 2021 को समाप्त हो जाती है, इसके बाद की रिपोर्टें अभी आनी बाकी हैं। पर कभी उन्होंने पराली की बात करी, कभी गरीब लोगों के द्वारा जलाए गए अलाव की बात करी। हाईकोर्ट के आदेशों का निरंतर उल्लंघन किया, हाईकोर्ट उन्हें चेतावनी देता था, इससे पहले वो जागते नहीं थे। जब-जब हाईकोर्ट ने कहा फिर उन्होंने आनन-फानन कुछ ना कुछ खरीदा, कभी स्मॉग टॉवर करे, कभी ताला लगा दिया उसपे, कभी रोक दिया, कभी वो बोर्ड के माध्यम से। लेकिन सबसे बुरी बात जो उनके कार्यकाल में हुई। उन्होंने आम आदमी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं को सिविल डिफेंस के माध्यम से ऑड-ईवन की स्कीम में सड़कों के चौराहों पर खड़ा कर दिया। मान्यवर वो युवा या तो कोई इंजिनियर बनता या कोई डॉक्टर बनता, लेकिन 20-22 हजार रुपए की साधारण नौकरी देकर उन्होंने उसमें भी जो घोटाले किए वो अलग है, वो भी एक प्रदूषण का बहुत बड़ा हिस्सा है। लेकिन उन्होंने दिल्ली के युवाओं के साथ खिलवाड़ किया और बाद में उन लोगों को धक्के मारकर बाहर भी निकाल दिया गया। वो युवा अगर पढ़ते तो पढ़-लिखकर कुछ ना कुछ बनते। लेकिन उनके हाथ में ऐसे कागज खड़ा करके की ऑड-ईवर, एक नम्बर आगे,

दो नम्बर पीछे, तीन नम्बर जैसे लॉटरी खिलाते हैं, उनके जीवन के साथ ऐसा खिलवाड़ कर दिया गया। एयर पॉल्यूशन के जो polluted ingredients के नापने के यंत्र थे वो अपर्याप्त थे, अधूरे थे। ना उनके वास्तविक समय की कोई सूचना था, ना उनपर कोई स्टडी रिपोर्ट थी और फिर वो यही कहते रहते की कभी पराली जल रही है पंजाब में, कभी हरियाणा से कुछ आ रहा है। एक ही बात 'ना इधर-उधर की बात कर, तेरा राहजनों से वास्ता। मुझे राह जनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी पे मलाल है' दिल्ली का नेता, दिल्ली का मालिक यहां बैठकर रोज कुप्रबंधन करता था, लेकिन जो दिल्ली को जरूरत थी उन्होंने कभी नहीं दिया, जिस प्रकार से 39 प्रसेंट, 31 से 39 प्रसेंट दिल्ली का जो शेयर था पोल्यूशन फैलाने में, चाहे वो परिवहन व्यवस्था हो, चाहे इंडस्ट्री हो, चाहे वो किसी प्रकार के अन्य प्रदूषण उत्सर्जन के कार्यक्रम हों, उन पर रोक लगाने का कभी उन्होंने काम नहीं करा। लेकिन अलग-अलग तरीके से उन्होंने पूरी दिल्ली के क्वालिटी इंडेक्स को बिगाड़ दिया गया। केवल एयर क्वालिटी इंडेक्स ही नहीं, उन्होंने दिल्ली वाटर क्वालिटी इंडेक्स भी बिगाड़ा, उन्होंने दिल्ली का हैल्थ क्वालिटी इंडेक्स भी बिगाड़ा, उन्होंने एजूकेशन क्वालिटी इंडेक्स भी बिगाड़ा, उन्होंने सीवर क्वालिटी इंडेक्स भी बिगाड़ा और तो और उन्होंने दिल्ली की पोलिटिक्स का क्वालिटी इंडेक्स भी बिगाड़कर रख दिया जिसके भुगतभोगी आप स्वंय रहे, जिसके भुगतभोगी पूरी दिल्ली रही, दिल्ली की पूरी राजनीति को प्रदूषित करके रख दिया और राजनीति में इससे ज्यादा शर्मनाक बात

और हो नहीं सकती कि आज वो 14 कैग रिपोर्ट को एक साथ सदन के पटल पर रखने की बात करते हैं, लेकिन इस 14 कैग रिपोर्ट को लिखने में कितनी मेहनत लगी होगी, कितने उन्होंने कांड किए होंगे, कितने उन्होंने शडयंत्र रचे होंगे, कितने उन्होंने घोटाले किए होंगे, इससे पहले ये रिपोर्टस इस प्रकार से कभी नहीं आई और जब हम रख रहे हैं, तो वो सामने से अपना जगह छोड़कर चले गए हैं। हमें भी अच्छा नहीं लग रहा सामने की कुर्सियाँ खाली हैं, लेकिन क्या करें दिल्ली की जनता की बुलंद आवाज बनकर हमने सदैव इनपर प्रदर्शन किए, दिल्ली की हर बात को हमने उठाया और आज इस सदन के माध्यम से कह सकते हैं, भले यहां पर मुजरिम मौजूद नहीं है, जज भी मौजूद नहीं है लेकिन आपके माध्यम से सदन से और दिल्ली की जनता के पटल पर ये बात रखते हैं कि इन सब लोगों पर दिल्ली की सांस घोंटने का मुकदमा चलाया जाए और हत्या का मुकदमा चलाकर जो यहां गैरहाजिर हैं उनपर मुकदमा चलाया जाना बहुत जरूरी है। आदरणीय अध्यक्ष जी एक-एक पूवाइंट पर विस्तार से पूर्वक चर्चा होगी, लेकिन मैं आपके माध्यम से ये भी प्रार्थना करूंगा कि इन रिपोर्टों को जो विशेषज्ञ हैं उनके पास भी भेजा जाना जरूरी है, ये तो केवल ऑडिटर की रिपोर्ट है जिसमें financial discrepancies पर चर्चा हो रही है। इनके विशेषज्ञों पर भी भेजें की दिल्ली की उम्र कितने साल कम हुई है। एक्यूआई जब 400 का इंडेक्स रहता है, एयरक्वालिटी का तो हम 20 सिगरेट डेली पीने का काम करते हैं।

तो दिल्ली की उम्र कितनी कम हुई है इसपर भी चर्चा होनी चाहिए और जो प्रदूषण पर और एयर क्वालिटी इंडेक्स पर जो विशेषज्ञ हैं इस रिपोर्ट को उन तक भी भेजा जाना बहुत आवश्यक है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य श्री सतीश उपाध्याय।

श्री सतीश उपाध्यायः धन्यवाद अध्यक्ष जी, अध्यक्ष जी आज हम Prevention and Mitigation of Vehicular Air Pollution in Delhi पर्यावरण पर की समस्या पर हम बात कर रहे हैं, अध्यक्ष जी मुझे याद आता है कि आप सदन में थे जहां हमारे मंत्री आशीष जी बैठे हैं, वो दश्श्य बार-बार भूलता नहीं है और वो दश्श्य था, हम हैं दिल्ली के मालिक, मैं हूं दिल्ली का मालिक। ये जो अहंकार था, ये जो मन में जिस तरीके से दिल्ली के संदर्भ में आप मालिक बने थे, आपने दिल्ली के लोगों को ऐसा लगता था कि सबको अपने साथ गिरवी रख लिया है और आज आपके अंदर इतनी हिम्मत नहीं है जब लोगों ने आपको सत्ता से उतार दिया, तो आप सदन में ये बातें बैठने की सुनने की जो आपने काले कारनामें किए है, जो दिल्ली की जनता को लूटा है, जो दिल्ली में बड़ा भ्रष्टाचार किया है, उस भ्रष्टाचार के कारण केजरीवाल जी आप अपने लोगों को यहां बैठाते तो सही, वो सुनते तो सही की कैग रिपोर्ट में जो आपकी संवैधानिक duty थी, आपकी obligatory responsibility थी, आपने 10 सालों में किसी भी कैग रिपोर्ट को यहां पर नहीं रखा और अब समझ में आता है कि रखा क्यों नहीं

है, क्यों आप हमारे माननीय उपराज्यपाल को गाली देते थे। कहां से आ गया एलजी। आपने भाषा की मर्यादा भी छोड़ दी। आपने व्यवहार की मर्यादा भी छोड़ दी। आपने शब्दों की मर्यादा भी छोड़ दी। आपने दिल्ली के भावनाओं की मर्यादा भी छोड़ दी और आप लगातार आप लगातार दिल्ली में भ्रष्टाचार करते रहे आप के अंदर अगर हिम्मत है तो भेजिए यहां पर और सुनिए कि आपने किस तरीके से दिल्ली के हर क्षेत्र में, हर व्यवस्था में आपने भ्रष्टाचार किया है और दिल्ली की आबादी 1483 वर्ग किलोमीटर में फैली हुई है। दो करोड़ लोग लगभग, दो करोड़ की जनसंख्या यहां पर है और पिछले पांच वर्षों में बड़ी गंभीर बात है हमारे मंत्री जी ने बहुत सारे आंकड़े दिए हैं हरीश खुराना जी ने बहुत सारे आंकड़े दिए हैं। मैं इन आंकड़ों को दोबारा से दोहराना नहीं चाहता हूं लेकिन मैं ये इंगित करना चाहता हूं पिछले पांच वर्षों में 2137 दिनों में से आशीष जी 2137 दिनों में से 1195 दिन यानि 56 परसेंट खराब एवं गंभीर दिन रहे हैं जिसमें पोल्यूशन का स्तर इतना गंभीर रहा है कि जिसमें आप सांस नहीं ले सकते और उसका cascading effect देखिए आप उस प्रदूषण के कारण से हमारे जो नौनिहाल थे जो स्कूल में जाने वाले बच्चे थे आप के स्कूलों को आपको उनको बंद करना पड़ा। आपको स्कूलों को बंद करना पड़ा। आपको ओनलाइन व्यवस्था करनी पड़ी। आपको बच्चों को मोबाइल के आगे बैठाना पड़ा। आपने इस तरह से दिल्ली की हालात खराब किए कि दिल्ली का जीवन जीना मुश्किल हो गया। अनेकों प्रकार

के निर्माण की जो गतिविधियां हैं उन पर जो आपको रोक लगानी थी उसके कारण रोक भी लगी और दिल्ली का जो विकास की गति है वो विकास की गति भी रूकी। सड़कें नहीं बन पाईं। लोग अपने मकान नहीं बना पाए यहां तक की हमारा central vista जब बन रहा था मैं एनडीएमसी में था तो गोपालराय वहां पहुंच गए। देश के संसद के काम को रोकने की उन्होंने कोशिश की ये सरकार किस तरीके से काम करती थी ये इस बात का उदाहरण है। कोई नीति नहीं बनाई गई केवल हवा हवाई काम किए। कोई काम पूरी तरीके से तैयारी के साथ नहीं हुआ, पराली को जलाने की जो decomposer solution बनाने की जो घोषणा की अभी हरीश जी ने बताया कि उस तक में पूरा का पूरा भ्रष्टाचार आपने कर लिया। बार बार आप बोलते थे कि पंजाब के कारण से दिल्ली में पोल्यूशन होता है लेकिन अब तो पंजाब में सरकार आपकी है। अब आपने गोल चेंज कर दिया। अब आप कहते हो कि हरियाणा से होता है। अब आप कहते हो कि उत्तर प्रदेश से होता है। अब तो जवाब दीजिए कि पंजाब में आपकी सरकार है, गा-गा के बोलते थे सरकार आपकी आ गई है लेकिन अब आपके पास कोई जवाब नहीं है कि प्रदूषण पंजाब से आ रहा है या प्रदूषण कहां से आ रहा है। मैं अध्यक्ष जी आपको कहना चाहता हूं इस जहरीली हवा के कारण दिल्ली वालों के स्वास्थ्य पर दिल्ली में जो नया बच्चा भी जन्म लेता है नवजात शिशु से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी लोगों के स्वास्थ्य पर इसका गहरा असर पड़ा है और लोगों की जो

औसतन आयु है वो औसतन आयु भी इसके कारण से कम हुई है और इसके कारण से जो जो बीमारियां हैं बीते वर्ष से प्रदूषण के कारण अलग अलग बीमारियों से जो अखबार की रिपोर्ट बताती हैं कि हर दिन इन बीमारियों के कारण तीस से 35 लोगों की मृत्यु हुई है कौन है इस मृत्यु का जिम्मेदार, कौन है इस मृत्यु का जिम्मेदार केवल भ्रष्टाचार आप करते रहे। आपने इसकी चिंता नहीं की जिसके कारण ऐसी ऐसी गंभीर बीमारियां अस्थमा जो बिल्कुल किसी को होता नहीं था नवजात शिशुओं को और बुजुर्गों को अस्थमा हो रहा है सब लोग अस्थमा के कारण परेशान हो रहे हैं। bronchitis सबको हो रहा है COPD जिसको chronic obstructive pulmonary disease कहते हैं वो लोगों को हो रही है निमोनिया की बीमारी आम हो गई है। ये इस प्रदूषण के कारण से लोगों का जीना दूर्भर हो गया है। अखबारों के अनुसार 2024 में प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से मरने वालों की संख्या ये सभी जगह है 12,000 थी बारह हजार लोग प्रदूषण के कारण से मर गए और दिल्ली भी सबसे प्रदूषित देशों की राजधानी में हमारी तेरह शहर हमारे दिल्ली के हैं जिसमें से अखबार की रिपोर्ट बताती है कि हमारी पहले नंबर पर दिल्ली आती है। अध्यक्ष जी मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस कैग रिपोर्ट में अब इस कैग रिपोर्ट में आप पोल्यूशन को दूर करने के लिए आपने क्या क्या करना था जिन चीजों में आपको पैसा मिलना था वो काम तो आपने किए। ओड इवन आपने किए, आपने मार्शल लगा दिए। आपने लोगों को

हायर कर दिया इसमें आपने भ्रष्टाचार कर दिया लेकिन मैं आपको मजे की बात अध्यक्ष जी बताता हूं कि जो ईवी Electric vehicle को जो यहां पर बढ़ाना चाहिए था जो charging station यहां पर लगने चाहिए थे वाहनों की संख्या बढ़नी चाहिए थी वो सारा का सारा आपने उसमें कोई काम नहीं किया और जब मैं यहां पर देखता हूं लेखा परीक्षा में देखा गया 72 सार्वजनिक charging स्टेशनों में से 61 प्रतिशत स्टेशन 44 केवल नई दिल्ली में थे। केवल नई दिल्ली में थे। आंकड़ा बताता है कि आपको हर तीन किलोमीटर पर एक चार्जिंग स्टेशन लगाना चाहिए था अगर मैं आउटर दिल्ली को देख लूं, अगर मैं बाहरी दिल्ली को देख लूं, अगर मैं नार्थ दिल्ली को देख लूं तो कहीं पर कोई चार्जिंग स्टेशन की व्यवस्था नहीं है। रिपोर्ट बहुत बड़ी है इसलिए मैं बहुत सारी बातों को इसमें करने का समय नहीं है लेकिन अध्यक्ष जी एक छोटी सी बात मैं आपको बताता हूं कि पार्किंग को समुचित करने के लिए भी एक समिति बनती है और वो समिति जो निगरानी समिति बनती है, देखा गया है 2021 से उस निगरानी समिति की कोई बैठक ही नहीं हुई कि कैसे पार्किंग मैनेजमेंट किया जाए कैसे उनको वहां खड़ा करना है इसके साथ साथ 22 दिसंबर को देश के अंदर एक No Motor Vehicle Day मनाया जाता है 2015 और 16 में इसके बारे में नीति बनाई गई और उसका मतलब निकला जिस दिन ये no car day मनाया गया था दिल्ली में 64 प्रतिशत वाहनों में प्रदूषण की कमी आई थी लेकिन आप देखिए 2015-16 में कहा गया कि हर बाइस तारिख को हम महीने की 22 तारिख

को इसको करेगें 2016 के बाद एक भी दिन इनको नहीं अपनाया गया केवल advertisement में advertisement में कैसे अपने रिश्तेदारों का, कैसे अपने जानकारों का जिनकी advertising एजेंसियां थीं उनको कैसे advertisement कर के भ्रष्टाचार किया जाए। इस सरकार ने इस भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड पूरी तरीके से तोड़े हैं। पहले की सरकार पोल्यूशन को लेकर केवल बयानबाजी उन्होंने की और काम कुछ भी नहीं किया इसलिए और बार बार कहते रहे कि हम दिल्ली को लंदन बनाना चाहते हैं। हम दिल्ली को सिंगापुर बनाना चाहते हैं अरे साहब केजरीवाल साहब आपने तो दिल्ली को दिल्ली भी नहीं रहने दिया। आपने दिल्ली को उसको बद से बदतर बना दिया। आज रेखा जी की सरकार हमारे मुख्य मंत्री के नेतृत्व में सरकार ये जो संकल्प मुख्यमंत्री जी ने लिया है कि हम दिल्ली को दिल्ली बनाना चाहते हैं। दिल्ली को गौरवशाली राजधानी बनाना चाहते हैं। दिल्ली को मोदी जी के सपनों की विकसित दिल्ली बनाना चाहते हैं और मैं ये विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले समय में दिल्ली में इस प्रदूषण की समस्या से निजात मिलेगी और जिन लोगों ने भी दिल्ली के लोगों की सांसों को छीना है इतने लोगों की मृत्यु हुई है। नवजात शिशु से लेकर वरिष्ठ जनों तक जो बीमारी लगी है इन सब लोगों से एक एक लोगों से इस भ्रष्टाचार का जवाब लेना चाहिए और बिल्कुल भी इस कैग रिपोर्ट के आधार पर इनको छोड़ा नहीं जाना चाहिए। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं हृदय से आपका आभार व्यक्त करता हूं। बहुत बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः सीएजी की इस चर्चा को कल जारी रखा जाएगा। अब मैं विषय लेता हूं Calling Attention जो हमारे विपक्ष के सदस्य श्री कुलदीप कुमार जी ने दिया था और वो सदन में उपस्थित नहीं हैं। मैं सदन के समक्ष इस परिस्थिति में यही कहूंगा कि Calling Attention Motion को हमने accept किया लेकिन Calling Attention के बाद भी वो यहां उपस्थित नहीं हैं। मैं मंत्री जी से कहूंगा इसके बावजूद सदस्य की उपस्थिति के.

...व्यवधान...

माननीय अध्यक्षः नहीं इसमें मैं आपको नियम बता देता हूं क्या होता है Calling Attention का। कोई सदस्य अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर मंत्री का ध्यान आकृष्ट करने की सूचना को बैठक प्रारंभ होने से तीन घंटे पूर्व सचिव को दे सकेगें। ऐसी सूचना की दो प्रतियां होगीं। सचिव सूचना की एक प्रति संबद्ध मंत्री को सूचनार्थ भेज देगें जो मंत्री जी को पहुंचा दी गई थी किसी ऐसी सूचना के स्वीकृत हो जाने पर सदस्य सूचना के मूल पार्ट तक ही सीमित रहेगें। मंत्री सूचनांकित विषय पर उसी दिन अपना संक्षिप्त वक्तव्य देगें या भावी तिथि पर वक्तव्य देने के लिए समय मांग सकेगें लेकिन वक्तव्य होने की दशा में उसकी एक प्रति संबंध सदस्य को भी दी जाएगी। ऐसे वक्तव्य पर कोई विवाद नहीं वाद विवाद नहीं होगा, यानि कि Calling Attention जो होता है उसमें जो संबंधित सदस्य जिसकी सूचना स्वीकार की गई है वो अपना विषय रखता है जो उसने लिखा है और मंत्री जी उसका रिप्लाई

करते हैं उस पर कोई वाद विवाद नहीं होता कोई उसमें participate नहीं करता है। जब तक कि वो listed ना हो तो इसलिए मैं चाहूंगा कि मंत्री जी उनकी गैर हाजिरी में कि Calling Attenion accept हुआ और उसके बावजूद उन्होंने यहां पर गैर हाजिर हैं। आशीष सूद जी।

श्री अभय वर्मा: पहले भी कहा था कि पांच साल हम लोग विपक्ष में बैठे। आप भी एक सदस्य थे तब। आप नेता, प्रतिपक्ष भी रहे। एक बार भी Calling Attention…

माननीय अध्यक्ष: मैं इसको और आपको और सदन को clarify कर दूं पांच नहीं दस साल में विपक्ष का कभी Calling Attention accept ही नहीं किया।

श्री अभय वर्मा: नहीं किया गया और सबसे सुखद बात ये है कि पहला इस सत्र का पहला Calling Attention विपक्ष का ही accept किया है आपने लेकिन ये दरियादिली दिखाने का परिणाम ये मिला कि वो अपने काले कारनामे को सुनना नहीं चाहते हैं इसलिए उन्होंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव को भी छोड़ के भाग गए। अध्यक्ष जी ये पूरे सदन के लिए बहुत ही शर्म की बात है कि जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव विपक्ष ले के आया और आप उनको opportunity दे रहे हैं बोलने के लिए, उसके बावजूद भी वो सदन में नहीं है ये दिल्ली की जनता देख रही है कि ये कितने लापरवाह और एक प्रकार से जनता को धोखा देने वाला काम और यहां एक बात और स्पष्ट

करना चाहता हूं कि इनके जो नेता हैं केजरीवाल जी उनके डायरेक्शन के बाद ये भागे हैं। हमारे सत्ता पक्ष के साथी भी लॉबी में थे वहां पर प्लानिंग हुई है और वहां पर फोन आया वहां से ये भागे हैं तो मैंने आज भी अरविंद केजरीवाल जी जो कि दिल्ली में नहीं हैं दिल्ली छोड़ के भागे हुए हैं लेकिन दिल्ली की जनता के साथ लगातार नाइंसाफी कर रहे हैं। इतना महत्वपूर्ण मुददा इन्होंने उठाया था और मंत्री जी पूरे जवाब के साथ यहां हाजिर हैं। उसके बाद भी ये अपनी कुर्सी छोड़ के भाग गए हैं।

माननीय अध्यक्षः चूंकि ये परिस्थिति पहली बार ऐसी हुई होगी सदन के समक्ष कि विपक्ष ने Calling Attention लगाया पूरे सुबह से सोशल मीडिया में tweet किए गए कि आज हमने Calling Attention लगाया है और उस पर बिजली पर हम बात करना चाहते हैं और मैं चाहता हूं जैसे मारवाह जी इस पर अपनी बात कहना चाहते हैं माननीय सदस्य ये बहुत ही गंभीर स्थिति है कि विपक्ष का Calling Attention accept हुआ और समूचा विपक्ष गायब है। ये बहुत गैर जिम्मेदार व्यवहार है इस पर मारवाह जी से मैं चाहूंगा पहले मंत्री जी रिप्लाई करें उससे पहले मैं सदस्य उनको एलाउ करूंगा फिर माननीय सदस्य सतीश उपाध्याय जी को भी इस परिस्थिति पर।

श्री तरविन्दर सिंह मारवाहः अध्यक्ष जी, सबसे बड़ी बात ये है कि जो ये बिजनैस का दिया उसमें क्लीयर लिखा हुआ है कि पहले जो है चर्चा होगी सीएजी पे, लिखा हुआ है कि नहीं दूसरे

नंबर पे। लिखने के बावजूद जो विपक्ष के सदस्य हैं हाउस को छोड़ना ये एक इनकी षडयंत्र है। मैं भी जब आया एकदम टीवी वालों ने कहा आज तो ध्यानाकर्षण पे बिजली की कटौती हो रही है। मैंने कहा बिजली की कटौती तो हुई नहीं यार अभी, बिजली की कटौती हो ही नहीं रही जीरो है। मैंने कहा ये कौन सा क्वैशचन ले आए? मतलब जान बूझकर हाउस को गुमराह करना अब इनका रोज हो गया है कि मतलब मैं कहूंगा की बिजली अभी तक अध्यक्ष जी एक मिनट के लिए भी नहीं जा रही लेकिन ध्यान रखें कि हम वाकआउट करेगें सीएजी आ रही है सीएजी पे वो सुनना ही नहीं चाह रहे अध्यक्ष जी। जब भी सीएजी आ रही है उसी वक्त बीस मिनट के अंदर दस मिनट के अंदर भाग जाते हैं। अध्यक्ष जी, इनपे इतना सरल भी मत हो क्योंकि आपने इनको खूब समय दे रहे हो। आपका जब सदस्य थे तो मेरे को इन्होंने बताया कि समय ही नहीं मिलता था और आप जो आप इनपे मेहरबानी कर रहे हैं इनपे थोड़ी सख्ती करो और इनको जो इनकी औकात है जरा बता दो अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य सतीश उपाध्याय जी।

श्री सतीश उपाध्यायः अध्यक्ष जी मैं आपको ये कहना चाह रहा था कि जिस प्रकार से आपने पूरे बिजनैस में आज के बिजनैस में दिया गया कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव जो है वो already listed है लेकिन उसको लेकर के जब हमने पूछा उनसे कि भई आज तो आपने सीएजी की रिपोर्ट आ रही है तो आपका 2500 की बात

नहीं कर रहे हैं लेकिन 2500 की ना बात करके हाउस को किस तरीके से डिस्टर्ब करना है और उन्होंने उसको टूल बनाया यानि संवैधानिक प्रक्रियाओं को disturbance करने का टूल बनाना ये एक गंभीर विषय है और उसके माध्यम से उन्होंने कहा कि सीएजी से पहले आप हमारा उठा उठाकर के दिखाने लगे कि इनको इसको आप बताइए। ये जो गंभीर मुददा है और जैसा आपने बताया कि पुराने सदन में विपक्ष को कभी भी उन्होंने कभी समय ही नहीं दिया ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए कभी उन्होंने मौका ही नहीं दिया लेकिन आपकी ये संवैधानिक प्रक्रिया को बिल्कुल इमानदारी से चलाना लेकिन मेरा आपसे आग्रह है कि अगर संवैधानिक प्रक्रियाओं के नियमों का प्रयोग इस सदन को बाधित करने के लिए किया जाए सदन को डिस्टर्ब करने के लिए किया जाए तो इसके बारे में भी आप को आगे से उनको इस तरह का मौका नहीं देना चाहिए और आपको भी गंभीरता से इस पर विचार करना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः इस पर मनोज शौकीन जी माननीय सदस्य रखेगें बात फिर माननीय सदस्य कुलवंत राणा जी। सदन से विपक्ष का Calling Attention ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लगाकर के भागना ये गंभीर विषय है। इसको सदन को cognizance लेना चाहिए इसलिए मैं माननीय सदस्यों को मंत्री जी के बोलने से पहले रिप्लाई हम करवाएगें फिर भी।

श्री मनोज शौकीनः धन्यवाद अध्यक्ष जी, बहुत ही गंभीर विषय है जिस प्रकार से विपक्ष का रवैया है बहुत ही दुखदायी है

और ये ही नहीं इससे दो और कदम आगे चल के मैं आपको बताना चाहूंगा कि दिल्ली के अंदर जहां भी हम जाते हैं पूछते हैं और हमारी नांगलोई जाट विधानसभा के अंदर किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। अध्यक्ष जी, इस तरह की पार्टी और इनके विधायक और मंत्री रहे हैं। हमारे यहां पर एक ट्रांसफार्मर लगना है अध्यक्ष जी। अशोक मोहल्ले में नांगलोई में शमशान घाट है उसके अंदर वो पूरी तरह से उसकी फिटिंग हो गई काफी सारा काम हो गया और अध्यक्ष जी उसके अंदर जब उस काम को आगे बढ़ाने के लिए मैंने कहा तो पूर्व विधायक और मंत्री ने बीएएसईएस के अधिकारियों को बुलाया और धमकाया कि वहां पर जो ये काम करोगे उसको मैं होने नहीं दूंगा और वो ट्रांसफार्मर वहां पे नहीं लगना चाहिए।

माननीय अध्यक्षः अभी आप कॉलिंग अटैंशन से विपक्ष का गायब होना उस पर उसी विषय पर अगर धरना चाहे अपनी भावना। क्योंकि गंभीर विषय है सदन के समय का।

श्री मनोज कुमार शौकीनः ट्रांसफार्मर अध्यक्ष जी ट्रांसफार्मर बिजली का बिजली की समस्या के समाधान के लिए हम काम कर रहे हैं। और वो लोग परेशानी खड़ी करने की बात कर रहे हैं और वहां पे जो दूसरा ट्रांसफार्मर लगा उस पर जब लोड बैलेंस करने के लिए बीएसईएस के अधिकारियों ने काम करना शुरू किया तो उन्होंने कहा कि हम यहां से वो ट्रांसफार्मर हटा देंगे, क्योंकि वहां पर वो ट्रांसफार्मर लगाने के लिए जगह दिलवायी थी। इस तरह

के कुकृत्य इस तरह के पाप वो करने का काम कर रहे हैं कि दिल्ली के अंदर लोगों को ठीक प्रकार से बिजली मिले और बीजेपी के जो विधायक और जो सरकार बनी है वो ठीक से काम करे। उसके अंदर जितने रोड़े अटका सकते हैं, अटकाने का काम कर रहे हैं। अध्यक्ष जी मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ कि ऐसे लोगों को दिल्ली की जनता जान चुकी है और उन्होंने सबक सिखाया है। हमें काम मिला है हम अच्छा काम करेंगे और दिल्ली के अंदर बिजली की स्थिति बहुत अच्छी है। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य संक्षिप्त में रखें। माननीय सदस्य कुलवन्त राणा जी और उसके बाद माननीय सदस्य अजय महावर जी और करनैल सिंह जी। तीन लोग बस और लास्ट।

श्री कुलवन्त राणाः अध्यक्ष जी हमारे विपक्ष के मित्र पहले से ही योजना बना के आते हैं और ये सत्य है कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव स्वीकार भी हुआ। बिजनेस में उसका हिस्सा भी बना और ये जिस प्रकार की सुचिता के लिए दिल्ली में बेबकूफ बनाकर के लोगों के सामने आये और किस प्रकार के कृत्य 11 साल में इनके समक्ष जनता के आ चुके हैं और दिन पे दिन इनकी जो रोज पोल खुल रही है और किस प्रकार की राजनीति करने ये लोग आये थे और किस प्रकार की राजनीति इन लोगों ने की। सदन में गंभीर ना होना लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए सदन चलता है और दिल्ली के लोगों के प्रति कितने ये लोग सजग हैं, कितने जवाब देह हैं ये इससे स्पष्ट होता है कि बार-बार वॉकआउट करना और

अपने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव में उपस्थित ना होना, तो ये किस प्रकार का दल एक दिल्ली में आया और किस प्रकार के विपक्ष दल के उस नेता के बारे में भी ये उसका संदेश दे रहा है कि ये नेता राजनीति बदलने नहीं आये थे ये लोग दिल्ली का लूटने आये थे और देश की राजनीति भी खराब की और दिल्ली की भी खराब की है। तो ये सही संदेश दे रहे हैं। बहिष्कार करना चाहिए। कुछ विषय अच्छे हैं विपक्ष का काम है विपक्ष को करना चाहिए। लेकिन ये उतने गंभीरता से दिल्ली के लोगों के अधिकारों के प्रति सजग ना रहते हुए खाली राजनीति करने आये हैं और गंदी राजनीति करने आये ये इससे स्पष्ट होता है तो निश्चित रूप से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्य अजय महावर जी।

श्री अजय महावरः धन्यवाद अध्यक्ष जी। मैं तो सिर्फ इतना ही ध्यान दिलाना चाहता हूँ कि आपने चेयर से कहा अभय वर्मा जी ने कहा कि दस वर्षों में कॉलिंग अटेंशन एक भी इन्होंने अपोजिशन के accept नहीं किया। सवाल सिर्फ इतना ही नहीं है, नियम 55 के तहत अल्पकालिक चर्चा भी दस वर्षों में एक भी accept इन्होंने अपनी सत्ता रहते हुए विपक्ष का नहीं किया। ये भी घोर निंदा का विषय है। कभी भी हमको Short duration Discussion जो दिल्ली के समसामयिक मुद्दे थे, दिल्ली की मूलभूत सुविधाओं के प्रोग्रेस के लिए डेवलपमेंट के जर्नी के मुद्दे थे उन मुद्दों पर भी कभी अल्पकालिक चर्चा भी इन्होंने एडोप्ट नहीं किया विपक्ष

का। ये भी एक शर्म का विषय है और मैं लगातार देख रहा हूँ अध्यक्ष जी कि ये हर रोज किसी ना किसी बहाने से पोस्टर लेकर आ रहे हैं। छोटा हो बड़ा हो। जोकि इन्लीगल प्रैक्टिस है इस सदन के लिए और पहले सत्ता पक्ष में रहते हुए भी खुद ही वेल में आना, खुद ही पोस्टर लहराना, फ्लैक्स लटका देना ये सत्ता पक्ष में रहते हुए भी दुरूपयोग करते रहे और अभी विपक्ष में रहते हुए भी लगातार सदन में नित नये ड्रामे करने के लिए सीएजी की रिपोर्ट से भागने के लिए बहाने जो ढूंढते हैं जो रोज ये पोस्टर लेके आते हैं इस पर बैन लगाना चाहिए और आज जिस मेंबर ने सदन का इतना बहुमूल्य समय मांगा कॉलिंग एटेंशन के लिए उस पर जरूर जो लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए पतन है उसके लिए आप जरूर कोई ना कोई नजीर स्थापित करने के लिए जो भी संवैधानिक आपके रूलिंग बुक में हो उस पर जरूर मेंबर कुलदीप के लिए आपको एक्शन लेना चाहिए। ये ही मेरी सदन के माध्यम से आपसे रिक्वैस्ट है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः आप क्या प्रस्ताव कर रहे हैं। सदस्यकि जिसने कॉलिंग एटेंशन लगाया गायब हो गए।

श्री अजय महावरः जी बिल्कुल मैं प्रस्ताव कर रहा हूँ। बिल्कुल प्रस्ताव कर रहा हूँ और इसमें आपका संरक्षण भी चाहता हूँ और सदन का सहयोग भी चाहता हूँ।

माननीय अध्यक्षः सदन के समक्ष है अजय महावर जी का प्रस्ताव जिस सदस्य ने कॉलिंग एटेंशन लगाया और वो यहां उपस्थित नहीं है। यह सदन उनकी कड़े शब्दों में निंदा करता है और भविष्य में इस तरह की हरकत दोबारा ना करें इसके लिए वॉर्न भी करते हैं। अंतिम वक्ता करनैल सिंह जी। एक मिनट मिलेगा।

श्री करनैल सिंहः धन्यवाद अध्यक्ष जी मुझे आपने मौका बोलने के लिए दिया। जैसा कि प्रिवियस सभी सदस्यों ने बताया विपक्ष का गैर-जिम्मेदाराना ये बिहेव सदन का समय तो खराब किया ही है आज उन्होंने और मैं अजय महावर जी ने जो बात रखी है उनका मैं समर्थन करता हूँ कि उनके प्रति एक्शन लेना चाहिए। दूसरा जब भी सदन चलती है करोड़ों रूपए रोज उसपे खर्च होता है। और जैसा कि अभी पिछले एक घंटे से मैं घड़ी में टाइम देख रहा था जब उन्होंने रूल 54 के तहत आपसे निवेदन किया अटेंशन के लिए और उसपे वो गायब हो गए तो इस चीज का हमें बड़ी ही गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे सदस्य के प्रति कार्यवाही करनी चाहिए ऐसा मैं आपसे निवेदन करता हूँ धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः अंतिम वक्ता डॉक्टर अनिल गोयल जी।

डॉक्टर अनिल गोयलः अध्यक्ष जी धन्यवाद। मुझे लगता है कि ध्यानाकर्षण नियम 54 के तहत कुलदीप कुमार जी यहां नहीं है और ये इनकी राजनीतिक सोच जो थी shoot and scoot आरोप लगाओ और दौड़ जाओ, ये पिछले 10-11 साल से जो पार्टी बनी

है shoot and scoot की पॉलिसी वो भी शायद ये ही है क्योंकि ये सोशल मीडिया में कल से चल रहा है। बहुत दिन से चल रहा है। मीडिया में चल रहा, सिर्फ-सिर्फ हंगामा करने का इनका मकसद है। इसका कोई समस्या है या नहीं है इससे कोई लेना-देना इनका नहीं है। मेरा ये सुझाव है मैं इनसे जो भी कानूनी एक्शन है इन सदस्यों को आगे रूल 54 के तहत कोई प्रस्ताव लगाने की अनुमति नहीं दी जाए ये मेरा प्रस्ताव है। धन्यवाद। माननीय अध्यक्ष: अब मैं माननीय मंत्री श्री आशीष सूद जी से कहूंगा कि कॉलिंग अटेंशन पर वो रिप्लाई करें।

श्री आशीष सूद (माननीय ऊर्जा मंत्री): बहुत-बहुत धन्यवाद आदरणीय अध्यक्ष जी आपने विपक्ष द्वारा नियम 54 के अंतर्गत कॉलिंग अटेंशन ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर मुझे हमारी सरकार का मत रखने का अवसर दिया मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी गांव देहात में कई तरह की कहावतें हैं जिसमें श्याने कौए के बारे में भी कई कहावते हैं। मैं उन कहावतों को यहां कहना नहीं चाहता। इस बार विपक्ष के साथ वो ही हो गया श्याना कौआ, नहीं श्याना कौआ कहीं गंदगी में ही गिरता है। बात ये है झूठ बोलो, बार-बार बोलो और भाग जाओ। हिटलर का एक सहयोगी था गोलेबल वो कहता था इतनी बार झूठ बोलो हजार बार झूठ बोलने के बाद झूठ सच लगने लगता है। जब इस कहावत को मैं विपक्ष की और लगाकर देखता हूँ तो सुनने वाले को ही नहीं लगने लग जाता है सच बोलने वाले को भी शायद

हजार बार झूठ बोलने के बाद लगने लग जाता है कि मैं सच बोल रहा हूँ। इसलिए ये श्याने कौए इसपे फंस गए और मैं आपका साधुवाद करता हूँ। आपकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। इस सदन के वो चित्र लोगों को याद होंगे, जब आदरणीय अध्यक्ष जी आपको छः मार्शल अपने सिर से ऊपर उठाकर इस सदन से बाहर फेंक के गए थे जब आप अध्यक्ष बने तो उसके चित्र आये थे। कहा जाता है अध्यक्षीय पीठ अध्यक्षीय पीठ, अध्यक्षीय पीठ निरपेक्ष होती है। आप लोकतंत्र के वो बड़े मानक यहां स्थापित करके देश भर की विधानसभाओं को चलाने के लोकतांत्रिक मानकों को स्थापित कर रहे हैं। उतना विरोध होने के बावजूद 10 वर्ष तक भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को सवाल ना पूछने के बावजूद ओम प्रकाश जी चले गए। 5 साल तक वो सदन वो सदन की बैठक भंग ही नहीं की गयी जिससे उन्हें निकाला गया। 5 साल उन्हें सदन में ही नहीं आने दिया गया। इस सदन ने वो भी दौर देखे। आपने ऐसे में दिल्ली के मुद्दे पर दिल्ली की बिजली के मुद्दे पर और तब जब ये सरकार केवल 40 दिन पुरानी है। ये 40 दिन पुरानी सरकार दिल्ली के बिजली के मुद्दे पर जवाब देने के लिए आपने खड़ी कर दी मैं आपका साधुवाद करता हूँ कि आपने लोकतंत्र के बड़े मानक स्थापित किये हैं। हम 40 दिन पुरानी सरकार है केवल 40 दिन पुरानी सरकार, हम दिल्ली का मुद्दा लेकर खड़े हैं हम जवाब देने को तैयार हैं, दिल्ली की जनता के साथ गुजर रहे एक-एक पीड़ा के क्षण का हिसाब हम

देने को तैयार हैं और जिनके कारण ये हो रहा होगा उससे इसका हिसाब लेने के लिए भी यहां तैयार हैं। ये वो लोग हैं, ये वो लोग हैं जो तारों को जोड़ते हुए आये थे, खम्बे पर चढ़ते थे, तार जोड़ते थे कहते थे, तार जोड़ेंगे, ये बिजली कंपनियां भ्रष्ट हैं, ये बीएसईएस भ्रष्ट है, ये टाटा पावर भ्रष्ट है, शीला दीक्षित जी ने स्वर्गीय शीला दीक्षित जी ने गलत, गलत प्राइवेटाइजेशन किया, इन भ्रष्ट कंपनियों को हम निकाल भेजेंगे। तीन बार सरकार बन गयी माननीय अध्यक्ष जी पहले 49 दिन के लिए फिर 5-5 साल के लिए दो बार 11 साल से ऊपर इन लोगों ने सरकार चला ली, मगर किसी बिजली कंपनी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई किसी बिजली कंपनी के ऊपर, किसी बिजली कंपनी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। हम पर आरोप लगाया जा रहा है, हम पर आरोप लगाया जा रहा है कि 10 वर्षों से बिजली बिलकुल ठीक आ रही थी, इस 40 दिन में हमने ये दुर्दशा कर दी कि रोज बिजली जा रही है। मैं इस आरोप का पुरजोर तरीके से बहुत कड़े शब्दों में पूरी दृढ़ता के साथ पूरे तथ्यों के साथ इस आरोप का मैं खंडन करता हूँ, इस आरोप को लगाने की निंदा करता हूँ। मैं पूरे तथ्यों के साथ, पूरी जिम्मेदारी के साथ संविधान की जो शपथ मैंने ली है, उस शपथ में एक-एक शब्द को अपने साथ आत्मसात करते हुए, मैं इस आरोप की निंदा करता हूँ अध्यक्ष जी, और आपकी अनुमति से मैं तथ्यों के साथ दिल्ली की जनता को इस पवित्र सदन के माध्यम से यहां उपस्थित एक-एक सदस्य की जिन्होंने अपने यहां पर इस सदन के प्रति

इमानदारी की शपथ खायी है, इनके माध्यम से दिल्ली को जनता को बताना चाहता हूँ कि दिल्ली में बिजली का कोई संकट नहीं है। माननीय अध्यक्ष जी विश्व भर में दिल्ली ही नहीं, देश में ही नहीं, विश्व भर में बिजली के सिस्टम को ऑग्यूमेंट करने के लिए, बिजली के सिस्टम को सुचारू रखने के लिए जैसे आप अपनी गाड़ी की सर्विस कराते हैं तो दो दिन गाड़ी छोड़नी पड़ती है ना, आप अपनी स्कूटी की भी सर्विस कराने जाते हैं तो सर्विस सेंटर पर छोड़कर आनी पड़ती है। आप अपने फ्रिज की भी सर्विसिंग कराते हैं तो फ्जि कुछ घंटे के लिए बंद करना पड़ता है उसी तरीके से, उसी तरीके से, उसी तरीके से बिजली के सिस्टम की सर्विस करने के लिए भी बिजली को कुछ देर के लिए बंद करना पड़ता है। गर्मी आने से पहले समर एक्शन प्लान में सालों से ये काम लगातार होता आया है कि हम किसी इलाके में, अब जब से टैक्नोलोजी आयी है तो हम एसएमएस के माध्यम से जनता को बताते भी हैं कि आज एक घंटे के लिए आपके इलाके में ट्रांस्फोर्मर की मेन्टेनेंस के क्या-क्या काम करने पड़ते हैं, मैं यहां सभी माननीय सदस्यों को अवगत कराना चाहता हूँ ट्रांस्फोर्मर बदलना पड़ता है, ट्रांस्फोर्मर का तेल चैक करना पड़ता है, ट्रांस्फोर्मर के उपर आ रहे जम्परों की चैकिंग करनी पड़ती है, ट्रांस्फोर्मर के उपर चल रही तारों के उपर जोड़ तो नहीं है, जोड़ है तो उस पर जो टेप लगा हुआ है टेप में कार्बन तो नहीं आ गया, ऐसे सैकड़ों काम, ऐसे सैकड़ों काम करने पड़ते हैं। इसलिए कोई ये कहे कि

बिजली जाती नहीं है वो झूठ है। बिजली कुछ समय के लिए बंद की जाती है ताकि ये augment किया जाये। विपक्ष दिल्ली की जनता के साथ गिद्ध रवैये की तरह गिद्ध पॉलिटिक्स कर रहा है, लाशों पर, बुराईयों पर नोंचने-खसौटने की कोशिश कर रहा है। वो हम पर दबाव डालना चाहता है ताकि हम pressure में आकर इस मेन्टेनेंस को बंद कर दें ताकि दिल्ली की जनता गर्मी में परेशान हो और वो गिद्धों की तरह अपनी अपनी छतों पर खड़े होकर दिल्ली की जनता की इस परेशानी का मजा लेकर सरकार को कटघरे में खड़ा करें। मगर ये नरेन्द्र मोदी जी के सबका साथ सबका विकास पर इस देश के लिए दिल्ली के लिए मर मिटने वाले लोगों की सरकार है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में किसी दबाव में नही आयेगी, सिस्टम ऑगमेन्टेशन करने के लिए। मैं आज इस घोषणा के साथ-साथ आपको ये भी बताना चाहता हूँ। ये जो हम पर आरोप लगाये जाते हैं कि हम बत्ती के बारे में काम ठीक नहीं कर पा रहे हैं। इसमें सोशल मीडिया के फेक Bot Accounts का इस्तेमाल किया जा रहा है। नकली पोस्ट लगाकर एक नरेटिव करके सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही हैं माननीय अध्यक्ष जी, मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूँ हमारी सरकार इस बात के लिए कानूनी तरीकों को अपना रही है। हमने लॉ से सलाह मांगी है कि झूठी खबर फैलाकर बिजली एक इसेंशियल कमोडिटी है, बिजली कुछ घंटो नहीं रहेगी, दिल्ली में बिजली नहीं रहेगी, आपके घर में बिजली नहीं आयेगी, बच्चों की परीक्षा है,

बीमार है, छोटे बच्चों की देख-रेख है, बुजुर्गों की जरुरत है। ये चीज फैलाकर दिल्ली में अशांति फैलाने का जो प्रयास कर रहे हैं, चाहे वो माननीय नेता विपक्ष क्यों न हो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करके, भारतीय दंड संहिता की कार्रवाई करने के लिए, हमारी सरकार विचार कर रही है। मैं आपके समक्ष रखना चाहता हूँ अध्यक्ष जी, मैं इस सदन को बताना चाहता हूँ अध्यक्ष जी। सोशल मीडिया पर क्या किया जा रहा है। अध्यक्ष जी, कुछ एकाउंट, कुछ एकाउंटों से bot accounts से बयान दिलाया जा रहा है एक bot account है मुकुल शर्मा का, चार फोलोअर हैं साहब और चार ही ट्विट किये हैं चार फोलोअर हैं चार ट्विट किये हैं अरविंद केजरीवाल जी उसकी बात को ट्विट करते है कि बिजली नहीं आ रही मेरे यहां घंटों से। एक एकाउंट है सौम्या कुंडेलिया तीन फोलोअर हैं साहब केवल तीन फोलोअर हैं अरविंद केजरीवाल जी उस एकाउंट को रिट्विट करते हैं आतिशी मर्लिना जी उस एकाउंट को रिट्विट करती हैं खाली चेयर है आतिशी जी मगर आप देख जरूर रही होंगी सिरसा जी ने बताया हमारे सरदार जी हैं, सरदार जी हैं तो पक्का देख रही होंगी। सौम्या कुंडेलिया तीन, तीन फोलोअर्स हैं एक एकाउंट है साहब अभी का Abhi, बोम्बे से है बोम्बे से है अपनी बायो में लिखता है Billionaire and playboy खुराना साहब Billionaire and playboy मैं इनका ध्यान आकर्षित कर रहा हूं मेरा भी ध्यान आकर्षण प्रस्ताव है। खुराना जी अभी लिख रहा है मेरे भाई Billionaire and playboy लिखा है वो एकाउंट

लिखता है Billionaire and playboy और कहता है बिजली नहीं है इस पर अरविंद केजरीवाल जी रिट्विट करते हैं। एक प्वांइट एक एकाउंट है sip point ये पेज चुनाव में आम आदमी पार्टी के bot और जो एकाउंट बना लेते हैं ना fake account जो केवल और केवल आम आदमी पार्टी के ही उन्हीं से ट्विट कराया गया कि बिजली नहीं आ रही है, बिजली नहीं आ रही है, बिजली नहीं आ रही है, बिजली नहीं आ रही है इसलिये हमारी सरकार में इस सदन में बहुत जिम्मेदारी से अध्यक्ष जी स्टेटमेंट कर रहा हूं, बहुत जिम्मेदारी से स्टेटमेंट कर रहा हूं नेता प्रतिपक्ष ने बिजली जाने की बिजली नहीं आने की जो झूठी खबरें की हैं। उन्होंने कहा सोशल मीडिया भरा पड़ा है वो सोशल मीडिया sponsored तरीके से आगे चलाकर दिल्ली में अशांति फैलाने की कार्यवाही है। हम किसी भी ऐसे व्यक्ति को छोड़ेगे नहीं जो दिल्ली में अशांति फैलाने के लिये झूठी खबरों और fake accounts का इस्तेमाल कर रहा है ऐसे सब एकाउंट होल्डर्स को और ऐसे एकाउंट्स को आगे बढ़ाने वाले के खिलाफ दिल्ली की शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही करने के लिये हम जाने वाले हैं। BNS की कार्यवाही दंडनात्मक कार्यवाही करेंगे, माननीय सदस्य defamation सिविल कार्यवाही है। हम इनके ऊपर दंडनात्मक क्रिमिनल कार्यवाही करेंगे ये दिल्ली की शांति भंग करना चाहते हैं हम सारे प्रावधान खोद रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी माननीय सदस्यों का ध्यान चाहता हूं आज नेता प्रतिपक्ष कल से ये कह रही हैं मार्च में तो बिजली

कभी जाती नहीं थी जब से बीजेपी आई है इन्होंने बिजली की तबाही मचा दी है। माननीय अध्यक्ष जी आपने जब से प्रश्नकाल शुरू किया है मैं आप सबका ध्यान चाहता हूं अन्स्टार्ड क्वेश्चन 24 मार्च का अन्स्टार्ड क्वेश्चन माननीय सदस्य नेता, प्रतिपक्ष आतिशी मर्लिना जी ने पूछा था सर, आतिशी मर्लिना जी ने सवाल पूछा था कि 9-2-2025 यानि हमारे जीतने के तुरंत अगले दिन मनोज भाई 9-2-2025 से 16-3-2025 तक दिल्ली में कितनी जगह बिजली कम्पनियों ने बिजली काटी है इसका आंकड़ा दीजिये, इसका आंकडा दीजिये 9-2-2025 से 16-3-2025 तक अध्यक्ष जी ये अन्स्टार्ड क्वेश्चन का जवाब माननीय नेता प्रतिपक्ष आतिशी मर्लिना जी को दिया गया था इसीलिये मैं कहता हूं हम क्रिमिनल कार्यवाही करेंगे ये सब साक्षी के रूप में circumstancial evidences दिख रहे हैं हमने जवाब दिया आतिशी मर्लिना जी बिजली वितरण कम्पनियों द्वारा सभी श्रेणी के अन्तर्गत 9-2-2025 से 16-3-2025 तक बिजली जाने की घटनाओं का विवरण इस प्रकार है 30 सैकेंड 30 मिनट तक, 30 से 60 मिनट तक, 60 मिनट से और कुल संख्या। मैं केवल आपका ध्यान 60 मिनट से अधिक वालों पर दिखाना चाहता हूं 9-2-2025 से 16-3-2025 तक जब तक आदरणीय मुख्यमंत्री रेखा जी की सरकार ने शपथ ली है तब से एक घंटे से ज्यादा बिजली जाने की घटनायें हुई हैं 2092, 2 हजार 92वें मगर जैसा मैंने पहले कहा पहले कहा मैंने कि ये दिल्ली के हितों के लिये लड़ने वाली सरकार है। हम एन्टीसिपेट कर रहे थे इसी तरह की

बदमाशी की जायेगी दिल्ली में अशांति फैलाने के लिये हमने उसी दिन, उसी दिन इन्हें लिखकर दे दिया था कि इसी काल खंड में पिछले साल 3 हजार 8 सौ 81 बार और ये रिकार्ड अध्यक्ष जी सदन के पटल पर है हमने लिखित जवाब दिया था अन्स्टार्ड क्वेश्चन का नहीं–नहीं पढ़ा केवल पढ़ा राजकुमार जी केवल ऊपर के हिस्से पर बोले नीचे के हिस्से को छुपा लिया ये जताने के लिये, ये जताने के लिये छुपा लिया। मैं आपको ये बताना चाहता हूं इस, इस आंकड़े को छुपाकर दिल्ली में अशांति फैलाने का काम किया। जनवरी 2024 और 2025 के भी आंकड़े जिस दिन दिल्ली में जगतपुर एक्सटेंशन में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी कुछ घंटों के लिये लाइट बंद थी लोगों का और बिजली कम्पनी के कर्मचारियों का मारपीट और झगड़ा हुआ उसके बाद रात को 10.00 बजे बिजली चालू हुई, अरविंद केजरीवाल जी ने सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर ट्विट किया पिछली रात 10.00 बजे बिजली चालू हो गई, सुबह 8 बजकर 25 मिनट पर tweet किया कि बिजली नहीं है तो हम तभी समझ गये after 8.00 P.M. पंजाब में काम नहीं होता अरविंद केजरीवाल जी को लेट ही पता चला है। after 8.00 P.M के बाद काम नहीं होता तो इसलिये हमने उस समय आंकड़े जारी किये, हमने आंकड़े जारी किये कि तुम एक साल में जनवरी 2024 से लेकर जनवरी 2025 तक कितनी बार बिजली गई इसलिये अध्यक्ष जी मैं इन खाली कुर्सियों को देखकर ऑन रिकार्ड से कहना चाहता हूं:

"तुम कहीं भी गिरते तो सभांल लेते तुम्हें,

तुम कहीं भी गिरते तो संभाल लेते तुम्हें,

तुमने नज़रों से गिरना चुना तो मैं क्या करूं

तुम कहीं भी गिरते तो संभाल लेते तुम्हें,

तुमने नज़रों से गिरना चुना तो मैं क्या करूं।"

तुमने तय ही किया है कि झूठ के आधार पर दिल्ली की जनता की नजरों के गिरना है तो मैं, मैं इसके लिये कुछ नहीं कर सकता। माननीय अध्यक्ष जी ये दावा किया जाता है 10 साल में, 10 साल में दिल्ली में बिजली कभी जाती नहीं थी। दिल्ली की जनता, दिल्ली की जनता इन्वर्टर और जनरेटर को भूल गई थी तो मैं, मैं ये इस सदन के पटल पर माननीय अध्यक्ष जी इसको पढ़कर आपके समक्ष ऑन रिकार्ड लाना चाहता हूं 10 साल का आंकड़ा आदरणीय पवन जी आपके सामने है। ईयर 2015 एक घंटे से ज्यादा की 31 हजार 2 सौ 85 बार बिजली बंद हुई दिल्ली में याद रखिये सब लिख लीजिये जिनको जरूरत हो। मैं मिडिया के बंधुओं से भी कहना चाहता हूं 2015 में 31 हजार 2 सौ 85 बार, 2016 में 37 हजार 7 सौ 99 बार, 2017 में 35 हजार 5 सौ 7 बार, 2018 में 33 हजार 4 सौ 86 बार, 2019 में 26 हजार 5 सौ 88 बार, 2020 में 23 हजार 1 सौ बार, 2021 में 21 हजार 5 बार, 2022 में 22 हजार 9 सौ 87 बार, 2023 में

22 हजार 61 बार और 2024 के अंत तक 18 हजार 300 बार, इसमें जनवरी और फरवरी और मार्च का आंकड़ा मैंने जनवरी, फरवरी का आंकड़ा शामिल नहीं किया है ये टोटल 10 साल के आउटेजिज़ एक घंटे से ज्यादा बंद होने के आउटेजिज़ बने 2 लाख 72 हजार 1 सौ 37 यानि 75 बार प्रतिदिन दिल्ली में कहीं ना कहीं एक घंटे से ज्यादा बिजली बंद रही और माननीय नेता विपक्ष और तथाकथित दिल्ली के मालिक ये कहते हैं दिल्ली में कभी बिजली बंद ही नहीं होती दिल्ली वाले इन्वर्टर को भूल गये। ये है 75 बार मैं अध्यक्ष जी चाहता हूं कि ये सदन के पटल पर रखा जाये ये रिकार्ड, बार-बार जो कहा जाता है कि दिल्ली में कि दिल्ली में बिजली कभी जाती ही नहीं है 10 साल में 24 घंटे बिजली रही जैसे झूठ का पैर नहीं होता ना आपको सुनकर और मज़ा आयेगा अभी आदरणीय अध्यक्ष जी आपका ध्यान चाहता हूं बड़ा सुनकर मज़ा आयेगा कहते हैं दिल्ली में बत्ती जाती नहीं हमने पूरा इंतज़ाम कर दिया मगर अध्यक्ष जी इनके विभागों को इन पर भरोसा नहीं था। दिल्ली के चार मंत्री एलजी साहब के घर के पास बंगला लेकर रहते थे चारों के घर पर जनरेटर सैट लगे हुये थे, हां जी सर बत्ती नहीं जाती मगर जल मंत्री के घर पर जनरेटर सैट था और एक स्पीकर साहब के घर, अरे सुनो तो सही सर मज़े की बात सुनो Ex डिप्टी स्पीकर साहब के घर पर DG set था, एक्स स्पीकर साहब और एक्स चीफ मिनिस्टर साहब पहले वाले वो ज़रा ज्यादा चतुर थे उन्हें पता था नीचे हमने कैसे तैयार किये हैं

उन्होंने यूपीएस भी लगाया था उसकी पावर बैकअप में जनरेटर भी लगा रखा था। उन्हें पता था ना केजरीवाल साहब को और रामनिवास जी को कि कैसे बंदे हमने खड़े किये नीचे अपने विभाग में तो स्पीकर के घर पर और चीफ मिनिस्टर अरविंद केजरीवाल जी के घर पर शीशमहल में यूपीएस भी लगा था। कल्पना करिये कितने सारे 200 किलो वॉट के एसी हैं, शीशमहल में कितना बड़ा यूपीएस लगा होगा और आतिशी मर्लिना जी कहती हैं दिल्ली की जनता यूपीएस को भूल गई जनरेटर को भूल गई। दिल्ली में बिजली जाती नहीं थी अगर जाती नहीं थी तो इतने बड़े-बड़े पावर बैकअप के लिये इंतजाम इनके घरों पर किये क्यों गये थे और कहने वाली 'छाज तो बोले-बोले छाज तो बोले-बोले छलनी भी बोले' एबी-17 में भी जनरेटर लगा हुआ था जी पावर बैकअप के लिये एबी-17 आतिशी मर्लिना जी का मुख्यमंत्री के नाते आवास था उसमें भी पावर बैकअप के लिये जनरेटर था ये तो इनकी व्यवस्था को इनके सिस्टम को इन पर ही विश्वास था। अब अध्यक्ष जी, मैं केवल कुछ समय लगाकर इनकी पोल, इनकी चिंता की पोल खोलना चाहता हूं आपके सामने। देखो अध्यक्ष जी माननीय अध्यक्ष जी ये बार-बार कहते हैं दिल्ली की जनता को uninterrupted power supply नहीं मिलती ये बार सीएजी में गई नहीं, नहीं तो तो बहुत बड़ा घपला सामने आता मगर मैं आप सबको सभी सम्मानित सदस्यों को अध्यक्ष जी के माध्यम से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि हम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के मार्गदर्शन में इस सारे घटनाक्रम को इस

भ्रष्टाचारको खोलकर दिखायेंगे। हमारे नेता विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने दिल्ली में uninterrupted power supply की व्यवस्था की थी, व्यवस्था की और वो व्यवस्था की Govt. of India notified the electricity Right of Consumer Rule, 2020 on 31.12.2020 को, जिस कानून में माननीय अध्यक्ष जी ये बाध्यता कर दी कि इस देश की हर बिजली कम्पनी को, देश की हर बिजली कम्पनी को एक बार भी बिजली जाने के लिये कंज्यूमर को जितनी देर बिजली नहीं है 10 रूपये किलो वॉट के हिसाब से मुआवजा देना पड़ेगा कंज्यूमर को। ये 2020 में, माननीय मारवाह जी माननीय सदस्य समझिये अगर आपके घर में 5 किलो वॉट का कनैक्शन है और 2 घंटे तक आपके घर में बिजली नहीं आई तो ऑटोमैटिकली आपको 10 रूपये किलो वॉट के हिसाब से एक बिजली का पैसा मिलना चाहिये ऑटोमैटिकली। ये कानून केन्द्र की सरकार ने पास किया हमारी सरकार ने हमारे नेता ने नरेन्द्र मोदी ने पास किया औरये बात करते हैं दिल्ली की जनता को पावर सप्लाई देने की इनको इन्होंने इनसे सवाल मैं पूछना चाहता हूं ये लोग सब कहीं छुपकर बिल में बैठ गये एक तो अध्यक्ष जी।

माननीय अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, आपको एक मिनट टोक रहा हूं मैं जो सेक्रेटरी साहब से कहूंगा क्योंकि Calling Attention ध्यानाकर्षण विपक्ष का है और मंत्री जी रिप्लाई कर रहे हैं और सब गायब हैं ये दिखाया जाये दिल्ली की जनता को स्क्रीन दिखाई

जाये बैंन्चिज़ दिखाई जायें मंत्री जी रिप्लाई करें। अपोजिशन के बैंच भी दिखाये जायें और मंत्री जी का रिप्लाई चलेगा।

माननीय ऊर्जा मंत्री: मैं माननीय अध्यक्ष जी आपको बताना चाहता हूं ये लोग सामने अगर बैठे होते तो इनकी आंखे केवल सीएजी से नहीं दिल्ली की जनता को लूटने के कारण शर्म से झुक जातीं। हमारे नेता आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने दिल्ली की जनता को ये अधिकार दिया था, ये अधिकार दिया था कि इनको लाइट जाने पर automatic reimbursement मिलना चाहिये। अध्यक्ष जी, मैं वो संवैधानिक प्रावधानों को स्टडी कर रहा हूं मैं वो फाइल मिडिया के समक्ष रखूंगा कि कैसे-कैसे 5 साल तक एक मुख्यमंत्री से एक बिजलीमंत्री के पास से होते हुये फाइल जाती रही आती रही, जाती रही आती रही, जाती रही आती रही, साइन नहीं हुये और 2023 से लेकर आज तक वो फाइल दिल्ली की निवर्तनमान मुख्यमंत्री आतिशी मर्लिना जी के कमरे में पड़ी रही मगर उस पर आर्डर नहीं हुये कि दिल्ली की बिजली कम्पनी को दंडित किया जाये।

माननीय अध्यक्ष: इसको मंत्री जी के पीछे से फोटो भी करवाईये ये प्रैस को रिलीज की जायेगी मंत्री जी रिप्लाई कर रहे हैं क्वेश्चन पूछने वाले गायब हैं।

माननीय ऊर्जा मंत्री: आप कल्पना करिये मोदी जी ने कह दिया पैसा मिलेगा केन्द्र सरकार ने, केन्द्र सरकार ने नियम बना

दिया फाइल आती रही जाती रही, आती रही जाती रही, आती रही जाती रही और फिर आतिशी मर्लिना जी उस फाइल पर बैठ गईं इसका जवाब ना देना पड़े। आज भी हो सकता है इधर-उधर कुछ हितैषी हों उन्हें पता चल गया हो कि सरकार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में इनके पोतड़े खोलने वाली है इसलिये आज छुपकर भाग गये यहां से, जवाब देना पड़ेगा इस भ्रष्टाचार का, क्यों इस फाइल को दबाये रखा। मैं पूरे जिम्मेदारी से आज यहां ये कह रहा हूं हर संवैधानिक मानकों को चैक करके इस फाइल को इस फाइल की नोटिंग्स को, इस फाइल की मूवमेंट्स को अगर संभव हुआ कोई संवैधानिक बाधा ना हुई आदरणीय सिरसा जी तो दिल्ली के मिडिया के माध्यम से जनता को बताना पड़ेगा ये फाइल कौन लेकर बैठे रहे कैसे लेकर बैठे रहे।

श्री सतीश उपाध्यायः इनसे वसूलना भी चाहिये जो लोगों का नुकसान हुआ।

माननीय ऊर्जा मंत्रीः माननीय सदस्य माननीय सतीश जी वो सब तो करेंगे अभी तो आगे की सुनिये आप, सुन-सुनकर आम आदमी कैसे होते हैं आपको ध्यान आ जायेगा।

माननीय अध्यक्षः मंत्री को पूरा सम्मान।

माननीय ऊर्जा मंत्रीः माननीय अध्यक्ष जी, एक शेर आपके माध्यम से नेता सदन को वो नेता प्रतिपक्ष को नज़र कर रहा हूं बताईयेगा आतिशी मर्लिना जी को नज़र कर रहा हूंः

''ये ना समझो कि तुम पर नज़र नहीं,

ये ना समझो कि तुम पर नज़र नहीं

मसरूफ हैं हम बेखबर नहीं।''

ये मैं क्यों कह रहा हूं माननीय अध्यक्ष जी कल शाम को एक ट्विट हुआ आदरणीय नेता प्रतिपक्ष जी ने एक ट्विट किया मेरे घर की भी बिजली चली गई, मेरे घर की बिजली चली गई, मेरे घर की बिजली चली गई है आसमान गिर गया साहब धरती क्यों नहीं पलट गई आतिशी जी के घर की बिजली चली गई। on the lighter side मैं आपके माध्यम से हमारी मित्र, हमारी सहयोगी, हमारी बहन आतिशी जी को कहना चाहता हूं she should thank BSES, they gave them a chance without going outside in a restaurant spending money to have a candle light dinner at home.

श्री मनजिन्दर सिंह सिरसा (माननीय उद्योग मंत्री): वर्ना आप तो पैसे की चमक से बाहर आ ही नहीं रहे थे।

माननीय ऊर्जा मंत्री: हां-हां क्या करें जी। मगर अध्यक्ष जी, दिल्ली की जनता को ये पता चलना चाहिए आपके माध्यम से, दिल्ली की जनता को पता चलना चाहिए आपके माध्यम से आम आदमी पार्टी की आम भूतपूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय आतिशी मर्लिना जी दो बिजली फीडरों से बिजली लेती हैं उनके घर में दो बिजली के फीडर जाते हैं जी दो फीडर। अध्यक्ष जी, यहां मैं एक बात कहना चाहता हूं मेरी बात थोड़ी लंबी हो जाएगी एक मिनट कहना

चाहता हूं मैं और माननीय सतीश उपाध्याय जी ये युवा मोर्चा के अध्यक्ष थे मैं महांमंत्री था मुझे वो घटना उनके घर का जिक्र करते ही आ गई मेरे आदर्श मेरे आदरणीय मदनलाल खुराना जी ने हमें एक धरना करने भेजा हम और सतीश जी इस गेट से अंदर घुस गये हम बड़े उत्साहित थे शाम को जाकर के हमने खुराना जी को कहा हम अशोक जैन के घर पर घुस जाते खुराना जी ने मुझसे कहा नहीं आशीष, सतीश जी मेरे साथ थे। आदरणीय खुराना जी बोले देखो हम राजनीतिक प्रतिद्वंदी हैं किसी के घर पर जाकर उसकी हाय-हाय करना किसी के घर पर घुसना ये अच्छी बात नहीं है। मेरे को ये इसलिए याद आया सतीश जी की खुराना जी ने हमें कहा और आज मैं आतिशी मर्लिना जी के घर की बात कर रहा हूं क्योंकि उन्होंने, उन्होंने कल झूठ फैलाकर, फिर झूठ फैलाकर, फिर दिल्ली में भय का वातावरण बनाकर कानून व्यवस्था की स्थिति को खराब करने की कोशिश की जबकि उन्हें पता है उनका घर दो फीडर से कनेक्टेड है। अब जब बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी साहब, बड़ी दूर तलक जाएगी। अभी तो 6 महीने की लाया हूं, नहीं नहीं अभी तो 6 महीने की लाया हूं सिरसा साहब, 6 महीने की खबर लाया हूं दो फीडर हैं। अब सुनिये आदरणीय अध्यक्ष जी आपकी अनुमति हो तो जिसे कहते हैं तब्सरा बयान करता हूं।

माननीय अध्यक्षः अनुमति है।

माननीय ऊर्जा मंत्रीः हां 11/05/2024 बत्ती जाने का समय 2 बजकर 5 मिनट 7 सेकेंड, बत्ती आने का समय 3 बजकर 2 मिनट 55 सेकेंड। 57 मिनट, 48 सेकेंड गई बत्ती 11/05/2024 को। 30/05/2024 को 29 मिनट, 56 सेकेंड गई 18 बजकर 6 मिनट पर मैं अध्यक्ष जी इस बात को आपकी गौर चाहता हूं माननीय सभी सदस्यों का गौर जाता हूं टाइम और मिनटों में गौर करियेगा। पहली बार 11/05/2024 को 57 मिनट 48 सेकेंड, 30/05/2024 को 29 मिनट 56 सेकेंड, 18/06/2024 को 23 मिनट 51 सेकेंड, 19/07/2024 को 22 मिनट 20 सेकेंड, 30/08/2024 को 53 मिनट 33 सेकेंड, 7/09/2024 को 43 मिनट 16 सेकेंड, 23/09/2024 को 47 मिनट 10 सेकेंड, 24/10/2024 को 37 मिनट 48 सेकेंड, 21/12/2024 को नये साल से 10 दिन पहले 1 घंटा 55 मिनट 37 सेकेंड, 7/02/2025 को 32 मिनट 46 सेकेंड, 10/02/2025 को 32 मिनट 42 सेकेंड और 1/03/2025 को 1 घंटा 30 मिनट 58 सेकेंड, 03/03/2025 को 46 मिनट 23 सेकेंड और आदरणीय अध्यक्ष जी आपके सूचनार्थ कल जब ट्वीट हुआ 31/03/2025 को तो सबसे कम 18 मिनट 7 सेकेंड बत्ती गई थी साहब केवल 18 मिनट 7 सेकेंड बत्ती गई थी दूसरे फीडर से कनेक्ट हो गई मगर दिल्ली में हाहाकार हो गया की बीजेपी ने तबाहो-बर्बाद कर दिया। ये जो मैंने आंकड़े पढ़े हैं ये 7 महीने आतिशी मर्लिना जी के घर में बत्ती जाने का आंकड़ा है। कल ट्वीट हो गया कैंडल लाइट डिनर करते-करते की हमारे घर बत्ती

चली गई सबसे कम बत्ती गई और ये आतिशी मर्लिना जी ये कहती हैं कि दिल्ली में 10 साल में बत्ती जाना बंद हो गया, दिल्ली में बत्ती जाना बंद हो गया। ये उनके घर की। दूसरा ये एबी–17 तूसी सिगे नी ऐ केंदे न नइ ए अपने घर दे तो वड्डा जनरनेटर रखिया सी। कैंदे केजरीवाल जी ते घर ते यूपीएस और जनरेटर दोनो सीगा उनानू पता सी किन्ने चोर थल्ले लाए ने।

माननीय उद्योग मंत्री: कहो जी जुतिया तो मंगा लो शीशमहल ते तो दो जनरेटर होंणगे।

माननीय ऊर्जा मंत्री: नहीं–नहीं एक जनरेटर एक यूपीएस तो माननीय अध्यक्ष जी, नेता प्रतिपक्ष जी ने ये जो ट्वीट किया इसकी सच्चाई आपके समक्ष बयान करना इसलिए जरूरी था कि 10 साल से दिल्ली बिलकुल निर्बाध चल रही है। मैंने पहला आंकड़ा उनको लिखित में अतारांकित सवाल के जवाब में दिया था कि हमारे समय में 1800 बार बत्ती गई उसी कालखंड में तुम्हारे समय में 3800 बार बत्ती गई है और आप कहते हैं बत्ती जाती नहीं तुम्हारे घर में ही बत्ती जा रही थी आप ही मुख्यमंत्री थीं क्योंकि मेनटेनेंस के लिए छोटे–मोटे फाल्ट के कारण। हवा तेज चलती है, हवा तेज चलती है जितेन्द्र भाई, हवा तेज चलती है तार से टहनी लग गई बत्ती चली जाती है इलाके में। इनके मुख्यमंत्री रहते गई है इसलिए अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात समाप्त करते समय केवल यह भी बताना जरूरी है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में सरकार ने क्या तैयारी की है नही तो इसके बिना तो बात अधूरी रह

जाएगी। हमने क्या तैयारी की है इनके झूठ को मैंने तथ्यों के साथ इस सदन के समक्ष उधेड़ दिया है। पूरा तथ्य रखे हैं इनमें से एक भी तथ्य वो गलत साबित नहीं कर सकते क्योंकि बिजली का सारा अवगमन SLDC state load despatch centre पर रिकार्डेड होता है। बिजली कंपनियों के पास ये सब डिजिटल दुनिया का जमाना है सब रिकार्डेड है इसलिए अध्यक्ष जी केवल अंतिम 3-4 मिनट मैं आपसे लेना चाहता हूं कि हम क्या कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, जैसा मैंने कहा की हम केवल 40 दिन पुरानी सरकार हैं इस 40 दिन पुरानी सरकार को कैसा नेटवर्क मिला है। देश में बिजली के मानकों में डीईआरसी के माध्यम, डीईआरसी दिल्ली में और देशभर के रेगूलेटरों के माध्यम से कोई भी ट्रांसफार्मर एक ट्रांसफार्मर आपके मोहल्ले में लगा है तो वो 70 प्रतिशत से ज्यादा लोड जितना उसकी लेने की कैपेसिटी है 70 परसेंट से ज्यादा लोड उस पर नहीं डलना चाहिए मगर डीटीएल के आंकड़े देखने के बाद, बिजली कंपनियों से पूरे तथ्यों की रिपोर्ट लेने के बाद उनके अधिकांश असेट 90 परसेंट से 100 परसेंट की कैपेसिटी के बीच में चल रहे है। 90 परसेंट से 100 परसेंट कैपेसिटी पर चल रहे हैं कैपेसिटी augmentation पर कोई काम इस सरकार ने 10 साल में नहीं किया हमें करना पड़ रहा है। उसको बराबरी पर लाने के लिए लोड बैलेंसिंग करने के लिए सबसे बड़ा काम हम कर रहे हैं। मेरे दिल्ली देहात के जो दोस्त हैं मेरे साथी हैं इनके यहीं पर सबसे ज्यादा मार पड़ती है क्योंकि दिल्ली की जो ग्रिड मैप है वो ग्रिड

मैप उत्तम नगर से बाहर जाते-जाते सब मैदान खाली है ग्रिड ही नहीं है। पप्पन कलां का ग्रिड और बदरपुर का ग्रिड अगर पीयूष गोयल जी के बिजली मंत्री के समय में हमने नहीं बनाए होते तो आज दिल्ली का सिस्टम कोलेप्स हो गया होता जिसके दम पर ये लोग ऐश कर रहे हैं। आज उसको भी augment करने के लिए आरकेपुरम ग्रिड से 160 मेगा वॉट का ट्रांसफार्मर उठाकर हम वजीराबाद ले जा रहे हैं और वहां आरकेपुरम से ही एक 100 मेगावॉट उठाकर आईपी एक्सटेंशन ले जा रहे हैं। वजीराबाद से 100 मेगावॉट ले जा रहे हैं पप्पनकलां, गाजीपुर से 100 मेगावॉट पप्पनकलां-2 में ले जा रहे हैं। ये सब हम 15 मई तक कर देंगे ताकी दिल्ली के निवासियों को ये वजीराबाद, ये मुंडका इस बेल्ट में ही इन ट्रांसफार्मरों की कमी के कारण दिक्कत होती है हमारा प्रयास है इसको 15 मई तक कर देने के लिए। इसके अलावा मुंडका में ही 20 मेगावॉट, 20 मेगावॉट बिजली को स्टोर करने का बैटरी बैंक का ट्रायल चल रहा है अध्यक्ष जी। दिल्ली की जनता को 10-12 तारीख को उस ट्रायल को करके हम समर्पित कर देंगे यानी उस बेल्ट में जो सोलर एनर्जी हम ले रहे हैं उस सोलर एनर्जी को उस 20 मेगावॉट एनर्जी को बैटरी में रख लेंगे ताकी दिन में अगर हमारे पास बिजली फालतू है वो इधर-उधर वेस्ट न हो तो वहां के ग्रामीण भाइयों के लिए वहां की अनॉथराइज्ड कालोनियों के लिए हम बेहतर बिजली की व्यवस्था को दे सकते हैं। पेड़ काटना, तारों के रख-रखाव के लिए पेड़ काटना सबसे बड़ी समस्या है हमने उसको

युनिफाइड कमांड बनाकर अब किसी को भी आपमें से भी किसी के क्षेत्र में आपको सबको हमने एक-एक नोडल अधिकारी मैं चिट्ठी पर दोबारा आपको सूचित कर रहा हूं एक-एक नोडल अधिकारी हर विधायक के यहां एक कंप्लेंट रजिस्टर के साथ हमने पहुंचाया है कहीं व्यवस्था न हो तो आप मुझे बता सकते हैं फिर भी मैं चिट्ठी के रूप में आपको सूचित कर रहा हूं उसका नाम, फोन नंबर, कोई बात नहीं कोई बात नहीं कोई कमी है इसीलिए मैं सदन के पटल पर ये जिम्मेदारी से बता रहा हूं। हर बिजली कंपनी में हमने ये व्यवस्था की है केवल इस भागदौड़ में मैंने आप सबको अपने कक्ष में बुलाकर इसको सूचना कराके आगे जिन-जिनकी दिक्कत होगी, आपको भी कोई पेड़ काटने में दिक्कत हो ये युनिफाइड कमांड हम बना चुके हैं। आजतक रोड कटिंग के लिए भी व्यवस्था कर दी गई है आपके इस समर एक्शन प्लान में कोई भी केबल बदलने के लिए रोड कटिंग के लिए कोई सी भी एजेंसी किसी को भी रोक नहीं पाएगी इसकी व्यवस्था हमने कर दी है। आजतक ट्रांसफार्मर को दिन में ले जाने के लिए रोक-टोक रहती थी कल ही हमने ये तय किया आने वाले दिनों में दिल्ली पुलिस से लगकर बड़े ट्रेलर पर भी क्योंकि रात को ट्रांसफार्मर फुक गया तो अगले दिन ही रात को निकल पाता है 24 घंटे एरिये में क्योंकि दिल्ली में बिजली के आवागमन को आजतक किसी ने इस ओर सोचा ही नहीं की ये इसेंशियल कमोडिटी है। हम इसके लिए सिरसा साहब की भी मदद लेकर ग्रैप से निकालने के लिए बिजली

के काम को ग्रैप से निकालने के लिए भी हम क्रमबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं उसमें हम आदरणीय सिरसा साहब की भी मदद और सहयोग ले रहे हैं इन्होंने उसमें हमें बहुत सहयोग दिया है। 218 ऐसे नये असेट जो हम तीन सप्ताह में लगा सकते हैं उसके लिए लैंड की कमी आई आप सबको भी चिट्ठी लिखने वाले हैं अपने-अपने क्षेत्र में हमें लैंड दिलाएं 218 नये असेट यानी नये ट्रांसफार्मर बिजली व्यवस्था बीआरपीएल 3 महीने में कर सकती है। सोलर को बढ़ाने के लिए हमने 10 हजार रुपये किलोवाट की सब्सिडी को बढ़ाया है यानी अब 1 लाख 8 हजार रुपये मिलेगा सोलर की कैपेसिटी को बढ़ाने का काम हम कर रहे हैं। हमने 24 घंटे काम करने के लिए अध्यक्ष जी एक कंट्रोल रूम बना दिया है बहुत जल्द पॉवर मिनिस्टर के आफिस में वॉररूम बना रहे हैं। डीटीएल के दफ्तर में एक कंट्रोल रूम बना दिया गया है जिसमें सारे डिस्कॉम और डीटीएल के कर्मचारी 24 घंटे बैठेंगे गर्मी में जैसे ही तापमान बढ़ा एक फीडर पर बिजली बढ़ रही है कोई उचित अधिकारी नहीं है इसको बदलकर यहां से बिजली दे दो वो सब निर्णय त्वरित करने के लिए हमने काम किया है ये मैं बहुत विनम्रता से और दृढ़ता से कहता हूं हम 40 दिन की सरकार हैं, हम केवल 40 दिन की सरकार हैं 40 दिन में भी हम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में ये कहना हमने बंद कर दिया है कि उन्होंने हमारे साथ ये गलत कर दिया इसलिए हम ये नहीं कर पा रहे है। अध्यक्ष जी हमने आपके सम्मुख ये बताने का प्रयास किया

है कि हमारी सरकार रेखा जी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में क्या कर रही है। हम कोई ब्लेमगेम नहीं कर रहे हैं मगर कोई दिल्ली की शांति भंग करेगा ब्लेमगेम करके तो भारतीय दंड संहिता बीएनएस की धारा के अंतर्गत जरूर कार्यवाही करेंगे किसी को छोड़ेंगे नहीं दिल्ली की कानून व्यवस्था अपने हाथ में लेने का अवसर नहीं देंगे किसी को भी। मैं अध्यक्ष जी बहुत दश्ढ़ता के साथ विनम्र शब्दों में मगर दश्ढ़ता के साथ इन आरोपों का खंडन करता हूं जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा गया की दिल्ली में भाजपा के आने के बाद मुख्यमंत्री जी के कार्यभार संभालने के बाद दिल्ली की बिजली व्यवस्था खराब हुई है। मैं तथ्यों के साथ किसी भी मंच पर कहीं पर भी ये साबित कर सकता हूं कि दिल्ली में बिजली की व्यवस्था हमने पहले से ज्यादा सुदृढ़ करने का एफर्ट किया है हम ब्लेमगेम नहीं चाहते मगर हां एट द सेम टाइम झूठे ब्लेम्स को अपने ऊपर लेकर सरकार को बदनाम करके दबाव में लाकर काम को विकास कार्यों को रोकने के प्रयासों की हर भरसक निंदा करने के साथ-साथ दंडात्मक कार्यवाही करेंगे। मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा कराई नही तो रोज एक नरेटिव सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट्स, झूठे दावों के साथ एक हम तो साधारण लोग हैं जी इनमें से किसी के भी पास ऐसे जुगाड़ नहीं हैं कि ये वाशिंगटन पोस्ट में या न्यूयार्क टाइम्स में आर्टिकल छपवाएं। हम तो अपनी-अपनी सड़कों पर गलियों में लोगों के बीच में घूमकर उनकी समस्या हल

करते हैं इसलिए आप हमें ये अवसर नहीं देते तो इस माध्यम से दिल्ली की जनता को कैसे पता चलता, कैसे पता चलता की हम क्या कर रहे हैं और ये कैसे झूठ फैला रहे हैं। मैं आपका साधुवाद करता हूं कि आपने दिल्ली की जनता को स्पष्ट करने का हमें अवसर दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के प्रयासों को दिल्ली की जनता तक पहुंचाने का आपने हमें मौका दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत आभार अध्यक्ष जी मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं सादर नमस्कार।

माननीय अध्यक्षः माननीय सदस्यो अभी बिजली पर विस्तार से मंत्री जी ने रिप्लाई किया है मैं भी एक सूचना आपको देना चाहता हूं और ये है कि हमने दिल्ली की विधानसभा को सोलर से एनर्जाइज करने का फैसला लिया है 100 दिन के अंदर-अंदर ये सब लाइट जो हैं ये सोलर से चलेंगी। तो हमने टारगेट रखा है 100 दिन का कि पूरी असेंबली में सोलर से ही बिजली सप्लाई होगी। अब माननीय सदस्यगण दिल्ली विधानसभा की निम्नलिखित सदस्य जो 3 फाइनेंस कमेटी थीः लोक लेखा समिति, सरकार उपक्रमों संबंधी समिति कमेटी ऑन गवर्नमेंट अंडर टेकिंग्स, कमेटी ऑन पब्लिक अकाउंट्स, कमेटी ऑन इस्टीमेट्स। मुझे बताने में हर्ष हो रहा है कि 2025-26 के लिए वित्तीय समितियों के सदस्यों का युनेनिमस जो है उनको निर्वाचित किया गया है। उनके नाम मैं पढ़ रहा हूं पब्लिक अकाउंट्स कमेटी में जो-जो सदस्य हैं ये अल्फाबेटिकली

हैं नाम से, श्री अजय महावर, श्री अरविन्दर सिंह लवली, श्रीमती आतिशी, श्री कैलाश गहलौत, श्री कुलदीप कुमार, श्री राजकुमार चौहान, श्री सतीश उपाध्याय, श्रीमती शिखा रॉय, श्री विरेन्द्र सिंह कादियान। कमेटी ऑन गवर्नमेंट अंडरटेकिंग श्री अहिर दीपक चौधरी, डॉक्टर अजय दत्त, डॉक्टर अनिल गोयल, डॉक्टर गजेन्द्र दराल, श्री कुलदीप सोलंकी, श्री प्रेम चौहान, श्री राजकरण खत्री, श्री संजीव झा, श्री तिलकराम गुप्ता। कमेटी ऑन इस्टीमेट्स श्री गजेन्द्र सिंह यादव, श्री हरीश खुराना, श्री इमरान हुसैन, श्री कुलवंत राणा, श्रीमती पूनम शर्मा, श्री संदीप सहरावत, श्री संजय गोयल, श्री सोमदत्त, श्री विशेष रवि। बहुत जल्द चेयर जो है तीनों कमेटी के अध्यक्ष की भी घोषणा कर देगी। अब माननीय सदस्यगण यहां पर अल्प-कालिक चर्चा नियम-55 के तहत श्री सूर्य प्रकाश दिल्ली में पानी की कमी, जलभराव, सीवरेज की रुकावट और नालियों की सफाई के संबंध में दिनांक 3 मार्च, 2025 को शुरु की गई चर्चा पुनः प्रारंभ करेंगे। किन्हीं कारणों से चर्चा टलती रही समय के अभाव के कारण और इसमें मैं कहूंगा कि श्री सूर्य प्रकाश खत्री जी चर्चा को प्रारम्भ करेंगे, उसके बाद श्री मोहन सिंह बिष्ट और राजकुमार भाटिया जी इस चर्चा को आगे बढ़ायेंगे और तत्पश्चात माननीय मंत्री उत्तर देंगे।

अल्प-कालिक चर्चा नियम-55

श्री सूर्य प्रकाश खत्री: धन्यवाद अध्यक्ष जी, माननीय अध्यक्ष महोदय इस पवित्र सदन के गणमान्य सदस्यगण आज मैं जल मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह जी का ध्यान दिल्ली के जल आपूर्ति सीवर व जल भराव की तरफ ले जाना चाहता हूं। अध्यक्ष जी, आज मैं जो इस सदन में खड़ा हूं यह कोई मैं एक अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर नहीं अपितु पूरी दिल्ली की समस्या को लेकर इस सदन के सभी सदस्यों को अवगत कराना चाहता हूं। अध्यक्ष जी आज मैं एक दर्द भरे दिल से खड़ा हूं क्योंकि दिल्ली की आत्मा घायल है। उसके सीने में छुरा घोंपा गया है। उन्हीं हाथों ने जो आज ये सारी विपक्ष की कुर्सियां खाली पड़ी है उन्हीं हाथों ने जो इसे सुरक्षित रखने की शपथ लेते थे। अध्यक्ष जी, साफ शब्दों में कहूं तो केजरीवाल सरकार ने पिछले दस ग्यारह साल में अपने कार्यकाल के दौरान दिल्ली के दिलों में धोखे का छुरा घोंपा है और इस छुरे को हर बार घुमाते हुए उन्होंने दिल्ली के दो करोड लोगों के विश्वास के साथ विश्वासघात किया है और दिल्ली को एक मानवीय संकट के अंदर झोंक दिया। दिल्ली के लोगों का जीना दूर्भर कर पिछली सरकार ने पिछले सालों में भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं किया। अध्यक्ष जी पिछली सरकार ने सारा पैसा या तो Advt. में खर्च किया अपने आप को प्रसिद्धी के लिए और या अपने शीश महल बनाने में खर्च किया। अध्यक्ष जी, मैं आपके सामने दिल्ली की वास्तविक स्थिति को रखने आया हूं। एक ऐसी स्थिति जो हमारी

राजधानी की गरिमा के साथ खिलवाड़ कर रही है। अरविन्द केजरीवाल सरकार ने दिल्ली और यहां के लोगों की जो उपेक्षा की है उसकी मिसाल मिलनी मुश्किल है। अध्यक्ष जी, मैं आज आपको कुछ ठोस आंकडों के साथ और तथ्य के साथ बताऊंगा कि दिल्ली, कैसे दिल्ली जल बोर्ड सीवरेज सिस्टम जल भराव की समस्याओं ने दिल्ली वासियों का जीवन दूर्भरकर दिया। अध्यक्ष जी केजरीवाल सरकार की निगरानी में दिल्ली जल बोर्ड साफ पानी के नारे लगाता रहा। लेकिन खुद उनके दफ्तरों में अफसर बोतल बंद पानी पिया करते हैं और आज भी पी रहे है। अध्यक्ष जी, पाखंड उनके नलों से बहने वाले जहरीलें पानी से भी गाढ़ा है। मिडिल क्लास कालोनियां अमीर इलाके, गरीब बस्तियां आज एक समान पीड़ित हैं।

माननीय अध्यक्षः कोरम बैल बजाई जाए।

(माननीय अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार कोरम बैल बजाई गई)

माननीय अध्यक्षः करिये जारी करिये।

श्री सूर्य प्रकाश खत्रीः अध्यक्ष जी आज दिल्ली में नालों का गंदा पानी पीने के पानी में मिलकर नलों को जहर उगलने वाली नलियों में बदल दिया है। इससे बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। बुजुर्ग तड़प रहे हैं। पिछली सरकार को नैतिकता को जो पाठ पढ़ाती रही, जबकि वे खुद एक मानवीय संकट में जिम्मेवार है। दिल्ली जल बोर्ड लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए जिम्मेवार है

लेकिन 2024-25 के आंकड़े बताते हैं कि पिछली सरकार अपने कर्त्तव्यों में पूरी तरह से विफल रही है। दिल्ली के कई इलाकों में गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है जिससे लोगों को गम्भीर स्वास्थय समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष जी, आंकड़े बताते हैं दिल्ली के तीस परसेंट से अधिक इलाकों में पानी की गुणवत्ता खराब है। 2024 दिल्ली जल बोर्ड के खिलाफ दिल्ली जल बोर्ड के खिलाफ पांच हजार से अधिक शिकायतें दर्ज की गई। जिनमें से अधिकतर गंदे पानी की आपूर्ति से सम्बन्धित है। दिल्ली के निचले इलाके जैसे संगम विहार, ओखला और मंडका में गंदे पानी की वजह से लोगों को त्वचा रोग और पेट सम्बन्धी बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली के अंदर नालों का तो क्या हाल हर बारिश में दिल्ली अपनी ही गंदगी में डूब जाती है। अध्यक्ष जी, क्योंकि पिछली केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के अंदर हा-हाकार मचा दिया। नालों की सफाई पानी का उल्टा बहाव घरों में घुसता है। गंदी नालियां, नालों में बदल गई है। गर्मी का मौसम आ चुका है अध्यक्ष जी और बरसात का मौसम आने वाला है। हमें इस दिल्ली में ज्यादा संजीदगी से काम करने की आवश्यकता है। पिछले साल जल भराव के कारण राजेन्द्र नगर में यूपीएससी के तीन होनहार बच्चों की मृत्यु पानी में डूबने से हो गई थी। जो कि सरकार के लिए पिछली सरकार के लिए शर्मनाक चीज है। अध्यक्ष जी, दिल्ली का सीवरेज सिस्टम पूरी तरीके से चरमरा गया क्योंकि उन लोगों ने कभी भी इस सिस्टम पर ध्यान ही नहीं दिया। सीवर

लाईनों की सफाई और डिसिल्टिंग का काम लगातार उपेक्षित होता रहा। अध्यक्ष जी, 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली के साठ परसेंट से अधिक सीवर लाईनों में डिसिल्टिंग हुई ही नहीं। दिल्ली के कई इलाकों में सीवर लाईनें टूटी हुई है। जिससे गंदगी और बदबू फैल रही है। दिल्ली नगर निगम के अनुसार 2024 में सीवर लाईनों की मरम्मत के लिए आवंटित बजट का केवल 40 परसेंट ही उपयोग किया गया। डिसिल्टिंग कई सालों से पेपर में करके पिछली सरकार ने करोड़ो रूपये का भ्रष्टाचार किया है। जिसकी जांच होनी चहिए। 2024 में दिल्ली के पचास से अधिक इलाकों मे जलभराव की समस्या देखी गई है। जिसमें करोल बाग, लाजपत नगर, गीता कालोनी जैसे प्रमुख इलाके शामिल है। मलका गंज, मुखर्जी नगर, जल भराव की वजह से दिल्ली के कई इलाकों में सीवर लाईनें टूटी हुई है गंदा पानी सड़क पर फैल गया और चारों तरफ जरा सा भी पानी इकट्ठा होता है और सड़के तालाब के रूप में बदल जाती है। अध्यक्ष जी, दिल्ली नगर निगम के अनुसार 2024 में जल भराव की वजह से दो सौ से अधिक दुर्घटनाएं हुई है और इसमें से कई गम्भीर हैं। आज ये स्थिति बताती है पिछली सरकार ने दिल्ली के बुनियादी ढ़ांचे को मजबूत करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अध्यक्ष जी, दिल्ली की जनता न्याय के लिए चीख रही है। पिछली सरकार ने हमारी शहर गुलमोहर से बदबू में और सद्भाव से नफरत में और उम्मीद को निराशा में बदल दिया है। अध्यक्ष जी, विपक्ष से मेरा कहना है तुम्हारा छुरा, वैसे तो

अध्यक्ष जी कहीं ना कहीं टीवी के सामने वो बैठे होंगे, यहां नहीं है उससे कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन आज दिल्ली की जनता देख रही है किस तरीके से हम दिल्ली की जनता के लिए अध्यक्ष जी आपकी अध्यक्षता में दिल्ली की चिंता करने के लिए इस सदन के अदंर दिल्ली की जनता की आवाज उठा रहे है कि दिल्ली के साथ किस तरीके का धोखा हुआ। मैं कहना चाहता हूं अध्यक्ष जी, विपक्ष को तुम्हारा छुरा नाकाम हो गया। दिल्ली के लोगों ने तुम्हारे छल का पर्दाफाश कर दिया। दिल्ली के लोगों के साथ हुए भेदभाव और अराजकता तो हमारी सरकार खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम पुनः इस शहर की नियति को तय नहीं करने देंगे। हम इसकी गरिमा को पुनर्जीवित करेंगे। इसकी धड़कन को वापिस लेकर आयेंगे। हम इसकी गरिमा को चाहे तुम हमारा साथ दो या ना दो दिल्ली के लोगों की इन समस्याओं की भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। गंदे पानी, टूटे सीवर लाईनें जल भराव की वजह से दिल्ली का जीवन नरक बन गया। आज हमारी लोकप्रिय मुख्य मंत्री बहन रेखा जी और हमारे भाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह जी दिल्ली में घूम-घूमकर दिल्ली को पुनर्जीवित करने के लिए रात दिन अथक परिश्रम कर रहे हैं। दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को पानी पीने के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। जिसकी वजह से टैंकर माफियाओं का राज दिल्ली के जल पर हो गया है। सीवर लाईनो की टूटने की वजह से कई इलाकों में गंदा पानी घरों में घुस गया है जिससे कि लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।जल भराव

की वजह से कई इलाकों मे यातायाद ठप्प हो गया है। जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है आज मैं बताना चाहता हूँ जब तक अध्यक्ष जी दिल्ली की जो नजफगढ़ नाला जो कि नजफगढ़ से लेकर और यमुना जी तक आता है। जब तक हम लोग उसका डिसिल्टिंग का काम नहीं करेंगे तब तक इसका समाधान होना बड़ा मुश्किल है। यह मेरा एक सुझाव है। सभी डिपार्टमेंट से डिसिल्टिंग का काम अध्यक्ष जी यह सारा काम जब तक हम एक एजेंसी को नहीं देंगे हमारी दिक्कत यह है कि पिछली सरकारों के बनाये हुए कानून के तहत हमारे अफसर सभी चीजों को एक-दूसरे के ऊपर डालते हैं। एक व्यक्ति कहता है कि मेरा काम सिर्फ झाड़ू लगाना है, दूसरा काम कहता है ये एजेंसी दूसरी आयेगी जो डिसिल्टिंग का ऊपर का ढक्कन हटाएगी, तीसरी कहती है तीसरी एजेन्सी उसको निकालेगी, चौथी एजेन्सी उसको वहां से सूखने के बाद उठाकर लेकर जाएगी। मेरा सुझाव है अध्यक्ष जी दिल्ली के अंदर अगर हमें प्रोपर डिसिल्टिंग करनी है और अकाउंट पर उसको लाना है तो यह सारा काम एक ही एजेन्सी को दिया जाए। डिसिल्टिंग होने के बाद जब तक उस क्षेत्र का विधायक नो ओब्जेक्शन ना दे दे, तब तक उस क्षेत्र में डिसिल्टिंग की पेमेंट ना हो, ये मेरा सुझाव है दिल्ली के अंदर। अध्यक्ष जी चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट दिल्ली का सबसे बड़ा पुराना प्लांट है। दोनों प्लांट अक्सर खराब रहते हैं उनकी कैपेसिटी आज कम हो चुकी है। दिल्ली के अंदर जनता बढ़ चुकी है, इसको बदलना चाहिए। हैदरपुर, सोनिया विहार, वजीराबाद, भागीरथी

द्वारका, नांगलोई, ओखला, बवाना इन सब जगहों के जितने भी प्लांट्स हैं, इन सब पर हमें ध्यान देना चाहिए। दिल्ली की सभी मेन सीवर लाईनों के पाईप कई विधानसभाओं में हैं। अध्यक्ष जी 50 साल से भी पुराने हो चुके हैं जो पूरी तरीके से ब्लॉक हैं। मैं चाहूँगा कि जल मंत्री जी उनके लिए बजट कराकर दिल्ली की ये सभी पाईपों को आज बदलने की आवश्यकता है और इसमें मेरे दिल्ली के अध्यक्ष दिल्ली के जल बोर्ड के हमारे मंत्री जी हैं। उन्होंने अभी हमारे को आश्वासन दिया है पीछे कि दिल्ली में सुपर सेक्शन की मशीनें 31 शायद आ चुकी हैं और 31 और भी आ रही हैं। जिसकी कि आज हमें बहुत ज्यादा दिक्कत है। अध्यक्ष जी, पिछली सरकार के कार्यकाल में दिल्ली जल बोर्ड की वित्तीय स्थिति इतनी खराब हो गई कि वित्तीय स्थिति 2021-2022 में दिल्ली जल बोर्ड ने एक करोड़ एक सौ छियानवे लाख का घाटा दर्ज किया, जो 2019 और 2020 में 344 करोड़ रुपये के घाटे से 247.6 परसेंट अधिक था। लेकिन लास्ट में अध्यक्ष जी, जहां तक मेरी जानकारी है, जब इस सरकार को दिल्ली के अंदर सत्ता मिली थी तब कांग्रेस शायद इनको कुछ प्रोफिट में जलबोर्ड देकर गयी थी और आज स्थिति यह है कि दिल्ली का जल बोर्ड 74,000 करोड़ रुपये के लॉस में है। इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं किया। आज दिल्ली के अंदर दिल्ली का जल बोर्ड भारी वित्तीय परेशानी को झेल रहा है, जिसकी कि पूरी इंक्वायरी कराने के बाद इनसे कन्सर्न व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। मैं अध्यक्ष जी

आपने इस पर बोलने का मौका दिया, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ और मैं ये चाहता हूँ कि दिल्ली के लिए जो हमारी सरकार इस समय हमारी मुख्यमंत्री और हमारे जल मंत्री जो पूरी तरीके से जूझ रहे हैं रात-दिन और हम सब विधायकों को भी बुलाकर उन्होंने बैठक ली है। मैं चाहता हूँ कि ऐसे भी अफसर जो दिल्ली को, जिनको काम करने की पिछले 11 साल में आदतें नहीं रही, मैं सभी विधायकों के बिहाफ पर ये भी कहना चाहूँगा आज हमें उनको भी बदलने की जरुरत है, ताकि दिल्ली के अंदर सुचारू रूप से काम चल सके। अध्यक्ष जी आपने मौका दिया दिल्ली की जनता के बिहाफ पर, दिल्ली की जनता के लिए, मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ और जल्द से जल्द कुछ उम्मीद करता हूँ कि हमारे जल मंत्री और हमारे मुख्यमंत्री दिल्ली के अंदर आगामी आने वाली बारिश को और गर्मी को देखते हुए, दिल्ली की सब समस्याओं का निदान तुरंत कराएंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्षः इस अल्पकालिक चर्चा में कल सदस्य भाग ले सकेंगे। अब सदन की कार्यवाही बुधवार दिनांक 2 अप्रैल, 2025 को अपराह्न 2 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(सदन की कार्यवाही दिनांक 02 अप्रैल, 2025 को अपराह्न 2 बजे तक के लिए स्थगित की गई।)

© दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र शासन अधिनियम, 1991 की धारा 18 (2) के उपबंधों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली विधान सभा प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 281 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत प्रकाशित तथा ग्राफिक प्रिंटर्स, 2965 /41, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली-110 005 द्वारा मुद्रित।